ऑनलाइन सट्टेबाजी मामले में सुरेश रैना से पूछताछ-12

अमेरिकी शुल्क का प्रभाव 6 माह से ज्यादा टिकने वाला नहीं: सीईए - 12

अगले महीने न्यूयॉर्क जा सकते हैं प्रधानमंत्री मोदी - 13

खेल विधेयक छह महीने में लागू कर दिया जाएगा : मांडविया - 14

आज का मौसम

29.0° अधिकतम तापमान

26.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 05.41 सूर्यास्त 06.52

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| बरेली |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

भाद्रपद कृष्ण पक्ष षष्ठी 02:07 उपरांत सप्तमी विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 14 अगस्त 2025, वर्ष 6, अंक 265, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

ब्रीफ न्यूज

तहव्वुर राणा को भाई से बात करने की अनुमति

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने 26/11 मुंबई हमले के आरोपी तहव्वुर हुसैन राणा को निजी वकील की नियुक्ति पर चर्चा के लिए इस महीने अपने भाई से तीन बार फोन पर बात करने की बुधवार को अनुमति दे दी। अदालत के सूत्रों ने बताया कि विशेष न्यायाधीश चंदर जीत सिंह ने डिजिटल माध्यम से पेश हुए राणा की न्यायिक हिरासत भी आठ सितंबर तक के लिए बढ़ा दी। फोन कॉल रिकॉर्ड किए जाएंगे और जेल अधिकारियों की मौजूदगी में अंग्रेजी या हिंदी में बातचीत होगी।

छह करोड़ की ठगी में एक व्यक्ति गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा से बी.टेक कर चुके एक व्यक्ति को सोशल मीडिया के जरिये 6.03 करोड़ रुपये की ठगी करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि आरोपी कृष्ण कुमार (29) को ग्रेटर नोएडा के कुलेसरा से गिरफ्तार किया गया और उसने शेयरों की खरीद-फरोख्त में भारी मुनाफे का वादा कर लोगों को कथित तौर पर ठगा।

अंतर्राज्यीय हेरोइन तस्कर गिरोह पकड़ा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने हेरोइन तस्करी में लिप्त एक अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है और इसके सरगना व सहयोगी को गिरफ्तार कर लिया है। एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि पुलिस ने आरोपियों के पास से 809 ग्राम हेरोइन बरामद की है, जिसकी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत 80 लाख रुपये है। आरोपियों के पास से 3,300 रुपये और तीन मोबाइल फोन भी बरामद किए गए हैं।

चीनी मांझे के 112 रोल जब्त, तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने स्वतंत्रता दिवस समारोह से पहले राष्ट्रीय राजधानी में अलग-अलग जगहों पर छापेमारी के दौरान प्रतिबंधित चीनी मांझे के 112 रोल बरामद किए और तीन लोगों को गिरफ्तार किया। एक पुलिस अधिकारी ने बुधवार को बताया कि आरोपियों की पहचान हरियाणा के रोहतक निवासी योगेश, दिल्ली निवासी हर्ष और राजीव के रूप में हुई है। गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए उत्तम नगर स्थित योगेश की दुकान जगदंबा स्टेशनरी से मांझे के 27 रोल बरामद किए।

अंदर देखें ... कैम्पस

अमृत विचार कैम्पस

जलवायु परिवर्तन के दौर में भी भरी अन्नदाता की झोली

शार्टकट नहीं स्टार्टअप

पढ़ाई के साथ कमाई भी, जरा जल्दी करें अप्लाई

सरकार ने श्री बांके बिहारी मंदिर न्यास के गठन को विधानसभा में पेश किया विधेयक

न्यास संभालेगा संपत्ति और प्रशासन

- न्यास का गठन स्वामी हरिदास की परंपरा के अनुसार मंदिर के रीति-रिवाज के आधार पर किया

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश विधानसभा के मॉनसून सत्र के तीसरे दिन श्री बांके बिहारी मंदिर न्यास विधेयक को पेश किया गया। विधेयक स्पष्ट करता है कि मंदिर के चढ़ावे, दान और सभी चल-अचल संपत्तियों पर न्यास का अधिकार होगा। इसमें मंदिर में स्थापित मूर्तियां, मंदिर परिसर और प्रसीमा के भीतर देवताओं के लिए दी गई भेंट, उपहार, किसी भी पूजा-सेवा-कर्मकांड-समारोह-धार्मिक अनुष्ठान के समर्थन में दी गई संपत्ति, नकद या वस्तु रूपी अर्पण, तथा मंदिर परिसर के उपयोग के लिए डाक या तार से भेजे गए बैंक ड्राफ्ट और चेक तक शामिल हैं।

मंदिर की संपत्तियों में आभूषण, अनुदान, योगदान, हुंडी संग्रह सहित श्री बांके बिहारी जी मंदिर की सभी चल एवं अचल संपत्तियां शामिल मानी जाएंगी। वहीं, राज्य सरकार ने कहा है कि न्यास का गठन स्वामी हरिदास की परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए किया गया है। स्वामी हरिदास के समय से चली आ रही रीति-रिवाज, त्योहार, समारोह और अनुष्ठान बिना किसी हस्तक्षेप या परिवर्तन के जारी रहेंगे। न्यास दर्शन का समय तय करेगा, पुजारियों की नियुक्ति करेगा और वेतन, भत्ते, प्रतिकर निर्धारित करेगा। साथ ही भक्तों और आगंतुकों की सुरक्षा तथा मंदिर के प्रभावी प्रशासन और प्रबंधन की जिम्मेदारी भी न्यास पर होगी।

न्यास गठन के बाद श्रद्धालुओं को विश्वस्तरीय सुख-सुविधाएं उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। जैसे कि- प्रसाद वितरण, वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगों के लिए अलग दर्शन मार्ग, पेयजल, विश्राम हेतु बेंच, पहुंच एवं कतार प्रबंधन कियोस्क, गौशालाएं, अन्नक्षेत्र, रसोईघर, होटल, सराय, प्रदर्शनी कक्ष, भोजनालय और प्रतीक्षालय जैसी व्यवस्थाएं विकसित की जाएंगी।

विधानसभा में विधेयक पेश करने के दौरान मौजूद नेता सदन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना।

स्वामी हरिदास के वंशज ही बनेंगे राज-भोग और शयन-भोग सेवादार

लखनऊ। राज्य विधानसभा में बुधवार को पेश बांके बिहारी मंदिर न्यास विधेयक में न्यास के संरचना की भी रूपरेखा विस्तार से तय की गई है। इसमें 11 मनोनीत और 7 पदेन सदस्य होंगे। मनोनीत सदस्यों वैष्णव परंपराओं, संप्रदायों से होंगे। जबकि पीठों से 3 प्रतिष्ठित सदस्य (जिनमें साधु-संत, मुनि, गुरु, विद्वान, मठाधीश, महंत, आचार्य, स्वामी शामिल हो सकते हैं)। वहीं, सनातन धर्म की परंपराओं, संप्रदायों के अलावा पीठों से 3 सदस्य (उसी श्रेणी के प्रतिष्ठित व्यक्तित्व) शामिल होंगे। इसके अलावा सनातन धर्म की किसी भी शाखा, संप्रदाय से 3 सदस्य (प्रतिष्ठित व्यक्ति, शिक्षाविद्, विद्वान, उद्यमी, वृत्तिक, समाजसेवी, गोस्वामी परंपरा से 2 सदस्य- स्वामी हरिदास के वंशज जैसे एक राज-भोग सेवादारों और दूसरा शयन-भोग सेवादारों का प्रतिनिधि हो सकते हैं।

न्यास में सनातनी अधिकारी ही होंगे नामित, तीन वर्ष रहेगा कार्यकाल

न्यास की संरचना के तहत इसमें शामिल सभी मनोनीत सदस्य सनातनी हिंदू होंगे जिनका कार्यकाल 3 वर्ष का होगा। पदेन सदस्य में मथुरा के जिला मजिस्ट्रेट, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, नगर निगम आयुक्त, उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ क्षेत्र विकास परिषद के सीईओ, बांके बिहारी मंदिर ट्रस्ट के सीईओ और राज्य सरकार का नामित प्रतिनिधि शामिल होंगे। अगर कोई पदेन सदस्य सनातन धर्म को नहीं मानने वाला अथवा गैर-हिंदू हुआ, तो उसकी जगह उससे कनिष्ठ अधिकारी को नामित किया जाएगा।

2047 तक उप्र को विकसित बनाने का संकल्प दोहराया

- 24 घंटे की ऐतिहासिक चर्चा, पेश किया विकसित यूपी का खाका

लखनऊ। विधानसभा की कार्यवाही बुधवार सुबह शुरू होते ही विकसित भारत, विकसित यूपी विजन डॉक्युमेंट 2047 पर लगातार 24 घंटे की चर्चा शुरू हो गई है। इसमें सरकार के मंत्रीगण विभागवार उपलब्धियां और विजन रख रहे हैं जबकि विपक्षी नेता सवालों के साथ अपने सुझाव भी रख रहे हैं।

चर्चा के दौरान सरकार के वरिष्ठ मंत्रियों ने प्रदेश की आर्थिक प्रगति, सामाजिक न्याय, पर्यावरण संरक्षण और बुनियादी ढांचे के विकास पर अपने विचार रखे। मंत्रियों ने 2047 तक उत्तर प्रदेश को देश का सबसे विकसित राज्य बनाने का संकल्प दोहराया, जिसमें जीरो पॉवर्टी, विश्वस्तरीय इन्फ्रास्ट्रक्चर और तकनीकी नवाचार जैसे लक्ष्य शामिल हैं।

"हम ऐसा राज्य देखना चाहते हैं, जो डिजिटल पब्लिक गुड्स आधारित राज्य हो, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वन अर्थ वन हेल्थ विजन के अनुरूप मेडिकल टूरिज्म, फार्मा उत्पादन, बायोटेक इनोवेशन में यूपी की सक्रिय भूमिका रहेगी।

– **ब्रजेश पाठक**, उप मुख्यमंत्री

"उत्तर प्रदेश की बिजली व्यवस्था को दुनिया की सर्वश्रेष्ठ बनाया जाएगा। हमने 2047 तक बिजली और नगरीय व्यवस्थापन में उत्तर प्रदेश को रामराज्य के वैभव तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया है।

– **अरविंद शर्मा**, नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री

"राज्य की जीएसडीपी 29.87 लाख करोड़ तक पहुंच चुकी है, चालू वित्तीय वर्ष में 35 लाख करोड़ रुपये तक ले जाने का लक्ष्य है। 40 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले हैं, पूर्वांचल और बुंदेलखंड जैसे क्षेत्रों में उद्योग स्थापित हो रहे हैं। – **सुरेश खन्ना**, वित्त मंत्री

"प्रदेश के सभी बांधों का आधुनिकीकरण, बाढ़ पूर्वानुमान प्रणाली को लागू करने और नदियों को प्रदूषण मुक्त करने की सरकार की योजना है। नहरों के किनारे बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण भी किया जाएगा।

– **स्वतंत्र देव सिंह**, जलशक्ति मंत्री

आवारा कुत्तों के मामले में विचार करेगा सुप्रीम कोर्ट

- तीन न्यायाधीशों की नई पीठ आज करेगी सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली-एनसीआर में आवारा कुत्तों से संबंधित शीर्ष अदालत के फैसले को लेकर देशभर में व्यापक विरोध के बाद सुप्रीम कोर्ट की तीन न्यायाधीशों की एक नई पीठ गुरुवार को स्वतः संज्ञान मामले की सुनवाई करेगी। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ इस मामले की सुनवाई करेगी। न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ ने 11 अगस्त को दिल्ली-एनसीआर में सभी आवारा कुत्तों को सड़कों से हटाकर आश्रय स्थलों पर स्थायी रूप से भेजने के निर्देश दिए थे।

आवारा कुत्तों से संबंधित एक अन्य मामले में कुछ याचिकाकर्ताओं ने प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई के समक्ष 11 अगस्त के फैसले का हवाला देते हुए अपनी याचिका का उल्लेख किया तो उन्होंने कहा कि वह इस पर गौर करेंगे। न्यायमूर्ति पारदीवाला और न्यायमूर्ति महादेवन की पीठ ने 11 अगस्त को कहा था कि कुत्तों के काटने की घटनाओं ने बेहद गंभीर स्थिति पैदा कर दी है।

बुधवार को वकील ने न्यायमूर्ति जे.के. माहेश्वरी की अध्यक्षता वाली पीठ द्वारा मई 2024 में पारित आदेश का हवाला दिया, जिसमें आवारा कुत्तों के मुद्दे से संबंधित याचिकाओं को संबंधित हाईकोर्ट में स्थानांतरित कर दिया गया था। 'कॉन्फ्रेंस फॉर ह्यूमन राइट्स' (इंडिया) की याचिका में दावा किया गया कि पशु जन्म नियंत्रण (कुत्ते) नियम, 2001 के तहत आवारा कुत्तों की बढ़ती आबादी को रोकने के लिए नियमित नसबंदी और टीकाकरण कार्यक्रम अनिवार्य किया गया है, लेकिन इसका अनुपालन नहीं किया जा रहा है। शीर्ष अदालत ने 11 अगस्त के अपने फैसले में यह भी कहा कि समय के साथ कुत्तों के लिए आश्रय स्थलों की संख्या बढ़ानी होगी। इसने दिल्ली के अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे छह से आठ सप्ताह के भीतर लगभग 5,000 कुत्तों के लिए आश्रय स्थल बनाना शुरू करें।

आवारा कुत्तों ने महिला को नोचकर मार डाला

- कैसरजहां चौराहा से खेतों की ओर जा रही थी महिला

मितौली (खीरी)। घर से खेत की ओर जा रही एक महिला को कुत्तों ने नोचकर मार डाला, इससे ग्रामीणों में आक्रोश है। बुधवार को पियरा गांव निवासी कैसरजहां (40) चौराहे पर जाने के लिए खेतों की ओर से होकर गुजर रही थी।

तभी वहां पर मृत पड़े जानवर को नोच कर खा रहे कुत्तों ने महिला पर भी हमला कर दिया। शोर शराबा होने पर जब तक लोग मौके पर पहुंचते और कुत्तों को भगाते कुत्तों ने उसे नोच-नोच कर मार डाला। ग्रामीणों ने बताया महिला के पति की मौत हो चुकी है। उसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी। पति की मौत के बाद वह पास ही स्थित झाले पर अपने मामा के यहां रहती थी। परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से इंकार कर दिया। पुलिस ने पंचायतनामा भरकर शव परिवार वालों को सौंप दिया है।

रोहतास बिल्डर्स के ठिकानों पर ईडी के छापे

- लखनऊ व दिल्ली में 8 जगहों पर कार्रवाई कई अहम दस्तावेज और लैपटॉप जब्त
- पिछले चार वर्ष से फरार चल रहे ग्रुप के सीएमडी और अन्य निदेशक

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने बुधवार को रोहतास बिल्डर्स के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। लखनऊ और दिल्ली के आठ ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की गई है। पिछले चार वर्ष से रोहतास ग्रुप के सीएमडी पीयूष रस्तोगी, उनके भाई परेश व दीपक रस्तोगी फरार हैं। इस ग्रुप के खिलाफ फ्लैट देने के नाम पर सैकड़ों लोगों से करोड़ों रुपये ठगने के दो सौ से अधिक मामले दर्ज हैं। देर रात तक ईडी की कार्रवाई जारी थी।

ईडी अधिकारियों के मुताबिक रोहतास बिल्डर्स ने यूपी व दिल्ली में अपना व्यावसायिक ठिकाना बनाया था। यहीं से लोगों को लग्जरी फ्लैट देने के नाम पर करीब ढाई सौ करोड़ रुपये की ठगी की। इस ग्रुप द्वारा ठगी के अधिकतर शिकार लोगों में राजनेता, प्रशासनिक, पुलिस और न्यायिक अधिकारी का परिवार शामिल था। सभी से रुपये जमा कराए और फ्लैट नहीं दिए। वर्ष 2013-14 से ग्रुप के खिलाफ प्रदर्शन से लेकर एफआईआर दर्ज कराने का सिलसिला शुरू हुआ तो खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। रोहतास बिल्डर्स के खिलाफ दिसंबर में सीबीआई ने नौ ठिकानों पर एक साथ छापा मारा था। कई जगह से फर्जी बैंक खातों व अकूत संपत्ति की डिटेल व नकदी भी हाथ लगी थी।

ग्रुप पर पहले हो चुकी है गैंगस्टर की कार्रवाई

ईडी अधिकारियों के मुताबिक रोहतास ग्रुप के निदेशक भाइयों के खिलाफ जुलाई में हजरतगंज थाने में छह लोगों ने 72.62 लाख रुपये ठगने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इन सभी के खिलाफ पुलिस ने गैंगस्टर की भी कार्रवाई की है। पीड़ितों में गोरखपुर के प्रभाकर सिंह उनकी रिश्तेदार प्रीति सिंह विसेन, माधुरी सिंह, विभव सिंह और दिवाकर सिंह ने बताया कि वर्ष 2012 में मुलाकात रोहतास बिल्डर्स के निदेशक परेश रस्तोगी, पीयूष, पंकज और दीपक रस्तोगी से हुई थी।

उरी में घुसपैठ नाकाम, मुठभेड़ में जवान शहीद

- जम्मू-कश्मीर में एलओसी पर भोर में हुई भीषण गोलीबारी

श्रीनगर, एजेंसी

सेना ने जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में बुधवार तड़के नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर घुसपैठ की एक कोशिश को नाकाम कर दिया। जिसके बाद हुई मुठभेड़ में एक जवान शहीद हो गया।

अधिकारियों ने बताया कि उत्तरी कश्मीर के उरी सेक्टर के चुरंडा इलाके में तड़के लगभग 3:30 बजे भीषण लेकिन संक्षिप्त गोलीबारी हुई। इस दौरान जवान गंभीर रूप से घायल हो गया और बाद में उसकी मृत्यु हो गई। शहीद जवान की पहचान बिहार के भागलपुर निवासी हवलदार अंकित कुमार के रूप में हुई है।

श्रीनगर स्थित सेना की चिनार कोर ने कहा कि हवलदार अंकित कुमार ने नियंत्रण रेखा पर ऑपरेशनल ड्यूटी निभाते हुए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। सेना ने एक्स पर कहा कि चिनार कोर बहादुर हवलदार अंकित कुमार के सर्वोच्च बलिदान का सम्मान करती है, जिन्होंने बारामूला के उरी में नियंत्रण रेखा पर ऑपरेशनल ड्यूटी निभाते हुए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। यह स्पष्ट नहीं है कि यह बॉर्डर एक्शन टीम (बीएटी) का हमला था या उरी सेक्टर के चुरंडा इलाके में नाकाम की गई घुसपैठ की कोशिश थी। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि खराब मौसम के बीच गोलीबारी हुई।

राजस्थान में सड़क हादसा 7 बच्चों समेत 11 की मौत

- दौसा जिले में पिकअप-ट्रक की टक्कर में 8 अन्य घायल
- खाटू-श्याम और बालाजी दर्शन को गए थे एटा के लोग

जयपुर। राजस्थान के दौसा जिले में बुधवार तड़के एक पिकअप वैन के एक खड़े ट्रक से टकरा जाने से सात बच्चों समेत 11 लोगों की मौत हो गई तथा आठ अन्य लोग घायल हो गए।

दौसा के पुलिस अधीक्षक सागर ने बताया कि यह हादसा मनोहरपुर के पास हुआ। हादसे का शिकार हुए लोग खाटू श्याम और सालासर बालाजी मंदिर के दर्शन करने के बाद उत्तर प्रदेश के एटा स्थित अपने गांव लौट रहे थे। उन्होंने कहा कि पिकअप वैन में 20 से अधिक लोग सवार थे। पिकअप वैन ने राजमार्ग की सर्विस लेन पर खड़े ट्रक को टक्कर मार दी।

फैसला सुनते ही किशोरी हाईकोर्ट की छत से कूदी

- मां-बाप के बजाए नानी के साथ रहने की जिद पर अड़ी थी
- केयर होम भेजने का फैसला लिया तो आत्महत्या की कोशिश की

चेन्नई, एजेंसी

चेन्नई में एक 15 वर्षीय लड़की ने मद्रास हाईकोर्ट की छत से छलांग लगा दी। पुलिस उसे तुरंत अस्पताल ले गई। दरअसल लड़की को न्यायमूर्ति एमएस रमेश और न्यायमूर्ति वी लक्ष्मीनारायणन की पीठ के समक्ष इस उद्देश्य से लाया गया था कि बताए कि वह मां के साथ रहना चाहती है या पिता के साथ। जब उसने दोनों के पास ही रहने से मना कर दिया तो हाईकोर्ट ने बच्ची को केयर होम भेजने का फैसला लिया इससे दुखी होकर बच्ची ने आत्महत्या की कोशिश की।

खंडपीठ ने लड़की से बातचीत करने और एक गोपनीय परामर्शदाता की रिपोर्ट पर विचार करने के बाद निष्कर्ष निकाला कि अंडमान में नानी के पास माहौल उसकी सुरक्षा के लिए अनुकूल नहीं होगा। चूंकि लड़की पिता के साथ रहने को तैयार नहीं थी, इसलिए खंडपीठ ने उसे चेन्नई के केलीज स्थित सरकारी बालिका गृह में भेजने का आदेश दिया। यह भी निर्देश दिया कि किल्पौक स्थित मानसिक स्वास्थ्य संस्थान के मनोचिकित्सक द्वारा उसका मूल्यांकन किया जाए। इस आदेश के कुछ ही देर बाद लड़की ने अदालत परिसर की पहली मंजिल से छलांग लगा दी।

पहलवान सुशील कुमार की जमानत रद्द

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रीय राजधानी के छत्रसाल स्टेडियम में पहलवान सागर धनखड़ की हत्या के मामले में ओलंपिक पदक विजेता सुशील कुमार की जमानत बुधवार को रद्द कर दी। न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने दिल्ली उच्च न्यायालय के चार मार्च के उस आदेश को रद्द कर दिया जिसमें कुमार को जमानत दी गई थी। ओलंपिक पदक विजेता को एक सप्ताह के भीतर आत्मसमर्पण करने को कहा गया है।

उच्चतम न्यायालय का यह आदेश सागर धनखड़ के पिता अशोक धनखड़ द्वारा दायर की गई उस अपील पर आया है जिसमें उन्होंने दिल्ली उच्च न्यायालय के कुमार को जमानत देने के आदेश को चुनौती दी थी।

एसआईआर विवाद | बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का कोई कानूनी आधार नहीं की दलील से कोर्ट असहमत

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- मतदाता सूची स्थिर नहीं बनी रह सकती

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को इस दलील से असहमति जताई कि चुनावी राज्य बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का कोई कानूनी आधार नहीं है और इसे रद्द किया जाना चाहिए।

शीर्ष अदालत ने कहा कि मतदाता सूची स्थिर नहीं बनी रह सकती। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ के समक्ष गैर सरकारी संगठन एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने दलील दी कि देशभर में इस कवायद के लिए अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। एनजीओ के अलावा, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों के नेताओं ने बिहार में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया को चुनौती दी है।

एडीआर की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने कहा कि एसआईआर पर निर्वाचन आयोग की अधिसूचना को कानूनी आधार के अभाव में और कानून में कभी भी विचारणीय नहीं होने के कारण रद्द कर देना जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग अपनी स्थापना के बाद से कभी भी ऐसी कोई कवायद नहीं कर सका और यह पहली बार किया जा रहा है। पीठ ने कहा कि इस तर्क से तो विशेष गहन पुनरीक्षण कभी नहीं किया जा सकता। एक बार की कवायद केवल मूल मतदाता सूची के लिए की जाती है। हमारे विचार से मतदाता सूची कभी स्थिर नहीं हो सकती। शीर्ष अदालत ने कहा कि इसमें संशोधन होना ही चाहिए, अन्यथा निर्वाचन आयोग उन लोगों के नाम कैसे हटाएगा जिनकी मृत्यु हो गई है या पलायन कर चुके हैं? पीठ ने शंकरनारायणन से कहा कि निर्वाचन आयोग के पास ऐसी कवायद करने का अधिकार है, जैसा वह उचित समझे।

न्यायालय ने जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 21(3) का उल्लेख किया, जिसमें कहा गया है कि निर्वाचन आयोग किसी भी समय, कारणों को दर्ज करके, किसी भी निर्वाचन क्षेत्र या निर्वाचन क्षेत्र के किसी हिस्से के लिए मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण का निर्देश दे सकता है।

11 दस्तावेज में एक जमा करना आवश्यक

सुनवाई के दौरान पीठ ने याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी से कहा कि बिहार में पूर्व में किए गए मतदाता सूची के संक्षिप्त पुनरीक्षण में दस्तावेजों की संख्या सात थी और एसआईआर में यह 11 है, जो दर्शाता है कि एसआईआर मतदाता अनुकूल है। पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ताओं की इस दलील के बावजूद कि आधार को स्वीकार न करना अपवादात्मक था, ऐसा प्रतीत होता है कि दस्तावेजों की बड़ी संख्या वास्तव में समावेशी थी। शीर्ष अदालत ने कहा कि मतदाताओं को सूची में शामिल 11 दस्तावेजों में से कोई एक जमा करना आवश्यक था। सुनवाई गुरुवार को भी जारी रहेगी।

सिटी ब्रीफ

पीएम किसान प्रकोष्ठ कॉल सेंटर स्थापित

शाहजहांपुर, अमृत विचार : प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजनान्तर्गत किसानों की शिकायतों के निराकरण के लिए निदेशालय पीएम किसान प्रकोष्ठ में कॉल सेन्टर स्थापित किया गया है। जिसके लिए चलाएं जाने के लिए लैंडलाइन नंबर 0522 2983543 स्थापित है। उक्त कॉल सेन्टर राजकीय कार्य दिवस में सुबह 9 :30 बजे से सायं 6 बजे तक कार्यरत रहेगा।

क्षमा पर्व 27 को मनाया जाएगा

शाहजहांपुर, अमृत विचार : जैन धार्मिक पर्यूषण पर्व 20 से 27 अगस्त तक ध्यान, त्याग, तपस्या के साथ मनाया जाएगा। इस वर्ष संवत्सरी महापर्व क्षमा पर्व 27 को मनाया जाएगा। नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ .मनोज कुमार मिश्रा ने बताया इस अवसर पर नगर की सीमान्तर्गत सभी मांस, मछली, मुर्गा आदि की दुकानें बंद रहेगी।

रंगोली प्रतियोगिता में छात्रों ने दिखाई देशप्रेम की झलक

वरुण अर्जुन विवि में 'हर घर तिरंगा' थीम पर हुई रंगोली प्रतियोगिता, देशभक्ति से सराबोर हुआ परिसर

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : 79वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में वरुण अर्जुन विश्वविद्यालय में 'हर घर तिरंगा' थीम पर अंतर विश्वविद्यालयी रंगोली प्रतियोगिता हुई।

विभिन्न कॉलेजों के छात्रों ने तिरंगे के रंगों, स्वतंत्रता सेनानियों के चित्रण और राष्ट्रीय एकता-अखंडता के संदेश को अपनी कलाकृतियों में जीवंत कर दिया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के चांसलर डॉ. केशव कुमार अग्रवाल, प्रो-चांसलर डॉ. अशोक कुमार अग्रवाल और वाइस चांसलर डॉ. किरन अग्रवाल ने प्रतिभागियों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन छात्रों में न केवल देशभक्ति की भावना को प्रबल करते हैं, बल्कि कला व संस्कृति के संरक्षण में भी अहम भूमिका निभाते हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन ने आयोजन समिति को बधाई दी

देशभक्ति का संदेश देतीं छात्रों द्वारा बनाई गई रंगोली। ● अमृत विचार

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर छात्रों द्वारा बनाई गई सुंदर रंगोली। ● अमृत विचार

और भविष्य में भी इसी प्रकार के प्रेरणादायक आयोजन करने का आह्वान किया। निर्णायक मंडल में विश्वविद्यालय के डिप्टी रजिस्ट्रार डॉ. अनिल कुमार पाल, डिप्टी मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. अमित कुमार सिंह और एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर ललित कुमार चौहान शामिल रहे, जिन्होंने रचनात्मकता, रंग संयोजन, थीम प्रस्तुति और स्वच्छता को मूल्यांकन का आधार बनाया।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखंड हॉस्पिटल के प्रिंसिपल एवं डीन डॉ. (कर्नल) रविन्द्र नाथ शुक्ला, वाइस प्रिंसिपल डॉ. कृष्णन, वरुण अर्जुन कॉलेज ऑफ फार्मेसी के प्रिंसिपल डॉ. प्रदीप कुमार सिंह, कॉलेज ऑफ पैरामेडिकल साइंसेज के प्रिंसिपल डॉ. (कर्नल) राजा चटर्जी, वाइस प्रिंसिपल नेहा गुप्ता, नर्सिंग कॉलेज के वाइस प्रिंसिपल दीपक पचौरी, फैकल्टी ऑफ फॉरेंसिक साइंस की लेक्चरर एशिका सक्सेना और कॉमर्स एंड मैनेजमेंट कॉलेज के लेक्चरर अरुण कुमार का विशेष योगदान रहा। शिक्षकों और कर्मचारियों ने न केवल आयोजन की तैयारियों में अहम भूमिका निभाई, बल्कि कार्यक्रम के दौरान अनुशासन और व्यवस्था बनाए रखने में भी सहयोग दिया।

सरिता एंड ग्रुप को मिला प्रथम पुरस्कार

प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार वरुण अर्जुन कॉलेज ऑफ नर्सिंग की सरिता एवं उनके ग्रुप को मिला, जिन्होंने तिरंगे के रंगों में भारत माता की प्रेरणादायक झलक पेश की। द्वितीय पुरस्कार संयुक्त रूप से वरुण अर्जुन कॉलेज ऑफ पैरामेडिकल साइंसेज की समर फातिमा एवं ग्रुप, जिन्होंने स्वतंत्रता सेनानियों की झलक बनाई, और वरुण अर्जुन कॉलेज ऑफ फार्मेसी के प्रकाश एवं टीम को मिला, जिन्होंने राष्ट्रीय पुष्प कमल और राष्ट्रीय पक्षी मोर का चित्रण किया। तृतीय पुरस्कार संयुक्त रूप से वरुण अर्जुन कॉलेज ऑफ फार्मेसी के यासिर एवं टीम और वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखंड हॉस्पिटल की हर्षिता वर्मा एवं ग्रुप को मिला, जिन्होंने सीमित समय में सुंदर व संतुलित रंगोली का निर्माण किया।

अनूप वर्मा सदस्य नामित किए गए

शाहजहांपुर, अमृत विचार: कांग्रेस की ओर से सामाजिक न्याय के अंतर्गत राष्ट्रीय एवं प्रदेश स्तर पर सलाहकार परिषद का गठन किया गया। जिसमें नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और ओबीसी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल जय हिंद की सहमति पर उत्तर प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं की ओबीसी सलाहकार परिषद का गठन किया गया। जिसमें जिले से प्रदेश सचिव एवं बरेली जनपद के कोऑर्डिनेटर अनूप वर्मा को सदस्य नामित किया गया। इस पर उनके समर्थकों में खुशी है। बधाई देने वालों में जिलाध्यक्ष रजनीश गुप्ता, तकवीम हसन खान, अशफाक उल्ला खान, कृष्ण विनोद मिश्रा, अर्चना कटारिया, रामजी अवस्थी, रफी उल हसन, रईस मियां, उन्नत मिश्रा, गौरव त्रिपाठी, फुरकान अहमद कुरेशी, तनवीर सफदर समेत अन्य रहे।

प्राइवेट अस्पताल में जच्चा-बच्चा की मौत, परिजनों ने किया हंगामा

लोगों के गुस्से से बचने के लिए डॉक्टर और स्टॉफ कमरे में छिपा

संवाददाता सेहरामऊ दक्षिणी/शाहजहांपुर

अमृत विचारः कस्बा में एक महिला को प्रसव पीड़ा हुई। परिवार वाले उसे एक प्राइवेट अस्पताल में ले गए। डिलीवरी के दौरान जच्चा-बच्चा की मौत हो गई। इस दौरान परिवार वालों ने अस्पताल परिसर में हंगामा किया। हंगामे के दौरान डॉक्टर व अन्य स्टाफ इधर-उधर छिप गए। मृतका के परिवार वालों ने डॉक्टर और स्टाफ पर लापरवाही का आरोप लगाया। पुलिस मौके पर पहुंची और परिवार वालों को शांत कराया।

सेहरामऊ दक्षिणी थाना के कस्बा निवासी अतुल की पत्नी रीता (24) गर्भवती थी। बुधवार की शाम उसकी पत्नी को प्रसव पीड़ा हुई। परिवार वाले उसे लेकर कस्बा में एक प्राइवेट अस्पताल में ले गए। जहां डॉक्टर और स्टाफ ने

जच्चा-बच्चा की मौत के बाद अस्पताल के बाहर लगी भीड़। ● अमृत विचार

महिला को देखा और भर्ती कर लिया। डिलीवरी के दौरान महिला ने एक बच्चे को जन्म दिया। प्रसव के बाद नवजात की स्थिति बिगड़ी और उसकी मौत हो गई। एक घंटे बाद रीता की तबीयत खराब हुई और उसकी भी मौत हो गई।

सूचना पर एसओ उमेश कुमार मिश्रा सिपाहियों के साथ अस्पताल पहुंचे और परिवार वालों को समझाकर शांत कराया। उन्होंने मृतका के परिवार वालों से कहा तहरीर देने पर जांच कराएंगे। परिजनों को आरोप है कि वार्ड में भर्ती के समय दोनों की हालत खराब होने पर डॉक्टर को बुलाया गया, लेकिन डॉक्टर नहीं आए। आरोप है कि तबीयत खराब होने पर स्टाफ ने रीता के एक इंजेक्शन लगाया था।

> कस्बा सेहरामऊ दक्षिणी में डिलीवरी के बाद जच्चा-बच्चा की मौत की सूचना आयी है। डॉक्टर पीपी श्रीवास्तव को जांच के लिए अस्पताल में भेजा है। उन्होंने कहा कि अस्पताल को सील करने की कार्रवाई की जाएगी। **-डॉ विवेक मिश्रा**, सीएमओ

इंजेक्शन लगाने के बाद उसकी मौत हो गई। परिवार वालों ने बताया कि डॉक्टर से कहा कि डिलीवरी में कोई दिक्कत हो तो दूसरी जगह ले जाए। डॉक्टर ने कहा कि घबराने की बात नहीं है और डिलीवरी हो जाएगी। परिवार वालों का आरोप है कि अस्पताल में अनट्रेंड एएनएम रख रखा है।पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। एसओ ने बताया कि तहरीर मिलने पर जांच कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत का कारण स्पष्ट होगा।

यूरिया की जंबो रैक आई किसानों को बांटी जाएगी

अधिकारियों के साथ बैठक करते अध्यक्ष डीपीएस राठौर। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- 58 वैगन 3168 मीट्रिक टन की रैक सहकारिता विभाग को मिली सभी समितियों पर वितरण होगा

अमृत विचार : जिला सहकारी बैंक शाहजहांपुर के मुख्यालय पर डीपीएस राठौर ने सहकारिता विभाग और इफको अधिकारियों के साथ बैठक की और जिले में यूरिया की आवश्यकता उपलब्धता और वितरण की समीक्षा की और संबंधित को तत्काल भुगतान कराते हुए सभी बी पैक्स (समितियों) पर यूरिया उपलब्ध करा कर प्राथमिकता से वितरण करवाने के निर्देश दिए।

उन्होंने बताया अभी तक इतनी बड़ी जंबो रैक जनपद में कभी नहीं आई है 58 वैगन लगभग 3168 मीट्रिक टन से 70412 यूरिया की बोरी से जनपद के किसानों को लाभ मिलेगा।सहकारिता विभाग की ओर से बी पैक्स, सहकारी संघ आदि के माध्यम से 25 हजार मीट्रिक टन यूरिया 98 हजार किसानों को उर्वरक का वितरण कर किया जा चुका है, जिसमें 35 हजार गैर सदस्य कृषक को वितरण किया गया है। यह आंकड़ा पिछले वर्ष की तुलना में साढ़े आठ मीट्रिक टन यानि 25 प्रतिशत ज्यादा है। सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता अखिलेश प्रताप सिंह ने बताया कि वर्तमान में किसी भी समिति पर शून्य नहीं है तथा ओवर रेटिंग और कालाबाजारी की कोई शिकायत नहीं है जनपद के सभी सहकारिता क्षेत्र की बी पैक्स सहकारी संघ क्रय विक्रय केंद्रीय उपभोक्ता भंडार जिला सहकारी संघ के माध्यम से पारदर्शी तरीके से किसानों को उपलब्ध कराया जाएगा। बैठक में जिला सहकारी बैंक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी सौरभ द्विवेदी जिला सहकारी उपाध्यक्ष अजय कुमार प्रजापति अधिकारी आनंद श्रीवास्तव पीसीएफ जिला प्रबन्धक यश वीर सिंह इफको प्रबंधक राम रतन सिंह आदि उपस्थित रहे।

लोकल फॉल्ट और बिजली कटौती से आक्रोश

संवाददाता, तिलहर

- व्यापारियों ने पावर हाउस पर किया हंगामा
- सभासद व अधिवक्ताओं ने जताया विरोध

अमृत विचारः लोकल फॉल्ट और बिजली लाइन से पेड़ों की टहनियों को हटाने के कार्य के चलते गुरुवार को कई घंटे तक बिजली सप्लाई बंद रही, जिससे भीषण गर्मी में उपभोक्ताओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। बिजली कटौती को लेकर व्यापारियों, सभासदों और वकीलों में नाराजगी देखी गई।

सुबह लगभग 10 बजे अचानक फर्स्ट पॉइंट फीडर की बिजली सप्लाई बंद हो गई। इससे पहले भी फाल्ट के कारण बिजली लाइन बंद रखी गई थी। लेकिन 10 बजे गई बिजली जब दोपहर 3:30 बजे तक नहीं आई तो व्यापार मंडल अध्यक्ष सौरभ गुप्ता रवि पदाधिकारियों के साथ पावर हाउस पहुंच गए और एक्सईएन के खिलाफ जमकर हंगामा किया। उन्होंने आरोप लगाया कि एक्सईएन शाम होते ही जिला मुख्यालय चले जाते हैं, जिससे लाइनमैन मनमानी करते हैं। साथ ही एक बिजली कर्मचारी उपभोक्ताओं के फोन रिसीव नहीं करता और पावर हाउस आने पर अभद्रता करता है।

सौरभ गुप्ता ने यह भी आरोप लगाया कि एक्सईएन का व्यवहार उपभोक्ताओं के प्रति सही नहीं है और बिना पूर्व सूचना के बिजली कटौती कर लाइन पर काम कराया जा रहा है। काफी देर तक उपभोक्ताओं ने पावर हाउस पर हंगामा कर नाराजगी जताई। इस दौरान गौतम गुप्ता, शशांक गुप्ता, रवि मौर्य, शिवम गुप्ता, संजीव गुप्ता समेत कई व्यापारी मौजूद रहे।

उधर, बिजली कटौती से नाराज सभासद अभिषेक सिंह, संदीप रस्तोगी, शानू हुसैन, आसिफ खान छोटू, अब्दुल सादिक सहित वकील राजेश्वर सिंह, कुलदीप गुप्ता, नागेंद्र सिंह, जितेंद्र सिंह आदि ने बिजली विभाग के अधिकारियों को फोन कर शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने मांग की कि त्यौहार को देखते हुए बिजली कटौती न की जाए और एक्सईएन के खिलाफ नाराजगी जताई।

कैरियर एडवांसमेंट स्कीम के तहत बैठक आयोजित

शाहजहांपुर, अमृत विचारः स्वामी शुकदेवानंद कॉलेज में कैरियर एडवांसमेंट के तहत प्रोन्नति प्रक्रिया की बैठक हुई। उल्लेखनीय है उच्च शिक्षा विभाग की ओर से जारी की गई नई गाइडलाइंस के अंतर्गत उच्च शिक्षा से जुड़े शिक्षकों के प्रमोशन की ऑनलाइन व्यवस्था की गई है। एसएस कॉलेज से छह शिक्षकों ने प्रोन्नति को आवेदन किया था। इनमें डॉ. शालीन कुमार सिंह ने प्रोफेसर पद के लिए, डॉ. प्रमोद यादव, डॉ. शिशिर शुक्ला, डॉ. प्रांजल शाही, डॉ. राजीव कुमार, डॉ. संदीप कुमार वर्मा ने असिस्टेंट प्रोफेसर लेवल 11 को आवेदन किया था। बैठक ऑनलाइन हुई। जिसमें उच्च शिक्षा निदेशक द्वारा नामित सदस्य के रूप में प्रेमकिशन खन्ना राजकीय डिग्री कॉलेज, जलालाबाद के प्राचार्य प्रो. आरके सिंह, विषय विशेषज्ञ, क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी एवं कॉलेज के प्राचार्य प्रो. आरके आजाद शामिल रहे। अजीत सिंह चारग, डा. प्रभात शुक्ला, अवनीश चौहान आदि का सहयोग रहा।

सभासद के उपचुनाव में विनय को मिली जीत

- विनय कुमार को 435 वोट मिले अर्चना को 233 वोट ही मिल सके

पुवायां अमृत विचारः तहसील सभागार में बुधवार को खुटार नगर पंचायत के मोहल्ला सरोजनी नगर के उपचुनाव की मतगणना कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच हुई। सुबह 7 बजे से ही उम्मीदवारों और समर्थकों की भीड़ तहसील में मतगणना स्थल पर आनी शुरू हो गई थी। सभासद पद पर विनय कुमार विजयी घोषित हुई।

आरओ ने विजयी प्रत्याशी को प्रमाण पत्र देकर विदा किया। इस दौरान उनके समर्थकों ने हर्ष व्यक्त किया। बता दें सोमवार को खुटार के मोहल्ला सरोजनी नगर वार्ड संख्या 9 में सभासद पद के लिए उपचुनाव हुआ था। बुधवार को तहसील सभागार में सुबह 8 बजे से मतगणना शुरू हुई। मतगणना में

> शांतिपूर्ण ढंग से मतदान सम्पन्न कराया गया है। जिसमें विनय कुमार ने 435 वोट लेकर अपनी प्रतिद्वंद्वी को हराया है। जिन्हें प्रमाण पत्र देकर भेज दिया गया है। – **राम प्रकाश**, बीडीओ

प्रत्याशी विजय कुमार और अर्चना में मुकाबला हुआ। उपचुनाव में कुल 1406 मतदाताओं में से 692 वोटरों ने अपने मतों का प्रयोग किया। जिसमें विनय कुमार ने 435 वोट लेकर अपनी प्रतिद्वंद्वी अर्चना को 202 मतों से परास्त कर दिया। जीत की घोषणा होते ही विनय कुमार के समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। अंत मे आरओ ने विनय कुमार को प्रमाण पत्र देकर विदा किया।

एसडीएम ने गोशाला में मिली कमियों पर लगाई फटकार

पुवायां, अमृत विचारः एसडीएम ने गोशाला का निरीक्षण किया। गोशाला के मुख्य रास्ते पर जलजमाव और गंदगी मिलने पर सचिव को कड़ी फटकार लगाई साथ ही बीमार पशु मिलने पर तत्काल डॉक्टर बुलाकर इलाज कराने के निर्देश दिए। बुधवार को एसडीएम चित्रा निर्वाल ने गांव मजीदपुर पहुंचकर गौशाला का निरीक्षण किया। गोशाला में 75 गोवंशीय पशु मिले, जिसमें एक की हालत खराब थी और वह जमीन पड़ा मिला। गोशाला के मुख्य दरवाजे पर जलजमाव व मच्छर आदि मिले जहां से भीतर जाना तक मुश्किल हो रहा था। यह देख एसडीएम चित्रा निर्वाल ने सचिव दीपक सक्सेना को कड़ी फटकार लगाते हुए व्यवस्था में सुधार लाने के निर्देश दिए।

संयुक्त किसान मोर्चा ने निकाली ट्रैक्टर तिरंगा यात्रा

तिलहर, अमृत विचार : संयुक्त किसान मोर्चा के नेतृत्व में किसानों ने ग्रामीण क्षेत्र में ट्रैक्टर तिरंगा यात्रा निकाली। यात्रा की शुरुआत ग्वार गांव से हुई, जो डभौरा तिकुनिया, नवदिया, बलेमा, सरेली और जन्यूरी होते हुए पुन : ग्वार में समाप्त हुई। भारतीय किसान यूनियन के युवा जिला अध्यक्ष आदित्य प्रताप सिंह लोधी ने बताया कि इस दौरान किसानों ने विभिन्न समस्याओं को लेकर राष्ट्रपति के नाम नायब तहसीलदार मनु माथुर को ज्ञापन सौंपा। कार्यक्रम में गेंदन लाल वर्मा, महेश वर्मा, अवधेश वर्मा, प्रतिपाल राजपूत, चरण लाल वर्मा, गुड्डू, अंशुल राजपूत, पुनीत राजपूत, पप्पू, रेनू कश्यप सहित अनेक किसान शामिल रहे।

सिटी ब्रीफ

बैग से हार, झाले चोरी

रोजा, अमृत विचार : सिंधोली थाना क्षेत्र के कस्बा सिंधौली निवासी रुबी ने रामचंद्र मिशन थाना में रिपोर्ट दर्ज करायी है कि रक्षाबंधन पर ई-रिक्शा पर बैठकर अपने मायके नागरपाल जा रही थी। ई-रिक्शा पर कई सवारियां बैठी हुई थी। वह नागरपाल गांव पहुंची तो देखा कि उसके बेग की चेन खुली थी। बैग में रखा सोने का हार व झोले गायब थे। किसी ने ई-रिक्शा पर से चुरा लिए। पुलिस मामले की विवेचना कर रही है।

रिफलिंग का भंडाफोड़

जलालाबाद, अमृत विचार : एसडीएम प्रभात कुमार राय ने गांव गुनारा में छापा मारकर घरेलू गैस से गाड़ियों में रिफिलिंग करते हुए दो चारपहिया वाहन पकड़े। जानकारी के अनुसार एक युवक अपने घर में ही गैस रिफिलिंग का अवैध काम करता था। बुधवार को गाड़ियों में रिफिलिंग की सूचना पर एसडीएम मौके पर पहुंचे तो कार चालक और रिफिलिंग करने वाला युवक उन्हें देखकर फरार हो गए। एसडीएम ने विभागीय अधिकारियों को मौके पर बुलाया और कार्रवाई करते हुए सात घरेलू गैस सिलेंडर, पांच मशीनें और दो चारपहिया वाहन जब्त किए।

दो किशोर लापता

शाहजहांपुर, अमृत विचार : बंडा थाना क्षेत्र के मोहल्ला गायत्रीनगर निवासी जगदीश प्रसाद गुप्ता ने गुमशुदगी दर्ज करायी है कि सोमवार को दिन में तीन बजे उसका 16 वर्षीय पुत्र सोम गुप्ता बिना बताए घर से चला गया है। परिवार वालों ने उसे रिश्तेदारी और अन्य स्थानों पर तलाश किया और पता नहीं चला। पुलिस लापता किशोर की तलाश कर रही है। वहीं, थाना रामचंद्र मिशन क्षेत्र के मोहल्ला फतेहपुर रेती निवासी अशोक कुमार ने थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि मंगलवार दोपहर डेढ़ बजे उसका पुत्र विवेक घर से कहीं चला गया। उन्होंने रिश्तेदारी और अन्य स्थानों पर तलाश किया और पता नहीं चला। पुलिस लापता किशोर की तलाश कर रही है।

अतिक्रमण हटवाया

बंडा, अमृत विचार : पुलिस कर्मियों के सहयोग से नगर पंचायत के कर्मचारियों ने बुधवार शाम नगर में अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया और ई-रिक्शा चालकों की रसीदें भी काटीं। लगातार मिल रही शिकायतों में बताया जा रहा था कि कुछ दुकानदार ई-रिक्शा चालकों को अपनी दुकानों के सामने खड़ा करते हैं, जिससे ग्राहकों को परेशानी होती है।नगर पंचायत के ईओ अजय सिंह के नेतृत्व में बंडा पुलिस के साथ मिलकर बिलसंडा रोड और पूरनपुर रोड पर अभियान चलाया गया। इस दौरान सड़कों पर खड़े वाहन, दुकान के बाहर रखा सामान और अतिक्रमण हटवाया गया। व्यापारियों और ई-रिक्शा चालकों को अतिक्रमण न करने की चेतावनी दी।

नदी में उतराता मिला युवक का शव

नदी के किनारे मिले ऊनखुर्द निवासी दिनेश के कपड़े, परिवार का कोई आरोप नहीं

संवाददाता, निगोही/शाहजहांपुर

अमृत विचार : ऊनखुर्द गांव में एक युवक घर से निकला और घर नहीं पहुंचा। परिवार वाले उसकी तलाश कर रहे थे। उसका शव कठिना नदी में उतराता मिला। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नदी से बाहर निकाला। आशंका व्यक्त की जा रही है कि नदी में नहाते समय डूब गया होगा। शव मिलने से परिवार में रोना पीटना मच गया।

निगोही थाना क्षेत्र के गांव ऊनखुर्द निवासी दिनेश (24) मंगलवार की सुबह घर से बिना बताए निकला था। रात नौ बजे तक घर नहीं लौटा तो परिवार वालों ने गांव में तलाश की। उसका पता नहीं चला। बुधवार सुबह नौ बजे परिवार वाले उसकी तलाश कर रहे थे। उनको खबर मिली कि कठिना नदी में एक युवक का शव पड़ा है। श्यामपाल परिवार के साथ मौके पर गए और देखा कि उसके पुत्र दिनेश का शव नदी किनारे पर पड़ा था। उसके कपड़े नदी से कुछ दूरी पर झाड़ी के पास पड़े थे।

ग्राम प्रधान सत्यपाल सिंह ने निगोही थाना पर सूचना दी। थाना प्रभारी निरीक्षक अशोक कुमार सिपाहियों के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने शव को नदी से बाहर निकलवाया। मृतक दिनेश के पिता श्यामपाल ने बताया कि सोमवार सुबह घर से निकला था। अनुमान लगाया जा रहा है कि नदी में नहाते समय डूब गया है। परिवार वालों का कोई आरोप नहीं है। मृतक पांच भाइयों में सबसे छोटा था। पुलिस जांच कर रही है।

घटना स्थल पर लगी भीड़ व पहुंचे पुलिस अधिकारी। ● अमृत विचार

बहगुल नदी में डूबा युवक

जैतीपुर, अमृत विचार : कस्बे के मजरा धीमरपुरा निवासी अर्जुन (25) बुधवार अपराह्न बहगुल नदी में डूब गया, इसके बाद उसका कुछ पता नहीं चला। सूचना पर यूपी 112 और थाना पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन सैलाब के उफान पर चल रही नदी में कोई सुराग नहीं मिला। करीब 3 बजे अर्जुन नदी किनारे गया था, तभी पैर फिसलने से वह गहरे पानी में चला गया। मृतक की मां ललिता देवी का पहले ही निधन हो चुका है। छह भाइयों और एक बहन में अर्जुन की अभी शादी नहीं हुई थी

खन्नौत नदी में मिला अज्ञात शव

रोजा, अमृत विचार : रामचंद्र मिशन थाना क्षेत्र के बांव दनियापुर-शहबाजपुर के बीच खन्नौत नदी में बुधवार की शाम पांच बजे लोगों ने एक शव बरामद किया है। लोगों ने थाना पर सूचना दी। उप निरीक्षक अरुण कुमार सिपाहियों के साथ मौके पर पहुंचे और शव को बाहर निकलवाया। उन्होंने बताया कि शव गल चुका था और नदी के किनारे पड़ा था। आशंका व्यक्त की जा रही है कि जानवर शव को नोचकर खा गए है। एक सप्ताह पुराना शव बताया जा रहा है, सिर्फ कंकाल बचा था। उन्होंने बताया कि डीएनए टेस्ट कराया जाएगा। पुलिस ने कंकाल को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

रामगंगा का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर

कार्यालय संवाददाता,शाहजहांपुर

- मेडिकल टीमें अलर्ट, बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए शिविर लगने शुरू
- गंगा भैंसार ढ़ाईघाट में जलस्तर खतरे के निशान से 2 सेमी ऊपर

अमृत विचार : जिले में बहने वाली गर्रा और खन्नौत नदी का जलस्तर घटने के बावजूद गंगा और रामगंगा नदियों में पानी बढ़ने से कलान और मिर्जापुर क्षेत्र में बाढ़ का खतरा बरकरार है। कई गांवों में पानी भरने से जनजीवन प्रभावित है। बुधवार सुबह रामगंगा नदी डबरी घाट पर जलस्तर खतरे के निशान से 21 सेंटीमीटर ऊपर दर्ज किया गया, जिससे फर्रुखाबाद- शाहजहांपुर सीमा पर बसे ग्रामीणों की चिंता और बढ़ गई है। वही गंगा नदी भैंसार तटबंध खतरे के निशान से 2 सेमी ऊपर बह रही है। जिसको देखते हुए जिला प्रशासन की ओर से अलर्ट जारी कर दिया गया है।

शारदा नहर खंड कार्यालय के अधिशासी अभियंता कंट्रोल रूम ने सुबह आठ बजे जारी रिपोर्ट में जिला प्रशासन को सतर्क किया है। साथ ही सलाह दी है कि निचले इलाकों के लोगों को तुरंत सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जाए, ताकि किसी अप्रिय स्थिति से बचा जा सके। रिपोर्ट के मुताबिक नरौरा बैराज से रामगंगा में 191442 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है, जबकि दियूनी से गर्रा नदी में 1344 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। ताज़ा आंकड़ों में गंगा नदी कछला घाट पर जलस्तर 0.060 मीटर घटा, जबकि भैसार ढाईघाट पर 0.040 मीटर बढ़ा है। रामगंगा चौबारी घाट पर 0.170 मीटर की कमी आई, लेकिन डबरी घाट पर जलस्तर 0.130 मीटर और बढ़ा है। वहीं, गर्रा नदी में 0.450 मीटर और खन्नौत नदी में 0.300 मीटर की गिरावट दर्ज की गई है। जिला प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वह नदियों के किनारों के पास न जाएं और मौसम व जलस्तर की जानकारी पर नजर बनाए रखें। एसडीएम कलान अभिषेक सिंह ने बताया कि हमारी स्वास्थ्य विभाग टीमें बाढ़ क्षेत्रों सक्रिय होकर कार्य कर रही है। तहसील स्तरीय अधिकारियों द्वारा स्थलीय निरीक्षण कर जलस्तर की रिपोर्ट जिला मुख्यालय दी जा रही है।

कॉलेज प्रवक्ता व कर्मचारी पर गिर सकती है गाज

पुवायां, अमृत विचार: मंगलवार को गन्ना किसान डिग्री कॉलेज में अवैध रूप से हरे भरे सेमल के पेड़ काटने का मामला वायरल हुआ था। एसडीएम चित्रा निर्वाल ने कार्रवाई करते हुए टीम भेजकर जांच के निर्देश दिए थे।

जांच के बाद लकड़ी बरामद कर कॉलेज कर्मचारियों के सुपुर्द करते हुए पूरी तरह से लकड़ी का ध्यान रखने के निर्देश दिए थे। बुधवार को राजस्व टीम द्वारा जांच रिपोर्ट तहसीलदार के माध्यम से एसडीएम को पेश हुई, जिसके बाद एसडीएम ने अपनी रिपोर्ट डीएम को भेज दी है। सूत्रों के अनुसार जांच रिपोर्ट में कॉलेज के प्रवक्ता व एक संविदाकर्मी की गर्दन पर तलवार लटक रही है। इसके अलावा उक्त कटान में बड़ागांव का ठेकेदारपर भी कार्रवाई हो सकती है, गाड़ी जिस पर लोड कर लकड़ी ले जाई गई, उसका अब तक पता नहीं चल सका है और वह लकड़ी कहां गई, जानकारी होना बाकी है। वहीं, तहसीलदार मो. अजहर अंसारी ने बताया कि एसडीएम के माध्यम से डीएम को जांच रिपोर्ट भेजी है।

डाउन लाइन पर एक घंटे संचालन रहा बाधित

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- चाबी मैन ने चटखी पटरी को देखा, काशन देकर निकाली गई ट्रेनें

अमृत विचार: कहेलिया और ऐगवां के बीच डाउन लाइन पर रेल पटरी चटक गई। ट्रेनें निकलती रही फिर केबिन मैन ने रेल पटरी चटकी देखी तो स्टेशन मास्टर और कंट्रोल को सूचना दी। रेल प्रशासन में हड़कंप मच गया। इस दौरान डाउन लाइन पर एक घंटे रेल संचालन प्रभावित रहा।

रेलवे के चाबी मैन बुधवार की सुबह आठ बजे रेल लाइन चेक करते हुए जा रहा था। चाबी मैन ने कहेलिया और ऐगवां रेलवे स्टेशन के बीच डाउन लाइन पर खंभा संख्या 1214/10 के सामने रेल पटरी चटखी हुई देखी। चाबी मैन ने स्टेशन मास्टर और रेलवे कंट्रोल को सूचना दी। कंट्रोल ने आझी शाहाबाद रेल पथ निरीक्षक और स्टेशन मास्टर को सूचना दी। रेल प्रशासन में हड़कंप मच गया। रेल अधिकारी कर्मचारियों को लेकर मोके पर गए और देखा कि एक स्थान पर रेल पटरी चटखी हुई थी। ठीक करने के लिए डाउन लाइन पर एक घंटे का ब्लाक लिया। डाउन लाइन की बेगमपुरा एक्सप्रेस रामप्रसाद बिस्मिल स्टेशन, जम्मूतवी-कानपुर एक्सप्रेस व पंजाब मेल रोजा रेलवे स्टेशन, गंगा सतलज एक्सप्रेस शाहजहांपुर रेलवे स्टेशन पर खड़ी रही। कर्मचारियों ने जागल प्लेट बांधकर 30 मिनट के काशन से ट्रेनें निकाली गयी। एक घंटे बाद डाउन लाइन रेल संचालन शुरु हुआ।

प्रतिबंधित मांस काटने में दो गिरफ्तार

रोजा, अमृत विचार : रामचंद्र मिशन पुलिस को बुधवार की सुबह छह बजे सूचना मिली कि कसाइयों वाली पुलिया के पास दो लोग प्रतिबंधित मांस काट रहे हैं। पुलिस ने मौके पर दो लोगों को पकड़ लिया। पुलिस दोनों को पकड़कर थाना पर ले आयी है। पुलिस दोनों से पूछताछ कर रही है।

सफाई व्यवस्था का नगर आयुक्त ने किया निरीक्षण

शाहजहांपुर, अमृत विचार: स्वच्छता को महानगर में सर्वोपरि रखने के उद्देश्य से वार्डों और मुख्य मार्गों पर नगर निगम की ओर से रोज विशेष अभियान के रूप में सफाई कराई जा रही है। इसी के दृष्टिगत नगर आयुक्त डॉ. बिपिन कुमार मिश्र की ओर से बुधवार सुबह महानगर क्षेत्र के जेल रोड पर स्वच्छता कर्मियों के कार्य का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय स्वच्छता कार्यों को अपनी देखरेख में कराया व उन्होंने निर्देशित किया कि आजादी के अमृत महोत्सव को मनाए जाने की श्रृंखला में महानगर को सफाई व्यवस्था के क्षेत्र में दुरुस्त रखा जाए।

इसके साथ ही क्षेत्र में स्थित शौचालय का निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था देखी। महानगर क्षेत्र में स्थित समस्त शौचालय में उच्चकोटि की सफाई रखी जाए। निरीक्षण के समय सफाई एवं खाद्य निरीक्षक चन्द्रवीर सिंह सागर समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

बर्ड फ्लू: पोल्ट्री फार्म में सैंपलिंग व टेस्टिंग की गति बढ़ाने के निर्देश

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में जनपद में बर्ड फ्लू की रोकथाम के लिए जनपद स्तरीय टास्क फोर्स बैठक कलेक्ट्रेट वीसी कक्ष में आयोजित की गई। बैठक में डीएम ने जनपद रामपुर में बर्ड फ्लू बीमारी प्रकाश में आने पर सतर्कता एवं सैंपलिंग बढ़ाने के पशुपालन विभाग को निर्देश दिए। सीवीओ ने बताया कि जनपद में कोई भी बर्ड फ्लू पॉजिटिव का मामला नहीं आया है।

डीएम ने पशुपालन को निर्देश दिए कि पोल्ट्री फार्म में जाकर सैंपलिंग तथा टेस्टिंग की गति बढ़ाई जाए। उन्होंने ने जनपद में बर्डफ्लू के सम्भावित खतरों से निपटने को सतर्कता एवं सावधानियां बरतने के निर्देश दिए। पशुपालन विभाग अधिकारी, कर्मचारियों द्वारा कुक्कुट पालकों से लगातार सम्पर्क स्थापित किया जाए, जिससे पक्षियों में किसी भी असामयिक बीमारी एवं अत्यधिक संख्या में अचानक पक्षियों की मृत्यु की दशा में तत्काल विभाग को सूचना मिल सके।

- डीएम की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय टास्क फोर्स बैठक

जनपद में पालतू पक्षियों बर्डफ्लू सर्विलान्स एवं मानिटरिंग को निरन्तर बनाए रखा जाए एवं पक्षियों के पर्याप्त क्लोएकल, ओरो फेरेन्जियल एवं सीरम सैम्पल जांच हेतु कैडरेड, रखा जाए एवं पक्षियों के पर्याप्त क्लोएकल, ओरो-फेरेन्जियल एवं सीरम सैम्पल जांच को कैडरेड, भारतीय पशु चिकित्सा अनुसन्धान संस्थान इज्जतनगर बरेली को भेजा जाए। इस अवसर पर नगर आयुक्त डा. विपिन कुमार मिश्र, एडीएम वित्त अरविंद कुमार, सीएमओ डा.विवेक कुमार मिश्रा, डीडीओ ऋषि पाल सिंह, सीवीओ डा. राजेन्द्र प्रताप सिंह सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में बर्ड फ्लू की रोकथाम को टास्क फोर्स की बैठक सम्पन्न। ● अमृत विचार

बेवा का मकान गिराने वाले 13 लोगों पर रिपोर्ट दर्ज

- एफआईआर में आठ नामजद और पांच अज्ञात लोग

खुटार, अमृत विचार : क्षेत्र के गांव अठकोना निवासी विधवा हसीना बेगम ने मंगलवार को पुलिस को तहरीर देकर बताया था कि उसका गांव में एक कच्चा मकान है। इसमें वह पांच बच्चों के साथ रह रही है। साथ में भतीजा व उसकी पत्नी भी रहती है।

मंगलवार दोपहर भती पुवायां गया था। तभी गांव के विनोद कुमार, राजेश कुमार, रवि कुमार, शिवम कुमार, रुस्तम, रिषभ, इरफान, नासर चार-पांच अन्य उसके मकान पर कब्जा करने के उद्देश्य से फावड़े से मकान गिराने लगे। हसीना के विरोध करने पर मारपीट शुरू कर दी थी। इसके बाद मकान गिरा दिया और ट्रैक्टर हैरो से जोत दिया था। दबंगों ने दिनदहाड़े विधवा के घर को गिराकर उसमें रखा सारा सामान कपड़े, अनाज, बर्तन, चारपाई, अटैची व सोने का पेंडल, चांदी की पायल आदि सब नाली एवं आसपास फेंक दिया था। कुछ सामान अपने घर उठा ले गए थे। पीड़िता ने इसका विरोध किया तो दबंग तमंचा लेकर मारने को दौड़ पड़े और विधवा के सीने पर तमंचा रख कर धमकाया था कि यदि ज्यादा चिल्लाओगी, तो पूरे परिवार को जान से मार देंगे। पुलिस ने सभी आठ नामजद आरोपियों के साथ ही पांच अज्ञात समेत 13 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

मॉबलिंचिंग के विरोध में कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार सुरक्षा संगठन के प्रदेश अध्यक्ष वकार आलम वारसी के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन कर राष्ट्रपति को नायब तहसीलदार अपूर्वा सिंह के माध्यम से भेजा। वकार आलम वारसी ने बताया कि उत्तर प्रदेश के फतेहपुर शहर के आबू नगर इलाके में मोबलिंचिंग हुई है। जहां 16 साल के रुआब अहमद को लिंचिंग करके मार दिया गया । इसके बाद एफआईआर कराई गई। परन्तु कोई संतोषजनक कार्रवाई नहीं हो रही है। फतेहपुर में नवाब अब्दुल समद के मकबरे में घुसकर तोड़-फोड़ की गई तथा कई कबरों को तोड़ दिया गया। उन्होंने ने मांग की कि मामले की गंभीरता को समझते हुए संज्ञान लिया जाए तथा शीघ्र अति शीघ्र शासन को आदेशित किया जाए कि मोबलिंचिंग से जुड़ी जो भी घटनाएं भारत के किसी राज्य में हो रही उनपर मज़बूत कार्यवाही की जाए। दोषी व्यक्तियों के खिलाफ कठोर से कठोर कार्यवाही की जाए। ज्ञापन देने वालों में जिलाध्यक्ष रहीश, अशरफ, मो. कासिम आदि मौजूद रहे।

नायब तहसीलदार अपूर्वा सिंह को ज्ञापन देते हुए। ● अमृत विचार

युवक ने जहरीला पदार्थ खाकर दी जान

शाहजहांपुर, अमृत विचार: परिवारिक कलह को लेकर युवक ने जहरीला पदार्थ खा लिया। परिवार वालों ने उसे यहां मेडिकल कालेज में भर्ती कराया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी। लखीमपुर खीरी जिले के मैलानी थाना क्षेत्र के गांव थरबरनपुर निवासी 25 वर्षीय प्रदीप कुमार मंगलवार को काम करने के लिए गया। वह शाम को घर पर आया। परिवार में किसी बात को लेकर विवाद हो गया। उसने गुस्से में आकर जहरीला पदार्थ खा लिया। उसकी तबीयत खराब होने पर परिवार वाले प्रदीप को खुटार सीएचसी पर लेकर आए। डाक्टर ने मेडिकल कालेज के लिए रेफर कर दिया। बुधवार की सुबह इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

दो गांवों में अलग-अलग हादसों में दो की मौत

संवाददाता, बंडा

- तालाब में डूबा युवक, छह दिन बाद नदी से बरामद हुआ दूसरे युवक का शव

अमृत विचार : अलग-अलग गांवों में हुई दो घटनाओं में एक युवक की तालाब में डूबने से मौत हो गई, जबकि दूसरे युवक का शव छह दिन बाद नदी से बरामद हुआ।

पहली घटना बंडा के गांव बौठा जमालपुर की है। बुधवार दोपहर बाद मुरारी लाल का पुत्र अखिलेश (27) अपने भाई बेबी सिंह (29) के साथ तालाब में नहाने गया था। कुछ देर वह नहाता रहा, लेकिन अचानक डुबकी लगाने के बाद वह बाहर नहीं आया। लगभग 20 मिनट बाद भाई ने देखा कि अखिलेश कहीं दिखाई नहीं दे रहा है, तो उसने गांव के लोगों को सूचना दी। ग्रामीणों ने तालाब में तलाश की और करीब आधे घंटे बाद अखिलेश का शव बरामद किया।

दूसरी घटना गांव इन्दलपुर की है, जहां हरद्वारी लाल (52) पांच दिन पहले बिना बताए घर से निकल गए थे और वापस नहीं लौटे। उनके पुत्र पवन और सोनू ने कई जगह तलाश की, लेकिन नहीं मिले। बुधवार दोपहर गांव से करीब आधा किलोमीटर दूर झोंकन नाथ मंदिर के पास गोमती नदी में किसी ने उनका शव उतराता देखा। ग्रामीणों के अनुसार हरद्वारी लाल शराब पीने के आदी थे। संभव है कि डूबने से उनकी मौत हो गई हो। उनकी मौत से पत्नी शकुन्तला, पुत्र पवन और सोनू का रो-रोकर बुरा हाल है।

आफत — मकान ढहे, फसलें डूबीं, ग्रामीण पलायन को मजबूर

गंगा-रामगंगा की बाढ़ मचा रही गांवों में तबाही

संवाददाता, मिर्जापुर

अमृत विचार: गंगा और रामगंगा नदियों में लगातार बढ़ रहे जलस्तर ने हालात बेकाबू कर दिए हैं। बाढ़ की तेज रफ्तार लहरें गांवों को अपनी चपेट में ले रही हैं, जिससे ग्रामीण पलायन को मजबूर हो गए हैं। दर्जनों गांव पूरी तरह जलमग्न हो चुके हैं। सैकड़ों क्विंटल राशन, ईंधन और अनाज भीग जाने से भोजन संकट गहरा गया है।

- स्टेट हाईवे और संपर्क मार्गों पर बाढ़ का पानी, नाव ही बना सहारा

स्टेट हाईवे पर कई जगह बाढ़ का पानी बह रहा है, जिससे रोड के क्षतिग्रस्त होने का खतरा बढ़ गया है। संपर्क मार्ग टूट जाने से दर्जनों गांवों का आवागमन ठप हो गया है और नाव ही एकमात्र सहारा बची है। बलदेवपुर मोड़ के पास शीशपाल और अनिल के मकान में पानी भरने से मकान ढह गए, हालांकि गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई। प्रशासन ने राहत कार्यों के लिए एक दर्जन से अधिक नावें लगाई हैं। कई ग्रामीण सड़कों और छतों पर शरण लिए हुए हैं। बाढ़ प्रभावित इलाकों में राशन और ईंधन भीगने से भोजन व्यवस्था ठप हो गई है। वहीं, कई स्कूलों में पानी भर जाने से पठन-पाठन बाधित है। रामगंगा नदी का पानी खादर क्षेत्र से होते हुए मिर्जापुर कस्बे की दलित बस्ती तक पहुंच गया है। हजारों बीघा फसलें पानी में डूबने से किसानों के सामने भविष्य को लेकर गहरी चिंता है। साथ ही, बाढ़ के पानी से घरों में जहरीले कीड़े-मकौड़े घुसने का खतरा ग्रामीणों की नींद और चैन छीन रहा है।

रास्ते में भरे बाढ़ के पानी के चलते पैंट हाथ में लेकर जाता शिक्षक।

बाढ़ का पानी भरने से गिरा मकान। ● अमृत विचार

रामगंगा का कहर, गांवों की राह हुई बंद

परौर, अमृत विचार : पिछले पांच दिनों से रामगंगा के लगातार बढ़ते जलस्तर ने ग्रामीणों की मुश्किलें चरम पर पहुंचा दी हैं। कुण्डरी, गहवरा, सोहड़, मई खुर्द कला, दहीलिया, ककोड़ा, परौर और नारायन नगला सहित दर्जनों गांव बाढ़ की चपेट में हैं। बुधवार को कुण्डरी गांव का एकमात्र रास्ता पूरी तरह जलमग्न हो गया। सड़क पर लगभग तीन फीट ऊपर से बाढ़ का पानी बह रहा है, जिससे आवागमन ठप हो गया है। चारों ओर पानी भर जाने से पशुओं के लिए चारा तक लाना मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन को कई बार वैकल्पिक व्यवस्था की मांग की गई, लेकिन पांच दिन बाद भी कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। स्थिति इतनी गंभीर है कि सड़क के दोनों ओर करीब 10 फीट गहरे गड्ढे बने हैं, जिसमें गिरने से अनहोनी की आशंका बनी हुई है। चार दिन पूर्व मिर्जापुर क्षेत्र के धियरपुरा गांव में डिप पर मोटरसाइकिल सवार एक ही परिवार के चार लोग बाढ़ में बह गए थे, जिसमें एक महिला और बच्ची की मौत हो गई थी। ग्रामीणों का आरोप है कि अगर प्रशासन समय रहते आवागमन रोक देता तो यह हादसा टल सकता था। प्राथमिक विद्यालय कुण्डरी द्वितीय में शिक्षक और कंपोजिट विद्यालय जरौली के शिक्षक कुलदीप शुक्ला को खतरों के बीच शिक्षण कार्य करना पड़ रहा है। राजस्व निरीक्षक और लेखपाल ने मंगलवार को मौके का निरीक्षण कर रिपोर्ट एसडीएम कलान को सौंपी। इस संबंध में एसडीएम अभिषेक प्रताप का कहना है कि आवागमन के लिए नाव की व्यवस्था की जाएगी।

भारत माता के जयकारों से गूंज उठा शहर

डीएम ने दिखाई तिरंगा यात्रा को झंडी, उमंग और उत्सव के रूप में मनाया जा रहा जश्न -ए -आजादी

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

तिरंगा झंडा लेकर बच्चों के साथ रैली में शामिल डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह।

अमृत विचार: डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने कंपोजिट विद्यालय हथौड़ा बुजुर्ग से हर घर तिरंगा कार्यक्रम की रैली कार्यक्रम का आरंभ किया तथा खुद झंडा लेकर तिरंगा रैली में शामिल हुए। छात्र-छात्राओं ने हाथों में तिरंगा झंडा लेकर प्रतिभाग किया और भारत माता के जयकारों के साथ उत्साह उमंग के साथ रैली निकाली।

डीएम ने कहा कि जनपद में हर घर तिरंगा का कार्यक्रम उमंग और उत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्र तक तिरंगा रैलियां व प्रभात फेरी निकाली जा रही है। इस प्रकार अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। यह आजादी हमें हमारे वीरों के अदम्य साहस त्याग बलिदान संघर्ष के बाद मिली है,हम इसको भूल नहीं सकते हैं। उन्होंने कहा कि जनपद के अमर शहीदों ने देश को आजाद कराने में अपने प्राणों की आहुतियां दी हैं। इसको आगे बढ़ाने के लिए प्रगति के पथ पर ले जाने के लिए राष्ट्र निर्माण में हम सब का महत्वपूर्ण योगदान हो सकता है। भारत विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है। देश प्रगति के पथ पर अग्रसर हो इसके लिए हमें चिंता करने और सक्रिय योगदान देने की जरूरत है। देश पुष्पित पल्लवित होकर विकसित राष्ट्र बने यही हम सबका उद्देश्य होना चाहिए। हर घर तिरंगा कार्यक्रम के तहत जगह पर तिरंगा रैली निकाल कर आम जनमानस को तिरंगा के माध्यम से आजादी के संघर्षों को याद दिलाया जा रहा है। हर घर तिरंगा कार्यक्रम 13 से 15 अगस्त तक चलेगा। आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत हर घर तिरंगा ऐतिहासिक कार्यक्रम है। उन्होंने कहा कि इस विशेष आयोजन का उद्देश्य नागरिकों में राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान, देशभक्ति की भावना का संचार तथा तिरंगे के ऐतिहासिक महत्व को जन-जन तक पहुंचाना है।डीएम ने कहा कि हर घर तिरंगा केवल एक अभियान नहीं, बल्कि यह देश की एकता, अखंडता और गौरव का प्रतीक है। उन्होंने जनसामान्य से अपील की कि वे 15 अगस्त को घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराकर देशप्रेम की भावना को दिखाएं।

तिरंगा यात्रा को एसडीएम ने किया रवाना

पुवायां, अमृत विचार : हर घर तिरंगा अभियान के तहत नगर पालिका प्रशासन ने तिरंगा यात्रा निकाली। यात्रा नगर भ्रमण कर इंटर कॉलेज में वापस संपन्न हुई। बुधवार को पुवायां इंटर कॉलेज से पालिका प्रशासन की ओर से तिरंगा यात्रा निकाली गई। तिरंगा यात्रा में शामिल कई स्कूलों के बच्चों को एसडीएम चित्रा निर्वाल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। तिरंगा यात्रा का आयोजन पालिकाध्यक्ष संजय गुप्ता व अधिशासी अधिकारी कल्पना शर्मा के नेतृत्व में निकाली गई, जो राजा मार्किट से सराफा मार्किट, तिराहा बाजार, बैंक ऑफ बड़ौदा रोड से खुटार रोड होते हुए वापस कॉलेज परिसर में सम्पन्न हुई। इस दौरान भाजपा नगर अध्यक्ष अर्पित गुप्ता, सिद्धेश पांडेय, व्यापार मंडल पदाधिकारी कपिल गुप्ता, युवा व्यापार मंडल अध्यक्ष धीरज शर्मा राजा, दिनेश अवस्थी, सर्वेश त्रिवेदी बंगाली, अभय मिश्रा समेत निष्ठा भट्ट, नव्या भट्ट, अर्थव भट्ट, विमल पंडित व कई स्कूलों के बच्चे शामिल हुए।

भव्य तिरंगा यात्रा में उमड़े लोग

रैली निकालते युवा मोर्चा के पदाधिकारी, भाजपा नेता व अन्य। ● अमृत विचार

संवाददाता,शाहजहांपुर

अमृत विचार: युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष राजदीप शर्मा के नेतृत्व में निकाली गई भव्य तिरंगा यात्रा देशभक्ति और एकता का अद्भुत उदाहरण बनी।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि डीपीएस राठौर और विशिष्ट अतिथि राजकमल बाजपेई, विमल सिंह, अरुण कुमार गुप्ता, ब्लॉक प्रमुख श्रीदत्त शुक्ला, कौशल मिश्रा, योगेश शर्मा, इरफान खान, कर बाजार संजीव गुप्ता, बिरजू मिश्रा, विमल बाजपेई, लालजीत राठौर, दाऊद, अजमल खान, इमरान खान, राम मुरारी मिश्रा, सौरभ भारद्वाज और आदित्य भारद्वाज की उपस्थिति ने आयोजन को और भी खास बना दिया। यात्रा का मुख्य आकर्षण मुस्लिम बस्ती में घरों से की गई पुष्प वर्षा रही, जिसने लोगों के उत्साह और समर्थन को प्रदर्शित किया। हजारों की संख्या में मौजूद कार्यकर्ताओं ने तिरंगे के साथ देशभक्ति के गीत गाते हुए नगर में जोश और गर्व का माहौल बना दिया।

बच्चों के साथ स्वतंत्रता दिवस और जन्माष्टमी मनाई

संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: रानी लक्ष्मीबाई महिला विंग ने बुधवार को टॉडलर प्ले स्कूल में छोटे-छोटे बच्चों के साथ स्वतंत्रता दिवस और जन्माष्टमी पर्व मनाया।

इस अवसर पर टॉडलर प्ले ग्रुप के बच्चे सुंदर-सुंदर देश के वीरों की वेशभूषा में व कृष्ण राधा की वेशभूषा में सज धजकर आए और फैंसी ड्रेस में भाग लिया। टॉडलर स्कूल की डायरेक्टर नुजहत अंजुम, डॉ. नमिता सिंह, पूर्व अध्यक्ष विमी सैनी, रचना अवस्थी व मीनू गुप्ता, रितु सिंह, गीता सिंह, रचना सिंह ने बच्चों को मेडल व गिफ्ट देकर सम्मानित किया।

टॉडलर स्कूल की सोनी, लाइबा, इरम, यशि आदि टीचर्स का सहयोग रहा। अंत में आभार मैनेजर मोहम्मद नाजिम ने व्यक्त किया।

स्वतंत्रता दिवस का जश्न मनातीं रानी लक्ष्मीबाई महिला विंग की महिलाएं।

तिरंगा यात्रा निकालते एनसीसी के छात्र। ● अमृत विचार

तिरंगा रैली निकाली

शाहजहांपुर,अमृत विचार : जीएफ कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना और एनसीसी के तत्वावधान में तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। रैली कॉलेज गेट से प्रस्थान कर इमली रोड, ऑफिसर कॉलोनी एवं सेंट एचएन इंटर कॉलेज होते हुए महाविद्यालय में आकर संपन्न हुई।तिरंगा रैली महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. मोहसिन हसन खान के दिशा-निर्देशन में एवं एनसीसी प्रभारी डॉ. इमरान खान,एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी,डॉ. समन ज़ेहरा ज़ैदी,डॉ. रज़ा रसूल तथा डॉ. निज़ामुद्दीन खान की देख-रेख में निकाली गई।इस अवसर पर प्रो. फैयाज अहमद, प्रो. मुजीबउद्दीन,डॉ कामरान खान डॉ मोहम्मद काशिफ नईम आदि उपस्थित रहे।छात्र - छात्राओं में शैलेन्द्र,विवेक,नीतीश,गौरी, प्रियंका,शिवांगी आदि ने भारत माता की जय के नारे लगाते हुए उत्साहपूर्वक रैली में भाग लिया।

खुटार में निकाली गई विशाल तिरंगा यात्रा

संवाददाता, खुटार

अमृत विचार: नगर के तिकुनिया स्थित गोल्डन फ्लावर पब्लिक स्कूल में विशाल तिरंगा यात्रा विद्यालय परिसर से शुरू होकर तिकुनिया चौराहे होते हुए नगर के मेन मार्केट से थाने के पास पहुंचकर पुनः विद्यालय के लिए वापस रवाना होकर संपन्न हुई।

तिरंगा यात्रा का आरंभ विद्यालय के प्रबंधक हरदेव सिंह सिद्धू ने किया। तिरंगा यात्रा में बच्चों का राष्ट्र के प्रति सम्मान देखने को मिला। यात्रा में लहराते ढोल और देशभक्ति के नारों से वातावरण गूंज उठा। तिरंगा यात्रा में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। तिरंगा यात्रा के दौरान विद्यालय के निदेशक नवदीप सिंह सिद्धू एवं प्रधानाचार्य राजकुमार साहू ने कहा यह मात्र यात्रा ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय ध्वज एवं देश के प्रति सम्मान और निष्ठा का प्रतीक है। तिरंगा यात्रा में विद्यालय के शिक्षक एवं शिक्षिकाओं का सहयोग रहा।

स्कूल के बच्चे तिरंगा यात्रा निकालते हुए। ● अमृत विचार

किसान यूनियन ने निकाली तिरंगा यात्रा

पुवायां,अमृत विचार : भाकियू पदाधिकारियों ने हर्ष के साथ तिरंगा यात्रा निकाली। यात्रा के दौरान पदाधिकारियों ने राष्ट्रपति संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा। बुधवार को भारतीय किसान यूनियन टिकैत गुट के जिलाध्यक्ष अनिल सिंह यादव के नेतृत्व में तमाम पदाधिकारी मोहम्मदी रोड स्थित कार्यालय पर एकत्र हुए और ध्वज के साथ नारेबाजी करते हुए राजीव चौक पहुंचे, जिसके बाद खुटार रोड, डाक बंगला रोड होते हुए राजीव चौक से वापस कार्यालय पहुंचकर सम्पन्न हुई। इस दौरान श्रीकृष्ण जाटव, प्रदीप अर्कवंशी, सुखदेव सिंह, क्रांति कुमार, विनोद कुमार समेत अन्य तमाम पदाधिकारी मौजूद रहे।

हाथों में तिरंगा लेकर यात्रा में शामिल हुए लोग

तिलहर, अमृत विचार : स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में गुरुवार को नगर में युवाओं ने धूमधाम से तिरंगा यात्रा निकाली। रस्तोगी धर्मशाला से हिंदू युवा नेता सिद्धार्थ गुप्ता के नेतृत्व में शुरू हुई इस यात्रा में सैकड़ों युवा शामिल हुए। यात्रा के दौरान कार्यकर्ताओं ने शहीदों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। देशभक्ति गीतों और भारत माता के जयकारों के बीच यात्रा जगह-जगह स्वागत के साथ आगे बढ़ी। कार्यकर्ता हाथों में तिरंगा लहराते हुए नगर में घूमे। सुरक्षा को लेकर कोतवाल राकेश कुमार पुलिस बल तैनात रहे।

तिरंगा यात्रा

शाहजहांपुर : महिला सिपाहियों ने निकाली तिरंगा यात्रा, पुलिस लाइन में प्रशिक्षण ले रही महिला सिपाहियों ने शहर में तिरंगा यात्रा निकाली। बुधवार की शाम पुलिस लाइन परिसर में प्रशिक्षण ले रही महिला सिपाही एक स्थान पर एकत्रित हुए। एसपी राजेश द्विवेदी के नेतृत्व में महिला सिपाहियों ने पुलिस लाइन से पैदल तिरंगा यात्रा निकाली।

बच्चों ने निकाली तिरंगा यात्रा, घर घर तिरंगा लगाने का दिया संदेश

तिरंगा यात्रा निकालते बच्चे। ● अमृत विचार

संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: आजादी के अमृत महोत्सव के तहत विकास खंड भावलखेड़ा के प्राथमिक विद्यालय नईबस्ती के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने ग्राम बल्लिया में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली।

प्रधान अध्यापक राजकुमार तिवारी के नेतृत्व में विद्यालय के सैकड़ों बच्चों ने हाथों में तिरंगा थामे "भारत माता की जय" और "वंदे मातरम्" के गगनभेदी नारे लगाए। यात्रा के दौरान बच्चों ने ग्रामीणों को "हर घर तिरंगा" अभियान में शामिल होकर अपने-अपने घरों पर तिरंगा लगाने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर ग्राम प्रधान शम्भू दयाल, विद्यालय प्रबंध समिति अध्यक्ष सुधीर कुमार, विपुल मिश्रा, शिव कुमार, दिनेश आनंद, प्रेक्षा अवस्थी, गौरी मिश्रा, रामचंद्र, मोहिनी और किरण सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

विद्यालय का विलय निरस्त करने की मांग

शाहजहांपुर, अमृत विचार : ब्लॉक भावलखेड़ा के ग्राम पंचायत बेहटी के मजरा जलालपुर बेहटी के ग्रामीणों और प्रधान अरुणा देवी ने प्राथमिक विद्यालय जलालपुर बेहटी को रोड पार 1.400 किलोमीटर दूर स्थित प्राथमिक विद्यालय बेहटी में मर्ज किए जाने का विरोध किया है। ग्राम प्रधान ने खंड शिक्षा अधिकारी भावलखेड़ा को सौंपे गए मांग पत्र में बताया मुख्यमंत्री के आदेशानुसार 1 किलोमीटर से अधिक दूरी, 50 या अधिक छात्र संख्या या सड़क पार कर विद्यालयों की पेयरिंग नहीं की जानी चाहिए। मांग पत्र देने वालों में जगदीश कुमार, राजकुमार, रामलाल, अखिलेश, सूरज प्रसाद, सुशील, अनुज, मीरा सहित अन्य ग्रामीण शामिल थे।

मदरसा के छात्र-छात्राओं ने निकाली तिरंगा यात्रा

तिरंगा यात्रा में शामिल हुए अतिथि व बच्चे। ● अमृत विचार

संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: हर घर तिरंगा, घर घर तिरंगा कार्यक्रम के अंतर्गत मदरसा नुरुल हुदा बिजलीपुरा के छात्र-छात्राओं द्वारा बुधवार को भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई।

यात्रा का शुभारंभ जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी रोहित कुमार सिंह, पार्षद डा. मोहसिन एवं रजी अहमद, प्रधानाचार्य इकबाल हुसैन उर्फ फूल मियां एवं समाजसेवी शाहिद खानने संयुक्त रूप से आसमान में गुब्बारे उड़ाकर किया। छात्र-छात्राओं ने हाथों में तिरंगा लेकर जोशीले नारे लगाए और देशभक्ति से माहौल को प्रफुल्लित कर दिया। इस अवसर पर उपस्थित जनों ने स्वतंत्रता संग्राम के महान बलिदानियों को याद करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। तिरंगा यात्रा मदरसा से प्रारंभ होकर पूरे मोहल्ले में घूम कर मदरसे में समाप्त हुई तिरंगा यात्रा में साजिद अली खान, ममनून खान, सैयद शारिक अली, जहूर अहमद, मोहम्मद जाहिद समेत अन्य रहे।

न्यूज डायरी

जन्माष्टमी पर्व पर आयोजित कार्यक्रम में बच्चे हुए पुरस्कृत

श्रीकृष्ण -राधा के रूप में बच्चों ने मनमोहा

शाहजहांपुर,अमृत विचार : जन्माष्टमी महोत्सव ग्लोबल इंटरनेशनल स्कूल में मनाया गया। स्कूल परिसर बोलो वृंदावन बिहारी लाल के जयकारों से गूंज उठा। छात्रों ने राधा कृष्ण की वेशभूषा में त्योहार मनाया।बच्चे राधा कृष्ण जोड़े में मनमोहक लग रहे थे। देवकी और वासुदेव की कारावास में झांकी प्रस्तुत की गई। अंत में मटकी फोड़ने की बारी आई तो बच्चों का उत्साह देखने योग्य था। बच्चों द्वारा दही मक्खन भरी हांडी फूटते ही पूरे स्कूल में हाथी घोड़ा पाल की जय कन्हैया लाल कीष जय कन्हैया लाल की गूंज से हो उठा।

बच्चे राधाकृष्ण की पोशाक में सजे बच्चे

स्कूल में जन्माष्टमी मनाई

शाहजहांपुर,अमृत विचार : नियामतपुर स्थित ज्ञाना इंटरनेशनल स्कूल में जन्माष्टमी हर्षोल्लास से मनाई गई। जिसमें स्कूल डायरेक्टर रतनु यादव व अभय प्रताप यादव व प्रिंसिपल शोभा राजपूत ने सभी राधा कृष्ण रूप में आए बच्चों का स्वागत किया। बच्चों ने मटकी फोड़ व नृत्य प्रतियोगिता में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। इस दौरान स्कूल स्टॉफ ने बच्चों की आरती उतारी इस दौरान पूनम, ज्योति, नैना, शिफा, वैशाली, लक्ष्मी आदि शामिल रहे।

राधाकृष्ण की वेशभूषा में सजे बच्चे।

राधा व कान्हा के वेश में आए बच्चे

शाहजहांपुर, अमृत विचार : वजीरगंज केरूगंज स्थित हैप्पी ब्लूम स्कूल में जन्माष्टमी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों ने राधा तथा कान्हा का रूप लेकर स्कूल आए। बच्चों की मनमोहक झांकियों से विद्यालय की छठा गोकुल सी प्रतीत हो रही थी। बच्चों ने सुंदर्प्रतुति देकर मनमोह लिया। दही हांडी का कार्यक्रम बहुत सुंदर तरीके से संपन्न हुआ। अभिवावकों ने बहुत ही सुंदर ढंग से बच्चों को सुसज्जित करके भेजा था। जिसके लिए उनकी जितनी सराहना की जाए कम है। कार्यक्रम को सफल बनाने में अनामिका श्रीवास्तव,हरनीत कौर, तृप्ति जौहरी,सूर्य गौरव,ज्योति कटियार, वाणी आदि का योगदान रहा।

नर्मदेश्वर महाकाल मंदिर में रुद्राभिषेक करते श्रद्धालु।

ब्लॉक से निकाली तिरंगा यात्रा

कलान। ब्लॉक प्रांगण में स्थापित नायक यदुनाथ सिंह की प्रतिमा पर एकत्र हुए ब्लॉक के कर्मचारियों अधिकारियों ने पैदल हाथों में तिरंगा ले लेकर देश हित में तमाम नारे लगाते हुए ब्लॉक गेट तक गए। फिर तिरंगा यात्रा ब्लॉक परिसर में समाप्त हो गई। लोग यहां चर्चा कर रहे थेकि ब्लॉक गेट से आगे तिरंगा यात्रा नहीं निकल गई। यात्रा का नेतृत्व करते हुए एडीओ पंचायत अहवन सिंह ने कहा कि देश हित में इस तरह के कार्यक्रम होना अति आवश्यक है। इस मौके पर सचिव राजकुमार शुक्ला, राकेश कुमार, राम कुमार, प्रशांत, पंकज पाल, शाकिल, लोकेश, विपिन कुमार, अनिल आदि रहे।

ग्लेन कैंसर सेन्टर एण्ड मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल
डा. रितु भुटानी
कैंसर रोग विशेषज्ञ
Ex. TATA MEMORIAL HOSPITAL, MUMBAI
Ex. RAJEEV GANDHI CANCER INSTITUTE, DELHI
कैंसर लाइलाज नहीं है
A PLACE OF HELP, HOPE AND UNDERSTANDING
24 घण्टे आई.सी.यू./ इमरजेंसी सुविधा उपलब्ध
02, शक्ति नगर, निकट रुहेलखण्ड यूनिवर्सिटी पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली
Contact Us:- 9311198889 9045599027
Email: bhutaniritu@gmail.com
Website: www.gleancancercentre.com

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

FOCUS नेत्रालय
RAJENDRA NAGAR, BAREILLY 731-098-7005
"ARTIFICIAL INTELLIGENCE" ASSISTED EYE SURGERIES
CASHLESS
DR. KANUPRIYA AGARWAL
Fellow- Shroff Eye Hospital, New Delhi
Ex. Safdarjung Hospital, New Delhi
ALL MAJOR INSURANCE ACCEPTED
AYUSHMAN / ECHS / CGHS / TPA EMPANELLED

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आँख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी-स्कैन द्वारा पर्दे की जाँच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जाँच व उपचार
80000 से अधिक आँखों के ऑपरेशन का अनुभव
TPA सुविधा उपलब्ध
8077344353
समय :- प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री ऑपरेशन की सुविधा
डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT, REFRACTIVE & GLAUCOMA SURGEON
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

डॉ. दर्शन मेहरा
एम.बी.बी.एस., एम.डी. (मेडिसिन)
Cardiopulmonologist, Diabetologist & Intensivist
आयुष्मान एवं TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
डायबिटीज, थायराइड, डेंगू, मलेरिया, टी.बी., पेट रोग, गठिया, फेफड़ों के रोग, तेज बुखार, एलर्जी, जटिल रोगों का उचित इलाज
दर्पिन हॉस्पिटल
संजय नगर रोड, पीलीभीत बाईपास, बरेली
हैल्प लाइन - 8979252222, 9457663289

न्यूज ब्रीफ

खेत पर गया युवक लापता, गुमशुदगी दर्ज

बिल्सी, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के गांव अकौली में दो दिन पहले खेत पर गए एक युवक अचानक लापता हो गया। परिवार के लोगों ने उसे काफी तलाश किया, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लग सका है। इसके बाद कोतवाली में उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई है। गांव निवासी दुष्यन्त कुमार पुत्र ऋषि पाल पुलिस को बताया कि उसका 27 वर्षीय भाई विपिन सोमवार की शाम धान की फसल को देखने के लिए खेत पर गया था। इसके बाद वह घर नहीं लौटा। परिवार के लोगों ने उसको इधर-उधर काफी तलाश किया, लेकिन उसका कोई पता नहीं लग सका है। दुष्यंत कुमार ने मंगलवार की शाम को कोतवाली में गुमशुदगी दर्ज कराई है। इसके बाद पुलिस जांच में जुट गई है।

मां और बेटी के साथ मारपीट, शिकायत

बिल्सी, अमृत विचार : मोहल्ला संख्या दो में बुधवार की दोपहर दो पक्षों में मामूली बात को लेकर हुई कहासुनी हो गई। इसके बाद उनके बीच लाठी-डंडे चले। इसमें आरोपियों ने मां-बेटी को घायल कर दिया। पीड़ित ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। मोहल्ला संख्या दो निवासी वीरेंद्र कुमार बताया कि दरबार के सामने रखी ईंटों को लेकर मोहल्ले के ही अरविंद और महेश उनकी पत्नी बबली के साथ गाली-गलौच करने लगे। जब उन्होंने इसका विरोध किया तो उन्होंने लाठी-डंडों से उन पर हमला बोल दिया। जिससे उसकी पत्नी बबली और पुत्री शालू घायल हो गई।

कानून व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश

बदायूं, अमृत विचार : चेहल्लुम पर मुस्लिम सम्प्रदाय के लोगों द्वारा मजलिस व मातम आदि के कार्यक्रम किए जाएंगे। मुस्लिम समुदाय के त्योहार पर जिले में कानून व शांति व्यवस्था बनाए रखने के आदेश डीएम अवनीश कुमार राय ने सभी एसडीएम को निर्देश दिए हैं। कहा कि त्योहार पर कोई नई परंपरा न पड़ने पाए। निकायों को साफ सफाई की व्यवस्था सही रखने और विद्युत विभाग को बिजली की आपूर्ति समय पर करने के आदेश दिए हैं।

कुछ दिन पहले 25 रुपये प्रति किलो तक बिक रहा था टमाटर, बारिश की वजह से हुआ खराब, मंडी में 10 गाड़ी ही पहुंच रहीं

टमाटर का भाव दोगुने से भी अधिक, बिक रहा 80 रुपये किलो

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : जिले में एक बार फिर से टमाटर का भाव बढ़ गया है। कुछ दिन पूर्व तक जो टमाटर 20 से 25 रुपये प्रति किलो में मिल रहा था, वहीं अब 70 से 80 रुपये प्रति किलो बिक रहा है। कुछ ही दिनों में दामों में इतनी तेजी आने से लोग खरीदने से पहले सोचने पर विवश हो जा रहे है। जरूरत के मुताबिक ही खरीद कर रहे हैं।

ककराला रोड स्थित मंडी समिति के व्यापारी राजेश शाक्य ने बताया कि जिले में टमाटर की खेती अधिक नहीं होती। मांग को पूरा करने के लिए टमाटर मध्य प्रदेश, बैंगलोर आदि स्थानों से टमाटर मंगाया जा रहा है। अधिक बारिश होने की वजह से इस बार टमाटर की फसल कमजोर रही है। मांग अधिक होने से टमाटर के दामों में मूल्य वृद्धि हुई है। बताया कि मंडी में जहां रोज आठ से 10 गाड़ियां आ रही थीं। वह अब घटकर पांच से छह ही रह गई हैं। इससे थोक बाजार में टमाटर का भाव 35 से 40 रुपये किलो तक पहुंच गया है। मंडी सचिव प्रभात यादव के मुताबिक सितंबर माह में नई फसल आने तक टमाटर के दाम कम नहीं होंगे। इन दिनों मंडी में हरी सब्जियों की भरपूर आवक देखने को मिल रही है, जिससे कीमतें संतुलित बनी हुई हैं। लेकिन लगातार बारिश होने से हरी सब्जियों आवक प्रभावित हो सकती है। बारिश से खेतों में पानी भरने की स्थिति में फसलें प्रभावित होंगी और सप्लाई घटेगी, जिससे सब्जियों के दाम तेजी से बढ़ सकते हैं।

थोक मंडी में सब्जियां खरीदते लोग। ● अमृत विचार

हरी सब्जियों की हो रही बंपर आवक

टमाटर की बढ़ती कीमतों के बीच मंडी में अन्य सब्जियों की जोरदार आवक हो रही है। इससे लोगों को कुछ राहत मिली है। सबसे ज्यादा आवक खीरा और लौकी की हो रही है। इसमें प्रतिदिन लगभग 20 खीरा और लौकी के पहुंच रहे हैं। मंडी में खीरा थोक भाव पांच से सात रुपये किलो, मिर्च 50 से 60 रुपये किलो बिक रहा है। वहीं बैंगन तीन से छह रुपए, लौकी आठ से 10, भिंडी 20 से 25, मेथी 25 से 30, पालक और धनिया 15 से 40 रुपये किलो बिक रही है।

> मंडी में हरी सब्जियों की आवक अधिक है। उनके मूल्य भी संतुलित हैं। टमाटर की फसल बारिश की वजह से प्रभावित हुई है। इस कारण दाम बढ़े हैं। बारिश के बाद नई फसल आने पर दाम में गिरावट आएगी।
>
> – **प्रभात यादव**, मंडी सचिव

ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

उसहैत, अमृत विचार : थाना उसहैत क्षेत्र के गांव ललोमई निवासी इरफान (30) पुत्र सिकंदर मंगलवार देर शाम म्याऊं मार्ग स्थित एक पेट्रोल पंप पर बाइक में पेट्रोल डलवाकर वापस लौट रहे थे। वह कस्बा उसहैत में अपना मकान बनवा रहे हैं।

रास्ते में पेट्रोल पंप के पास ट्रैक्टर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। वह गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। घायल को म्याऊं क प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर घायल को जिला अस्पताल ले जाया जा रहा था लेकिन रास्ते में ही इरफान ने दम तोड़ दिया।

राहत : उसहैत में घटा बाढ़ का पानी

कटान को लेकर ग्रामीणों में भय, दातागंज में बाढ़ पीड़ितों में बंटेगी राहत सामग्री

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : बारिश हल्की होते ही ऊपर से पानी अब कम छोड़ा जा रहा है। इससे उसहैत इलाके में बढ़ा हुआ पानी कम हो रहा है, जो राहत की बात है। उधर, दातागंज क्षेत्र में बाढ़ प्रभावित ग्रामों को बाढ़ राहत सामग्री का इंतजार है। तहसील प्रशासन ने ग्रामीणों को जल्द राहत सामग्री बांटने का भरोसा दिया है।

बुधवार को नरौरा से एक लाख 97 हजार क्यूसेक पानी गंगा में डिस्चार्ज किया गया, जबकि एक दिन पहले दो लाख से ऊपर पानी छोड़ा गया था। पहाड़ों पर बारिश रुकने के कारण पानी हरिद्वार और बिजनौर बैराज में कम आ रहा है। इससे नरौरा बैराज से अब कम पानी डिस्चार्ज किया जा रहा है। उसहैत के असमिया रफतपुर और जटा गांव के बांध से काफी नीचे पानी पहुंच गया है। इसके बाद बाढ़ खंड और स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली है। उसहैत के ही प्रेमी नगला में पानी कम होने के साथ ही कटान की आशंका व्यक्त की जा रही है। पूरे इलाके में पानी कम होने के साथ ही उपजाऊ जमीन कटने से किसानों में अफरा तफरी है, जबकि तहसील प्रशासन का कहना है कि अभी तक बहुत कम क्षेत्रों में कटान देखने को मिला है। यदि पानी तेजी से घटता है तो कटान होने की आशंका है। कटरा सआदतगंज इलाके में गंगा का पानी घट रहा है। कुछ स्थानों पर सड़कें अभी भी पानी में डूबी हुई हैं। जबकि कुछ सड़कें पूरी तरह कट चुकी हैं। कमलू नगला गांव की ओर गंगा ने रुख कर लिया है जिससे गंगा अब अपने मूल स्वरूप में लौटने की ओर है। ग्रामीणों का कहना है कि गंगा की धार जैसे ही पतली होती है तो आस पास का पानी कम होने लगता है। यदि दो दिन तक ऊपर से पानी कम छोड़ा गया तो निश्चित ही बाढ़ खत्म हो जाएगी।

उसहैत क्षेत्र में बांध से नीचे पहुंचे पानी को देखते अधिकारी। ● अमृत विचार

- **नरौरा से एक लाख 97 हजार क्यूसेक पानी डिस्चार्ज किया अब तक कट चुका बड़ा रकबा**

> बुधवार को काफी कम पानी ऊपर से छोड़ा गया है जिससे उसहैत और कछला का जलस्तर कम होने लगा है। सहसवान की महावा नदी का जलस्तर कम होने की खबर है। लेकिन अभी खतरा कम नहीं हुआ है। पानी घटने के साथ ही कटान की समस्या पैदा होगी। बाढ़ खंड के सभी बांध सुरक्षित हैं। अब बारिश भी ढलान पर है इसलिए किसानों को ज्यादा परेशानी नहीं होगी।
>
> – **नेशपाल**, सहायक अभियंता, बाढ़ खंड

रामगंगा का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर

तहसील प्रशासन की ओर से दातागंज क्षेत्र में अभी तक कुछ गांवों तक बाढ़ राहत सामग्री नहीं पहुंच सकी है जिससे ग्रामीणों को परेशानी हो रही है। आनंदपुर और नगरिया खनु के ग्रामीणों ने कहा कि कई बार हल्का लेखपाल से बाढ़ राहत के बारे में बात की गई, लेकिन उस पर ध्यान नहीं दिया गया। इससे अभी तक बाढ़ राहत सामग्री नहीं पहुंच सकी है। हजरतपुर से रसूलपुर के बीच में सड़क पर अभी भी दो फीट पानी भरा हुआ है। इससे इस रोड पर आवागमन बंद कर दिया गया है। रामगंगा का जलस्तर अभी भी खतरे के निशान से ऊपर है हालांकि आज जलस्तर में गिरावट दर्ज की गयी है।

झोलाछापों की दुकानों पर मरीजों की भरमार

ओरछी, अमृत विचार : ग्रामीण क्षेत्रों में गंदगी के चलते मलेरिया और टाइफाइड के मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है। बुखार और मलेरिया के मरीजों की भरमार झोलाछापों की दुकानों पर देखने को मिल रही है। लोगों को सरकारी स्वास्थ्य सेवाएं नहीं मिल रही हैं।

विकासखंड क्षेत्र के कस्बा आसफपुर, और औरछी चौराहे पर दर्जनों लोग मलेरिया और टाइफाइड से जूझ रहे हैं। बुखार पीड़ित निजी पैथोलॉजी लैब से ब्लड की जांच करा रहे हैं। जांच में टाइफाइड और मलेरिया बताया जा रहा है। यह सभी मरीज झोलाछापों से अपना इलाज करा रहे हैं। इस क्षेत्र में दर्जनों युवक मुनाफाखोरी के चक्कर में ब्लड सैंपल लेने वाले बाइकों से घूमते रहते हैं। झोलाछापों के फोन करने पर तुरंत मरीज के पास पहुंच जाते हैं। ओरछी चौराहा स्थित मेडिकल स्टोर संचालक खुद भी मरीजों को बुखार और मलेरिया की दवा देते हैं। फैजगंज बेहटा क्षेत्र के हर गांव में झोलाछाप धड़ल्ले से दुकान चला रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग का डर नहीं है।

अध्यक्ष के आश्वासन पर जिपं सदस्यों का धरना खत्म

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- **विकास कार्यों में गुणवत्ता का रखा जाएगा विशेष ध्यान**

अमृत विचार : जिला पंचायत में सदस्यों की समस्याओं का समाधान करने का आश्वासन देते हुए जिला पंचायत प्रशासन ने ठेकेदारों को हिदायत दी है कि उनके वार्ड में होने वाले विकास कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। इससे किसी सदस्य को शिकायत का मौका नहीं मिले। इसी के साथ सदस्यों ने धरना खत्म कर दिया।

जिला पंचायत में ठेकेदारों और जिला पंचायत अध्यक्ष सहित कई अन्य जिम्मेदारों के खिलाफ मंगलवार को कुछ सदस्य धरने पर बैठ गए थे। जिला पंचायत सदस्यों ने आरोप लगाया कि उनके वार्डों में जो कार्य हो रहे हैं उनमें गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखा जा रहा है। जिला पंचायत प्रशासन मनमाने ढंग से काम करा रहा है। जिला पंचायत अध्यक्ष पर तमाम तरह के आरोप लगाए गए, लेकिन मामला शांत कर दिया गया। बुधवार को जिला पंचायत प्रशासन ने ठेकेदारों को हिदायत दी कि सदस्यों के वार्डों में जो कार्य हो रहे हैं उनमें गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। वार्ड सदस्य को विश्वास में लेकर ही कार्य कराया जाए। जिला पंचायत के अपर मुख्य अधिकारी दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि सड़क निर्माण और नाला निर्माण के कार्यों में लापरवाही की शिकायत मिल रही हैं। जिला पंचायत अध्यक्ष वर्षा यादव ने भी सदस्यों को आश्वासन दिया है कि किसी को शिकायत का मौका नहीं मिलेगा। यदि कोई ठेकेदार उनकी बात नहीं सुनता है तो वह उसे मिल सकता है। कहा कि इस समय सदस्यों के वार्ड में विकास कार्य कराए जा रहे हैं, जो कार्य कुछ कमियों के चलते नहीं हुए थे उन्हें हर हाल में इसी साल पूरा करा दिया जाएगा।

नए विकास कार्यों की रूपरेखा तैयार

जिले के सभी 51 वार्डों में पिछले चार माह से सड़क व नाला निर्माण का कार्य कराया जा रहा है। साथ ही सदस्यों के नए कार्य भी सूचीबद्ध किए जा रहे हैं उन्हें आगामी बोर्ड की बैठक में कार्यो को रखा जाएगा। नए कार्यो की रूपरेखा तैयार की जा रही है। कुछ आपत्तियां भी बैठक में शामिल की गई थीं। इनके निस्तारण कर दिया गया है। जिला पंचायत और क्षेत्र पंचायत सदस्यों ब्लॉक प्रमुखों के क्षेत्र में होने वाले विकास कार्यो की सूची भी जल्द जारी कर दी जाएगी।

वाहनों में छात्रों की जिंदगी दांव पर

संवाददाता, ओरछी

अमृत विचार : ई रिक्शा और ऑटो चालक स्कूली छात्रों को वाहनों में भूसे की तरह ठूंसते हैं। पीछे लटकाते हैं जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। स्कूल संचालकों की लापरवाही के चलते ई रिक्शा चालक छात्रों के जीवन से खिलवाड़ कर रहे हैं।

थाना फैजगंज बेहटा क्षेत्र के कस्बा ओरछी चौराहे से दर्जनों ई रिक्शा, ऑटो आदि छात्रों को हर दिन लाद कर ले जाते हैं। मुरादाबाद-फर्रुखाबाद राजमार्ग पर यातायात नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रहीं हैं। छात्र-छात्राएं ई रिक्शा में बैठकर स्कूल जाते हैं। ई रिक्शा चालकों ने वाहन के पीछे एंगल लगा लिया है उस पर भी छात्रों को खड़ा कर लेते हैं, जो कभी भी हादसे का शिकार हो सकते हैं। जगह-जगह पुलिस मुस्तैद है फिर भी नियम ताक पर रखकर छात्र छात्राओं को ढोया जा रहा है। स्कूल संचालकों से कई बार स्थानीय लोगों ने शिकायत भी की, लेकिन स्कूल मालिकों ने इस पर ध्यान नहीं दिया। ऑटो ई रिक्शा पर लटक कर प्रतिदिन सैकड़ों छात्र चंदौसी पढ़ने जाते हैं वहां से लौटते समय भी लटक कर ही आते हैं। छात्रों की जिंदगी को दाव पर लगा कर लाया ले जाया जाता है। लेकिन इस लापरवाही पर किसी का ध्यान नहीं है।

दोनों ई-रिक्शाओं पर लटक कर जा रहे छात्र। ● अमृत विचार

- **ई रिक्शा और ऑटो में छात्रों को भूसे की तरह ठूंस रहे चालक**

सीडीओ ने दिए सीडीपीओ का वेतन रोकने के आदेश

बदायूं, अमृत विचार : राज्य पोषण मिशन योजना की सीडीओ ने समीक्षा की। इसमें चेहरा प्रमाणीकरण के कार्यों में धीमी प्रगति पर नाराजगी जताई। डीपीओ ने अपेक्षित कार्य न करने वाले सीडीपीओ का वेतन रोकने के आदेश दिए।

विकास भवन सभागार में हुई बैठक के दौरान सीडीओ ने संभव 2.0 अभियान के तहत गर्भवती महिलाओं और बच्चों का पोषण ट्रैकर पर वजन कराने के निर्देश दिए। बेबी फ्रेंडली शौचालय व पेयजल की व्यवस्था आंगनबाड़ी केंद्रो पर सुनिश्चित करने को कहा। जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि जिन ब्लॉकों में नैफेड द्वारा पुष्टाहार दिया जा रहा है वहां कच्चा दलिया, दाल आदि तथा जहां एनआरएलएम के टीएचआर सेंटर के माध्यम से पुष्टाहार दिया जा रहा है। साथ ही बेसन का लड्डू, दलिया आदि पुष्टाहार दिया जाता है।

देहात क्षेत्रों में बांटी जाएगी खेल सामग्री

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- **ग्राम पंचायतों में सक्रिय 369 मंगल दलों में बांटी जाएगी खेल सामग्री**

अमृत विचार : ग्रामीण क्षेत्रों में खेलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शासन की ओर से जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल विभाग 369 खेल किट भेजी गई हैं। इन खेल किटों को मंगल दलों में बांटी जाएगी। खेल किटों का वितरण समारोह के माध्यम से जनप्रतिनिधियों के द्वारा किया जाएगा।

जिले की 1036 ग्राम पंचायतों में जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल विभाग के द्वारा महिला और युवक मंगल दलों का गठन गया है। गांवों में गठित मंगल दल ग्रामीण क्षेत्रों में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने का काम करते हैं। साथ ही सरकार की योजनाओं का प्रचार प्रसार भी मंगल दलों के द्वारा किया जाता है। शासन की ओर से जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल विभाग को खेल किट मुहैया कराई गई हैं। इन खेल किटों को महिला और युवक मंगल दलों में बांटा जाएगा। शासन की ओर से जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल विभाग को 369 किट उपलब्ध कराई गई हैं। शासन की ओर से भेजी गईं खेल किटों को 177 महिला मंगल दल और 192 युवक मंगल दलों में बांटा जाएगा। जिला युवा कल्याण अधिकारी हरिप्रेम ने बताया कि शासन की ओर से 369 खेल किट भेजी गई हैं। इन खेल किटों को चिन्हित मंगल दलों में बांटा जाना है। खेल किट कार्यक्रम के माध्यम से जनप्रतिनिधियों द्वारा दी जाएगी। जल्द ही वितरण शुरू किया जाएगा।

सरदार बल्लभ भाई पटेल डिग्री कॉलेज
भोजीपुरा रेलवे स्टेशन से पूर्व की ओर
Contact No. 9412287776, 9412288876, 9412288878, 9457507777
नि:शुल्क प्रवेश सत्र 2025-26 स्नातक प्रथम वर्ष
B.A. B.Sc. B.Com. B.Sc. (Home Science) B.B.A. B.C.A.
अन्य संचालित कोर्स
M.A. M.Sc. M.Sc. (Home Science) M.A. (Home Science) M.A. (Drawing & Painting)
D.PHARMA BTE CODE 2143 B.Ed. BTC D.El.Ed. B.EL.ED
सरदार वल्लभ भाई पटेल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी
भोजीपुरा, बरेली BTE CODE - 2143
B.El.Ed. (इंटरमीडिएट के पश्चात 4 वर्षीय बी.टी.सी.) College Code 148
डी.एस.आर. कॉलेज ऑफ फार्मेसी
BTE CODE-2079
रिछा-जहानाबाद रोड पिपरानाकार बहेड़ी, बरेली
Contact No. 9719807777, 9719817777, 9719827777, 9719837777, 9719847777
चेयरमैन डा. हरीशंकर गंगवार, Mob No : 9412287777

बैठक में परियोजनाओं को हस्तांतरित करने के आदेश

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : 50 लाख रुपये से अधिक परियोजनाओं की सीडीओ केशव कुमार ने समीक्षा की। सीडीओ ने कार्यदायी संस्थाओं के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जो परियोजनाएं पूर्ण हो गई है उसको इसी माह संबंधित विभाग को हस्तांतरित किया जाए। समीक्षा में पाया कि महिला पीएसी के निर्माण कार्यों में अनावासीय भवनों का निर्माण पूर्ण हो गया है। आवासीय भवनों के शेष कार्यों के लिए टेंडर प्रक्रिया पूर्ण हो गई है।

मुख्य विकास अधिकारी ने मुख्यमंत्री की प्राथमिकता वाले सीएम डैशबोर्ड के 87 कार्यक्रमों की समीक्षा की। पाया कि जुलाई में जनपद के 55 विभागों को ए श्रेणी, एक कार्यक्रम में बी श्रेणी, छह कार्यक्रमों में सी श्रेणी और दो कार्यक्रमों में डी श्रेणी प्राप्त हुई है। 87 में से 23 कार्यक्रम जनपद से संबंधित नहीं है। अधिकारियों को नियमित समीक्षा करने आदेश दिए। बेसिक शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान सीडीओ ने बीएसए को आदेश कि जर्जर प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों व कक्षाओं का मूल्यांकन लोक निर्माण विभाग से कराया जाए। जर्जर भवन व कक्षा में कक्षाएं संचालित की जाए। कहा कि मध्यान्ह भोजन में धनराशि प्राप्त होने पर रसोइयों का भुगतान प्राथमिकता पर कर दिया जाएगा।

बैठक में समीक्षा करते सीडीओ।

- **सीडीओ ने 50 लाख रुपये से अधिक परियोजनाओं की समीक्षा कर दिए निर्देश**

रेड रोग से बचाने के लिए करें छिड़काव

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : गन्ना विभाग ने रेड रोग बीमारी से बचाव के लिए कीटनाशक छिड़काव करने का सुझाव दिया है। साथ ही गन्ना पर्यवेक्षकों को निर्देशित किया है कि प्रत्येक प्लॉट का सर्वे कर विभाग को रिपोर्ट सौंपे।

बुधवार को जिला गन्ना अधिकारी अशर्फी लाल ने टीम के साथ बिसौली चीनी मिल के सहसवान क्षेत्र के गांव हरदत्तपुर, गधोलिया, हरदोपट्टी, सितोलिया पुख्ता, घूरनपुर, कमलपुर बेला आदि ग्रामों में ईख के खेतों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि पानी भर जाने से गन्ने की ग्रोथ प्रभावित हुई है, लेकिन अब गन्ना किसानों को चिंता करने की जरूरत नहीं है। गन्ने की फसल में रैड रोग बीमारी से बचाव के लिए गन्ने में कीटनाशक का छिड़काव करें और जो पौधे कमजोर हैं उनकी जड़ पर एक दवा का छिड़काव करें। कृषि विज्ञान केंद्र उझानी के कृषि वैज्ञानिक सौहार्द दुबे ने बताया कि अब बारिश होने की संभावना कम है। इस समय गन्ना की फसल ग्रोथ करने वाली है। इसलिए गन्ना विभाग के पर्यवेक्षक गन्ने की फसल पर नजर बनाए रखेंगे। यदि फसल को खाद या कीटनाशक की जरूरत है तो किसान को सुझाव देंगे। साथ ही कीटनाशक का छिड़काव करने की विधि भी बताएंगे। जिला गन्ना अधिकारी अशर्फी लाल ने बताया कि गन्ने की फसल को रोगमुक्त बनाए रखने को कीट नाशक का छिड़काव करने का सुझाव दिया गया है। कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों से संपर्क कराया गया है जिससे वह किसी तरह की जानकारी साझा कर सकें।

खेत में स्थलीय निरीक्षण करते जिला गन्ना अधिकारी अशर्फी लाल। ● अमृत विचार

- **जिला गन्ना अधिकारी ने निरीक्षण कर दिए किसानों को सुझाव**

बिसौली चीनी मिल के रकबा पर दिया जोर

जनपद में बिसौली चीनी मिल का रकबा आठ हजार हेक्टेयर से अधिक है। इस मिल पर जिले के करीब 60 प्रतिशत गन्ना किसान अपना गन्ना बेचते हैं जिससे मिल प्रशासन पर गन्ना किसानों का अधिक दबाव रहता है। गन्ना विभाग का कहना है कि यदु शुगर मिल का गन्ना रकबा अधिक होने के कारण उस क्षेत्र पर अधिक फोकस रहता है। मिल प्रशासन के जीएम ने कहा कि गन्ना मिल किसानों की समस्याओं के निराकरण को तत्पर है।

SSVGI
SHRI SIDDHI VINAYAK GROUP OF INSTITUTIONS
16 Years Educational Exellence
ADMISSION OPEN SESSION 2025-26
• SSVIT I B.Tech (CS • IT • ME • CE • EE • EC) | M.Tech (CS • ME)
• SSVIM I MBA • Int. MBA • BBA • BCA • B.COM • B.COM (H) B.SC (PCM) • B.SC (ZBC) • B.SC (Home Sci. • Biotech)
• SSVP I Polytechnic (ME(A) • ME(P) • IT • EC • EE • CE)
• SSVSN I GNM • ANM
• SSVIP I D.Pharma • B.Pharma
• SSVIPS I Diploma in Optometry • Emergency & Trauma care X-Ray Tech. • Dialysis • Physiotherapy • O.T. Tech.
Why Enroll @ SSVGI
• Career-Focused Education • Best Placement In the Region • High-Tech Academic Infrastracture • Highly Experienced Faculty
20 LPA Highest CTC | 4.5 LPA Average CTC | 92% Placement in Past 5 Year
1200+ SSVGIians Placed in Top MNC's | 2000+ Placement Offers | 550+ Recruitment Partners
7599471145, 7599471144 | www.ssvgi.org
Campus: 10th Km Stone, Nainital Rd, Bareilly, U.P.
City Office: Avas Vikas Complex, Sheel Chauraha, Bareilly

अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

राज्य कर्मचारी आज निकालेंगे तिरंगा यात्रा

बदायूं, अमृत विचार : राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद की गुरुवार को तिरंगा यात्रा निकलेगी। राज्य कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष रवि कुमार ने बताया कि तिरंगा यात्रा डीएम चौराहे से प्रारंभ होगी, जो कि भामाशाह चौक, कचहरी होते हुए डीएम चौराहे पर समाप्त होगी।

15 को निकाली जाएगी बाइक तिरंगा रैली

बदायूं, अमृत विचार : स्वतंत्रता दिवस शुक्रवार को हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। इसके लिए व्यापक स्तर पर तैयारी चल रही है। गांव गांव तिरंगा यात्राएं निकाली जा रही है। इसी कड़ी में उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ बाइक तिरंगा रैली निकालेगा। तिरंगा रैली विकास भवन सभागार से आरंभ होगी। तिरंगा यात्रा को जिला अधिकारी हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे।

संयुक्त परिषद आज तिरंगा यात्रा निकालेगी

बदायूं, अमृत विचार : उत्तर प्रदेश राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के जिलाध्यक्ष इंजीनियर रवि कुमार ने बताया कि संगठन की ओर से गुरुवार को तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। तिरंगा यात्रा सुबह साढ़े 11 बजे डीएम चौराहे से शुरू होकर ओवरब्रिज, भामाशाह चौक होते हुए कलेक्ट्रेट पर जाकर संपन्न होगी। जिलाध्यक्ष ने कर्मचारियों से यात्रा में पहुंचने का आह्वान किया है।

जिले की 958 ग्राम पंचायतों में बनेंगे आंगनबाड़ी केंद्र

ग्राम समाज की जमीन पर केंद्र बनाने के लिए दिया प्रस्ताव

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : ग्रामीण क्षेत्र में बच्चों के पोषण और शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए सरकार प्रयासरत है। इसी प्रयास के तहत सभी ग्राम पंचायतों में आंगनबाड़ी केंद्र बनाए जाएंगे। बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग को 958 आंगनबाड़ी केंद्र बनाने का लक्ष्य मिला है। लक्ष्य मिलने पर विभाग ने पंचायती राज विभाग के माध्यम से भूमि उपलब्ध कराने के लिए प्रधानों को पत्र भेजा है। अब तक विभाग में करीब 22 ग्राम पंचायतों की ओर से आंगनबाड़ी केंद्र बनाने के लिए प्रधानों ने प्रस्ताव दिए हैं।

जिले में 2940 आंगनबाड़ी केंद्र संचालित हैं। अधिकांश आंगनबाड़ी केंद्र परिषदीय स्कूलों में चल रहे हैं। करीब 500 आंगनबाड़ी केंद्र निजी भवनों में संचालित हैं। करीब 500 से अधिक आंगनबाड़ी बिल्डिंग के अभाव में आंगनबाड़ी वर्कर्स के घरों में चल रहे हैं। स्वयं की बिल्डिंग में संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों की स्थिति बेहद खराब है। यह भवन जर्जर बिल्डिंग में चल रहे हैं। ऐसी स्थिति होने पर प्रदेश सरकार हर ग्राम पंचायत में आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन के लिए बिल्डिंग तैयार कराएगी। इससे बच्चों और महिलाओं को बेहतर पोषण, स्वास्थ्य सेवाएं और सुरक्षित वातावरण मिल सके। बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग को शासन की ओर से 958 ग्राम पंचायतों में आंगनबाड़ी केंद्र निर्माण के लिए शासन की ओर से लक्ष्य निर्धारित किया गया है। विभाग को यह आंगनबाड़ी केंद्रों का निर्माण तीन साल में करना है।

लक्ष्य मिलने के बाद विभागीय अधिकारी ने पंचायती राज विभाग के माध्यम से प्रधानों को पत्र जारी कर जमीन उपलब्ध कराने के लिए कहा है। विभाग द्वारा मिले पत्र के बाद ब्लॉक वजीरगंज की 22 ग्राम पंचायतों के प्रधानों ने केंद्र बनाने के लिए प्रस्ताव दिया है। प्रधानों द्वारा दी गई स्वीकृति के बाद विभाग की ओर से आंगनबाड़ी केंद्र निर्माण के लिए प्रस्ताव तैयार करने की कवायद शुरू कर दी गई है।

11.84 लाख में तैयार होगी बिल्डिंग

बच्चों को आंगनबाड़ी केंद्र पर न केवल पोषण को पूरा किया जाएगा बल्कि प्री प्राइमरी की शिक्षा दी जाएगी। प्रत्येक आंगनबाड़ी केंद्र के निर्माण कार्य पर 11.84 लाख रुपये खर्च किया जाएगा। बिल्डिंग का निर्माण मनरेगा, पंचायती राज विभाग और बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग के द्वारा संयुक्त रूप से किया जाएगा। वहीं ग्राम पंचायतों में बनने वाले आंगनबाड़ी केन्द्रों का आदर्श बनाया जाएगा। इनमें बच्चों के खेलने आदि की व्यवस्था भी की जाएगी। इसके साथ ही केंद्रों पर शौचालय, स्वच्छ पेयजल, और अन्य बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

- बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग ने ग्राम प्रधानों से मांगी जमीन

> 958 ग्राम पंचायतों में आंगनबाड़ी केंद्र बनाए जाने हैं। पंचायती राज विभाग के माध्यम से प्रधानों से जमीन उपलब्ध कराने के लिए पत्र लिखा गया है। 22 ग्राम पंचायतों से प्रस्ताव मिले हैं। इनमें जल्द ही केंद्र बनाने के लिए शासन को प्रस्ताव तैयार भेजा जाएगा।
> – पीके सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी

बच्ची के परिजनों को 20 हजार की आर्थिक मदद

बदायूं, अमृत विचार : बिल्सी क्षेत्र की एक बच्ची की सड़क दुर्घटनों में मौत हो जाने पर पूर्व एमएलसी जितेंद्र यादव बुधवार को मृतक के परिजनों से मिले और 20 हजार रुपये की आर्थिक मदद भी दी।

बिल्सी विधानसभा क्षेत्र के गांव जाहिद आलमपुर में पिछले दिनों जलपाल की पुत्री नित्या और खनक कछला से जल लेकर लौटते समय सड़क दुर्घटना में घायल हो गई थीं। नित्या की मौत हो गई जबकि खनक का उपचार चल रहा है। बुधवार को पूर्व एमएलसी जितेंद्र यादव मृतका के गांव पहुंचे। पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाया। उन्होंने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए गांव पहुंचकर 20 हजार की आर्थिक मदद दी। पीड़ित परिवार को भरोसा दिया कि उनकी और मदद की जाएगी। कहा वह पीड़ित परिवार के साथ हैं।

मृत बच्ची की मां को 20 हजार रुपये देते पूर्व एमएलसी जितेंद्र यादव।

दिक्कत: आंखों पर भारी पड़ रही उमस भरी गर्मी

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : बारिश के बाद तेज गर्मी और उमस से आंखों की शिकाये बढ़ती जा रही है। लोग आंख में जलन, सूजन व रोशनी कम होने की शिकायत लेकर जिला अस्पताल पहुंच रहे है। नेत्र चिकित्सक ने धूप से बच कर रहने, मोबाइल से दूरी बनाए रखने और ठंडे पानी से आंख को धोते रहने की सलाह दी है।

बारिश के बीच बीच में तेज धूप निकलने से आंखें लाल होने की शिकायत मिल रही है। बुधवार को नेत्र चिकित्सक पीयूष मोहन अग्रवाल ने बताया कि इस समय आंखों में उमस और गर्मी के चलते सूजन आ रही है। सूजन के बाद आंख के अंदर का पर्दा फटने के मामने सामने आए है। इससे आंख की रोशनी कम हो रही है। बुधवार को ही चार बच्चों और तीन महिलाओं में यह समस्या देखने को मिली है। यदि आंखों में जलन और इन्फेक्शन बढ़ता रहा तो स्थिति और नाजुक हो जाएगी। अब तक गर्मी से आई फ्लू होता था जो 10 से 15 दिन के अंदर ठीक हो जाता था, लेकिन अब छोटे बच्चों में पर्दा फटने की समस्या अधिक सामने आ रही है जो चिंताजनक है। आंख का पर्दा फट जाने से आंख की रोशनी धीरे धीरे कम होती चली जाती है। इसलिए बच्चों को मोबाइल से दूर रखें और तेज धूप में बाहर न निकलने दें। उन्होंने कहा कि बारिश के बाद होने वाली तेज धूप बेहद नुकसानदायक होती है। इससे कई तरह की बीमारियां पनपती हैं। इसलिए हर बार बारिश के बाद ही बीमारियां देखने को मिलती हैं।

आंख की जांच करते नेत्र चिकित्सक।

तेज गर्मी में नहीं हो रहे मोतियाबिंद के ऑपरेशन : तेज गर्मी के दिनों में मोतियाबिंद के ऑपरेशन नहीं होते हैं। मरीजों को गर्मी में परेशानी अधिक होने की बात कही जाती है इसलिए मरीज गर्मी में ऑपरेशन नहीं कराते हैं, जबकि डॉक्टरों का कहना है कि समय पर मोतियाबिंद का ऑपरेशन न कराने पर आंख में काला पानी बनता है। इसके बाद आंखों की रोशनी खत्म होने का खतरा बना रहता है। अप्रैल और सितम्बर के बीच आंख के ऑपरेशन बहुत कम होते हैं। काला पानी होने पर ही मरीज इस समय ऑपरेशन करते हैं।

बर्ड फ्लू की रोकथाम के लिए जारी की एडवाइजरी

बदायूं, अमृत विचार : रामपुर में कुक्कुट पक्षियों की एच-5-एन-1 एविन इंफ्यूजन वायरस से मौत होने को लेकर पशुपालन विभाग ने एडवाइजरी की है। समस्त रेपिड रेस्पॉन्स टीमों को एक्टिव करा दिया गया है। साथ ही विभाग में कंट्रोल रूम स्थापित करने के साथ ही कर्मचारियों की ड्यूटी लगा दी गई है।

मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ समदर्शी सरोज ने बताया कि जनपद रामपुर में कुक्कुट पक्षियों में एच-5 एन-1 एवियन इन्फ्लूएंजा वायरस के पॉजिटिव होने की पुष्टि हुई है। वायरस की रोकथाम को सभी रेपिड रेस्पॉन्स टीमों को एक्टिव करा दिया गया है। शहर में स्थिति पशु चिकित्सालय में कन्ट्रोल रूम बनाया गया है। जिसके प्रभारी डॉ. अनेक सिंह को बनाया गया है। पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. धर्मेन्द्र कुमार को जनपद का नोडल अधिकारी नामित किया गया है। बताया कि जनपद में अब तक 785 सैम्पल टेस्टिंग के लिए आईवीआरआई बरेली भेजे जा चुके हैं। हालांकि एक भी सैंपल पॉजिटिव नहीं आया है। फिर भी बर्ड फ्लू की रोकथाम के लिए जारी की एडवाइजरी

BAREILLY INTERNATIONAL UNIVERSITY

Accreditations, Affiliations & Approvals

ADMISSION OPEN FOR FOLLOWING COURSES SESSION 2025-26

CUET (UG)-2025 Registered/Score Accepted

ROHILKHAND MEDICAL COLLEGE & HOSPITAL

Course	Eligibility	Duration
M.Sc.Medical (Anatomy/ Biochemistry/Microbiology/ Pharmacology/Physiology)	MBBS/BDS/B.Sc Nursing/ /B.Sc (PCB)	3 Year
Diploma Medical Lab Technician (DMLT)	10+2 (PCB/PCM)	2 Year
Diploma X-Ray Technician	10+2 (PCB/PCM)	2 Year
Diploma Radiotherapy Technology	10+2 (PCB/PCM)	2 Year

INSTITUTE OF DENTAL SCIENCES

Course	Eligibility	Duration
Dental Hygienist (DH)	10+2 (PCB with English)	2 Year
Dental Mechanics (DM)	10+2 (PCB with English)	2 Year

BIU COLLEGE OF PHARMACY/ROHILKHAND COLLEGE OF PHARMACY/ KESHLATA COLLEGE OF PHARMACY

Course	Eligibility	Duration
Bachelor of Pharmacy (B.Pharm)	10+2 (PCB/PCM)	4 Year
Master of Pharmacy (Pharmaceutics/Pharmacology/ Pharmaceutical Chemistry/Pharmacognosy)	B.Pharm	2 Year
Diploma in Pharmacy	10+2 (PCB/PCM)	2 Year

FACULTY OF PARAMEDICAL SCIENCES

Course	Eligibility	Duration
Bachelor of Physiotherapy (BPT)	10+2 (PCB)	4.5 Year
B.Sc. Medical Laboratory Technician (BMLT)	10+2 (PCB)	3.5 Year
B.Sc. Optometry	10+2 (PCB)	4 Year
B.Sc. in Radiological imaging Techniques (BRIT)	10+2 (PCB)	3.5 Year
Bachelor in Operation Theatre Technician	10+2 (PCB)	3.5 Year
Diploma in Dialysis Technician	10+2 (PCB/PCM)	2 Year
Diploma in MRI Technician	10+2 (PCB/PCM)	2 Year
Diploma in Sanitation	10+2 (PCB/PCM)	1 Year
Diploma in Emergency & Trauma Care	10+2 (PCB/PCM)	2 Year
M.Sc. Clinical Embryology	B.Sc. (PCB)	2 Year
Master Physiotherapy	BPT	2 Year
Master in Medical Laboratory Sciences (MMLS)	BMLS	2 Year

ROHILKHAND COLLEGE OF NURSING

Course	Eligibility	Duration
M.Sc. Nursing in Child Health Nursing/Mental Health Nursing/Community Health Nursing/Surgical Nursing/ Obstetric & Gynaecological Nursing	B.Sc. (Nursing)	2 Year
B.Sc. Nursing	10+2 (PCB)	4 Year
GNM	10+2 Any Stream	3 Year
ANM	10+2 Any Stream	2 Year
Post Basic B.Sc. Nursing	GNM	2 Year
Nurse Practitioner in Critical Care (NPCC)	B.Sc. Nursing	2 Year

BIU COLLEGE OF HUMANITIES & JOURNALISM

Course	Eligibility	Duration
BA (Hons.) in Journalism/ Mass Communication	10+2 in Any Stream	4 Years
BA (Hons.) in Eng./ Pol. Sc./ Socio./Eco. / Psychology	10+2 in Any Stream	4 Years
B.Lib.(Hons.)	10+2 in Any Stream	4 Years
MA (Journalism/ Mass Comm./ Public Rel./Electronic Media/ Adv.)	UG in Any Stream	2 Years
MA (English/ Pol. Science/ Sociology/ Economics/ Hindi)	UG in Respective Stream	2 Years
MA (Translation Studies)	UG in Respective Stream	2 Years
MA (Applied & Clinical Psychology)	UG in Respective Stream	2 Years
M.Lib.	UG in Respective Stream	2 Years

BIU COLLEGE OF MANAGEMENT

Course	Eligibility	Duration
BBA (Hons.) in Finance & Taxation	10+2 in Any Stream	4 Years
BCA (Hons.) in IT & Multimedia/ AI & Machine Learning	10+2 in Any Stream	4 Years
B.Com (Hons.)	10+2 in Any Stream	4 Years
MBA (Finance & Taxation / Healthcare Management / Sales & Marketing / HR / IT / Business Analytics)	UG in Any Stream	2 Years
M.Com	UG in Respective Stream	2 Years
MCA	UG in Respective Stream	2 Years
MHA	UG in Any Stream	2 Years
MPH	UG in Any Stream	2 Years

FACULTY OF FORENSIC SCIENCES

Course	Eligibility	Duration
B.Sc. Forensic Sciences	10+2 (PCB/PCM)	3 Year
M.Sc. Forensic Sciences	Graduation in Science (ZBC)	2 Year

For More Information : 9105500202, 9105500404, Ph.: 0581-2526153, 051, 053

Admission Cell, Administrative Block, Bareilly International University, Rohilkhand Medical College Campus, Bareilly PIN Code : 243006 (U.P.)

Website : www.biu.edu.in, E-mail : admission@biu.edu.in

धनौली में बिजली नहीं आने पर प्रदर्शन

संवाददाता, बिल्सी

अमृत विचार : तहसील क्षेत्र के गांव धनौली में कुछ हिस्से में पिछले 15 दिन से बिजली सप्लाई न आने का आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने एसडीओ कार्यालय पर प्रदर्शन किया। साथ ही शीघ्र आपूर्ति दिलाए जाने की मांग की।

गांव निवासी रूमसिंह शाक्य ने बताया कि धनौली गांव की मौर्य बस्ती में पिछले 15 दिन से बिजली सप्लाई नहीं आ रही है। इस कारण यहां के ग्रामीणों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। कृष्ण पाल शाक्य ने बताया बिजली न आने की समस्या को लेकर कई बार अधिकारियों से शिकायत की गई, परंतु किसी ने इस ओर ध्यान नहीं दिया। रंजीत यादव ने बताया 15 दिन से बिजली सप्लाई न आने के कारण ग्रामीण अपना मोबाइल फोन चार्ज तक नहीं कर पा रहे हैं, उन्हें दूसरी जगह जाकर मोबाइल चार्ज करना पड़ रहा है। बुधवार की दोपहर आक्रोशित ग्रामीणों ने कार्यालय पर प्रदर्शन किया और मामले की शिकायत उपखंड अधिकारी से की है। जिस पर एसडीओ जेपी राजपूत ने संबंधित जेई को शीघ्र समस्या का निस्तारण करने के निर्देश दिए हैं। इस मौके पर रंजीत यादव, जितेंद्र यादव, देवदास ठाकुर, महेंद्र पाल शाक्य, गोविंद शाक्य, तेजपाल शाक्य, अजय शाक्य, गुड्डू शाक्य, हृदय शाक्य, तुलसी शाक्य समेत कई मौजूद रहे।

एसडीओ कार्यालय पर प्रदर्शन करते ग्रामीण। ● अमृत विचार

मौसम साफ होने के बाद बढ़ी उमस, लोग पसीना-पसीना

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- अधिकतम तापमान 34, न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस

अमृत विचार : पिछले दो दिन से मौसम साफ है। दिन में धूप खिल रही है। इससे उमस बढ़ गई। तापमान में लगातार उतार-चढ़ाव जारी है। अब भी बादल छाए हुए हैं। कृषि विभाग द्वारा लगातार बारिश होने की संभावना को व्यक्त किया जा रहा है। बुधवार को अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

पिछले कई दिनों से जिले में रुक-रुक बारिश हो रही थी। बीते सोमवार की दोपहर तेज बारिश हुई। मंगलवार को दिन भर आसमान में बादल छाए रहे। लग रहा था अब बारिश हो जाएगी, लेकिन मंद गति से चल रहीं हवाएं बादलों को अपने साथ बहा ले गईं। बुधवार को सुबह से ही धूप निकली। इसकी वजह से उमस बढ़ गई। पूरे दिन धूप-छांव का खेल जारी रहा। अधिकतम तापमान 34 और न्यूनतम 27 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। आर्द्रता 86 फीसदी और हवा की गति आठ किलोमीटर प्रति घंटे के बीच रही, जबकि बीते मंगलवार को अधिकतम तापमान 33 और न्यूनतम 24 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।

राशन लेने गए कार्ड धारक को बंधक बनाने का आरोप

संवाददाता, विजय नगला

- पीड़ित ने तहरीर देकर की तीन लोगों पर की कार्रवाई की मांग

अमृत विचार : थाना हजरतपुर गांव निवासी धनुष पाल पुत्र राजेंद्र ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उनके गांव की सरकारी राशन की दुकान है। वह एक सप्ताह पहले राशन लने के लिए कोटेदार की दुकान पर गए थे। यहां कोटेदार ने उनसे अंगूठा लगवा लिया और कह दिया कि आज भीड़ है, अगले दिन आकर राशन ले जाना। इसके बाद धनुष पाल अगले दिन राशन लेने पहुंचे। आरोप है कि कोटेदार के पति ने राशन लेने से मना कर दिया। धनुष पाल ने राशन देने से इंकार करने के बारे में पूछा। इसी बात को लेकर कोटेदार का पति गुस्सा गया। उसने धनुष पाल को कमरे में बंधक बना लिया। धनुष की सूचना पर पहुंची डायल 112 ने उन्हें बचाया था। पीड़ित ने तीन लोगों के खिलाफ तहरीर दी है।

आउट ऑफ स्कूल बच्चे तलाशेंगे शिक्षक और प्रशिक्षु

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- विद्यालयों में नामांकन कराने के साथ भरा जाएगा प्रपत्र
- सर्वे में मिले बच्चों का शारदा पोर्टल पर अपलोड होगा डाटा

अमृत विचार : जिले में स्कूल छोड़ चुके बच्चों की तलाश की जाएगी। इसके लिए हाउस होल्ड सर्वे शुरू किया जाएगा। बच्चों की तलाश परिषदीय स्कूलों के साथ डायट के प्रशिक्षुओं द्वारा किया जाएगा। हाउस होल्ड सर्वे में आउट ऑफ स्कूल बच्चों को तलाश कर स्कूलों में नामांकन कराने के साथ ही प्रपत्र भी भरा जाएगा। स्कूल के प्रधानाध्यापक बच्चों का डाटा शारदा पोर्टल पर डाटा अपलोड करेंगे। इसके निर्देश बीएसए ने जारी कर दिए हैं।

बीएसए ने बताया कि अगस्त के अंत में हाउस होल्ड सर्वे होगा। इस कार्य को परिषदीय स्कूलों में कार्यरत शिक्षामित्रों, अनुदेशकों और अध्यापकों के साथ डायट के प्रशिक्षुओं द्वारा किया जाना है। ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षामित्रों, अनुदेशकों और अध्यापक इस कार्य को करेंगे। शहरी क्षेत्र में डायट के प्रशिक्षुओं से सर्वे कराया जाएगा। सर्वेक्षण के बाद बच्चे मिलने पर स्कूल में उनका नामांकन कराते हुए प्रपत्र पर डाटा भरा जाएगा। बीएसए ने बताया कि प्रधानाध्यापक का दायित्व है कि विद्यालय में कार्यरत स्टाफ से गांव, मोहल्ला, वार्ड, बस्ती में प्रत्येक घर का सर्वेक्षण कराएं। प्रधानाध्यापक व नोडल अध्यापक की देखरेख में स्कूल के सेवित क्षेत्र में आउट ऑफ स्कूल बच्चों के चिन्हित करते हुए नामांकन का कार्य किया जाएगा। बताया कि बीईओ को कम से कम 30 गांवों का भ्रमण कर सर्वेक्षण की क्रॉस चेकिंग करनी होगी। सर्वेक्षण के लिए उपयोगी प्रपत्र के लिए प्रति विद्यालय 324 रुपये की धनराशि की लिमिट जारी की गई है।

> अगस्त माह के अंत में हाउस होल्ड सर्वे किया जाएगा। इसमें आउट ऑफ स्कूल वाले बच्चे तलाश किए जाएंगे। इसके निर्देश स्कूलों के प्रधानाध्यापकों और खंड शिक्षा अधिकारियों को दे दिए गए हैं।
> – वीरेंद्र कुमार सिंह, बीएसए

बदायूं डायरी

हर भारतीय के गौरव का प्रतीक है तिरंगा यात्रा : चेयरमैन

बदायूं, अमृत विचार : हर घर तिरंगा अभियान के तहत नगर पंचायत रुदायन में तिरंगा यात्रा निकाली गई। देशभक्ति नारों से हर मन में भक्ति भाव भर गया। तिरंगा यात्रा नगर पंचायत कार्यालय से शुरू हुई। पंचायत कार्यालय पर समाप्त हुई। वरिष्ठ भाजपा नेता व नगर पंचायत चेयरमैन मुरली मनोहर गुप्ता ने कहा की तिरंगा यात्रा हर भारतीय के गौरव का प्रतीक है। अधिशासी अधिकारी वेद प्रकाश यादव, जिला कार्य समिति सदस्य संजीव पहलवान, मंडल अध्यक्ष राजीव शर्मा, अनूप सिंह, मदन लाल गुप्ता, अशोक यादव फौजी, नन्हे शर्मा, भगवान स्वरूप शर्मा, पूर्ण प्रकाश शर्मा आदि उपस्थित रहे।

तिरंगा यात्रा निकाल छोटे सरकार पर लोगों को किया जागरूक

बदायूं, अमृत विचार : दरगाह हजरत शाह विलायत छोटे सरकार पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष व तिरंगा यात्रा के जिला संयोजक अधिवक्ता मोहम्मद शीराज अल्वी के नेतृत्व में तिरंगा यात्रा निकाली गई। लोगों को तिरंगा लगाने को प्रेरित किया। इस दौरान मुस्लिम युवकों ने हाथों में तिरंगा लेकर हिन्दुस्तान जिन्दाबाद के नारे लगाए। जिला संयोजक ने कहा कि तिरंगा देश की आन, बान व शान है। सह संयोजक अजमत पीरजी, मुशाहिद पीरजी, अन्नू पीरजी, नईम पीरजी, शाहरुख अल्वी, शमीम, शरीफ, फिरोज आदि उपस्थित रहे।

बिल्सी के अधिशासी अधिकारी को रुदायन का अतिरिक्त चार्ज मिला

बदायूं, अमृत विचार : नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी वेद प्रकाश यादव को नगर पंचायत रुदायन का अतिरिक्त चार्ज दिया गया है। उन्होंने बुधवार को पदभार ग्रहण कर लिया। तत्कालीन अधिशासी अधिकारी के सेवानिवृत्त होने पर शासन से उनकी तैनाती रुदायन में की गई है। उन्होंने कर्मचारियों को निर्देशित किया कि काम को समय से पूरी ईमानदारी से करें। शासन की मंशा के अनुरूप काम करना उनकी प्राथमिकता रहेगी। इस दौरान वरिष्ठ भाजपा नेता मुरली मनोहर गुप्ता, ठाकुर अनूप सिंह, बिसौली के ईओ रवि यादव, बाबू जितेंद्र, निशांत गुप्ता, अभिमन्यु, राजकुमार सक्सेना आदि मौजूद रहे।

बच्चों ने मनाया स्वतंत्रता दिवस

बिल्सी, अमृत विचार : नगर बिल्सी के बाबा इंटरनेशनल स्कूल में पीजी से केजी कक्षा के विद्यार्थियों ने स्वतंत्रता दिवस मनाया। स्कूल प्रांगण में पूरा समय देशभक्ति का माहौल रहा। सैनिक की वेशभूषा में आए बच्चों ने तिरंगा लहराया। विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीत, कविताएं, नृत्य और भाषण प्रस्तुत कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। स्कूल डायरेक्टर अनुज वार्ष्णेय ने कहा कि देश को आजाद कराने के लिए वीर योद्धाओं ने लंबी लड़ाई लड़ी। जिसकी वजह से आजादी मिली। अपनी स्वतंत्रता की रक्षा के लिए सदैव कटिबद्ध रहना चाहिए। प्रधानाचार्य रूपा माहेश्वरी ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों में देशभक्ति की भावना जागृत करते हैं। स्कूल प्रशासक अमित माहेश्वरी मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

बदायूं क्लब में मनाया जाएगा विभीषिका दिवस

बदायूं, अमृत विचार : भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव कुमार गुप्ता ने बताया कि 14 अगस्त को भारत विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाया जाएगा। इस मौके पर प्रदर्शनी, जिला संगोष्ठी, विभाजन से प्रभावित नागरिकों का सम्मान, मौन जुलूस निकाला जाएगा। दोपहर 4 बजे बदायूं क्लब में प्रदर्शनी लगेगी। 15 मिनट के बाद जिला संगोष्ठ एवं विभाजन से प्रभावित नागरिकों का सम्मान होगा फिर शाम 5 बजे बदायूं क्लब से परशुराम चौक तक मौन जुलूस निकलेगा।

कोर्ट से स्टे के बावजूद तोड़े दुकान के ताले

रामपुर, अमृत विचार : सिविल लाइन थाना क्षेत्र के सेंट्रल कालोनी निवासी अनवार अली ने एसपी को दिए शिकायती पत्र में बताया कि उनकी किराये की दुकान शौकत अली रोड स्थित सुपर मार्केट में है। जिसका मुकदमा सिविल न्यायालय में विचाराधीन है। जिसमें उच्च न्यायालय इलाहाबाद द्वारा एससीसी रिवीजन में एक अगस्त 2022 से मुकदमे में स्टे आदेश पारित है। बुधवार को करीब 10 बजे दुकान के मालिक दुकान के ताले तोड़ रहे थे। विरोध करने पर लड़ने को आमादा हो गए। पीड़ित ने–112 नंबर डायल कर पुलिस को बुलाया।

भाकियू टिकैत ने निकाला ट्रैक्टर तिरंगा मार्च

जिले भर के पदाधिकारियों ने लिया हिस्सा, एआरटीओ कार्यालय से इस्लामिया कॉलेज तक बना छावनी

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : भारतीय किसान यूनियन टिकैत ने संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर ट्रैक्टर तिरंगा मार्च एआरटीओ चौराहे से इस्लामिया इंटर कॉलेज तक सैकड़ों ट्रैक्टरों के साथ निकाला। किसानों के ट्रैक्टर मार्च को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने सुबह से ही पूरा इलाका छावनी में तब्दील कर दिया। किसानों ने राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा।

भाकियू टिकैत ने बुधवार को की ट्रैक्टर तिरंगा मार्च के लिए 10 दिन पहले से तैयारी कर दी थी। गांव-गांव भ्रमण कर किसानों को ट्रैक्टर तिरंगा मार्च के बारे में जानकारी दी थी। तय समय पर बुधवार को किसानों का ट्रैक्टर मार्च एआरटीओ कार्यालय से शुरू हुई, जो इस्लामिया इंटर कॉलेज में पहुंच कर एक सभा में परिवर्तित हो गया। मंडल प्रवक्ता राजेश कुमार सक्सेना ने कहा कि सरकार किसान विरोधी है। विश्व व्यापार संगठन से भारत को बाहर किया जाए। स्वामीनाथन रिपोर्ट लागू की जाए। प्राइमरी स्कूलों की मर्ज व्यवस्था खत्म की जाए। सभी स्कूलों को पुराने तरीके से चलाया जाए। कहा कि किसानों की तरक्की का रास्ता सिर्फ आंदोलन से ही निकलेगा आंदोलन के लिए किसान तैयार रहें। वरिष्ठ मंडल उपाध्यक्ष चौधरी सौदान सिंह ने कहा कि जिले में भारतीय किसान यूनियन मजबूत है। आज पांचों तहसीलों पर ज्ञापन दिए गए हैं। सदर तहसील में किसानों ने सबसे बड़ा प्रदर्शन कर अपनी शक्ति का प्रदर्शन किया है। इस तरह जिला प्रशासन यूरिया खाद पर लगेज लगाकर किसानों को लूट कर रहा है, यह लूट बंद होनी चाहिए। सदर तहसील अध्यक्ष ने कहा किसानों का संगठन मजबूत करने को गांव-गांव घूम-घूम कर किसानों को जागरूक किया जाएगा। सदर तहसील से अगली बार 200 ट्रैक्टरों का लक्ष्य पूरा किया जाएगा। किसान तिरंगा ट्रैक्टर यात्रा को संयुक्त मोर्चा के डॉक्टर सतीश सिंह ने भी संबोधित किया। बृजभान पटेल मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के जिला सचिव कामरेड प्रेमपाल सिंह कामरेड ने भी किसानों की समस्याओं को सरकार के समक्ष रखा। ट्रैक्टर तिरंगा यात्रा में वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष ठाकुर अजय पाल सिंह, पंडित रामकुमार शर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष सलारपुर पप्पू सैफी, सदर तहसील के वरिष्ठ उपाध्यक्ष केसर अली, साबिर हुसैन, सुरेश दीवान, बृजपाल प्रजापति, ठाकुर भंवर पाल सिंह, तेजपाल सिंह, कुशवाह सहित सैकड़ों किसान नेताओं ने ट्रैक्टर परेड यात्रा में हिस्सा लिया।

सभा को संबोधित करते किसान नेता राजेश कुमार सक्सेना। ● अमृत विचार

किसानों की ट्रैक्टर परेड यात्रा से लगा जाम

किसानों द्वारा निकाली गई ट्रैक्टर परेड तिरंगा यात्रा के चलते बुधवार दोपहर को एआरटीओ कार्यालय से इस्लामिया इंटर कॉलेज में जाम लगा रहा। दिल्ली और कासगंज आगरा से आने वाली बसें जाम में फंसी रहीं। पुलिस ने जाम को किसी तरह खत्म कराया जिसके बाद वाहन निकल सके। पुलिस ने इस्लामिया इंटर कॉलेज को सुबह से ही घेर लिया था। जिससे लालपुल से कचहरी आने जाने वाले वाहनों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

- किसान नेताओं ने राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा

ट्रैक्टर परेड के आगे चलते किसान नेता चौ. सौदान सिंह व अन्य। ● अमृत विचार

स्काउट संस्था ने बांटा दैनिक उपयोग का सामान

कुष्ठाश्रम में रोगियों को भोजन बांटते स्काउट संस्था के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- कुष्ठाश्रमों में कुष्ठ रोगियों को पौष्टिक भोजन भी वितरित किया

अमृत विचार : भारत स्काउट और गाइड संस्था के तत्त्वावधान में बुधवार को कछला स्थित मां भागीरथी गंगा तट स्थित दोनों ओर के कुष्ठाश्रमों में कुष्ठ रोगियों को दैनिक उपयोग का सामान और पौष्टिक भोजन वितरित किया गया। इस दौरान कुष्ठ आश्रम के लोगों में खुशी देखने को मिली।

स्काउट संस्था के प्रादेशिक वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं जिला मुख्यायुक्त महेश चंद्र सक्सेना ने हरी झंडी दिखाकर स्काउट टीम को रवाना किया। जिला संगठन कमिश्नर (गाइड) सीमा यादव, प्रेमपाल सिंह ने कुष्ठाश्रम में कुष्ठ रोगियों को नहाने व कपड़े धोने का साबुन, चाय की पत्ती, पट्टियां आदि वस्तुएं प्रदान कीं। गरमा गरम भोजन कराया। जिला संगठन कमिश्नर (स्काउट) मोहम्मद असरार, पूर्व जिला ट्रेनिंग कमिश्नर संजीव कुमार शर्मा, कार्यालय अधीक्षक पूर्वी सक्सेना का विशेष सहयोग रहा। इस मौके पर दामिनी यादव, मंजू यादव, आयुष, पीयूष, मधुलता सक्सेना, पूर्वी सक्सेना, नेत्रपाल आदि मौजूद रहे।

दुष्कर्म करने के दोषी को 20 साल की कैद

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- किशोरी को गाड़ी में डालकर दिल्ली ले जाकर की थी मारपीट और दुष्कर्म
- दोषी पर 35 हजार रुपये लगाया जुर्माना, पीड़िता को क्षतिपूर्ति के लिए दी जाएगी धनराशि

अमृत विचार : नाबालिग लड़की को धोखे से बुलाकर जबरिया गाड़ी में डालने और दिल्ली के एक कमरे पर ले जाकर दुष्कर्म करने के आरोपी को विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट दिनेश तिवारी ने दोषी पाते हुए 20 साल की कैद और 35 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। जुर्माना की पूरी धनराशि पीड़िता को क्षतिपूर्ति के रूप में देने का आदेश दिया है।

अभियोजन पक्ष के अनुसार वादी मुकदमा में थाना बिनावर पर तहरीर देकर बताया कि उसकी 14 साल की बेटी 20 नवंबर 2022 की दोपहर 4 बजे गांव के धर्म सिंह के घर गई थी। वह देर शाम तक वापस घर नहीं लौटी। वह बेटी को देखने के लिए गए। यहां धर्म सिंह, राजेश, अमरकांत और संजू ने संतोषजनक उत्तर नहीं दिया। बहकी बातें करनी शुरू कर दी। बाद में कहा कि उनके लड़की को तलाश करा देंगे। वह लड़की खोजने के बहाना बनाकर कहीं चले गए। बाद में किशोरी को बरामद कर लिया गया। उसने बताया था कि अमरकांत की बहन के कहने पर वह उसके घर पर गई थी। यहां अमरकांत अन्य लोगों के साथ उसके जबरन गाड़ी में बैठाकर कहीं ले गए। वह लोग उसे एक कमरे में बंद करके चले गए। अमरकांत किशोरी के साथ मारपीट करता था। उन्होंने किशोरी को दिल्ली में 20-22 दिन रखा। अमरकांत उसके साथ दुष्कर्म करता रहा। बाद में अमरकांत ने उसे धमकी देकर बदायूं की बस में बैठा दिया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की थी। न्यायालय में अमरकांत पर नाबालिग लड़की को बहलाकर गाड़ी में डालकर दिल्ली ले जाने और उसके साथ दुष्कर्म करने के आरोप का मुकदमा चलाया गया। न्यायाधीश ने पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्य का अवलोकन किया। विशेष लोक अभियोजक अमोल जौहरी और बचाव पक्ष के अधिवक्ता की दलीलों को सुनने के बाद अमरकांत को दोषी पाते हुए सजा सुनाई है।

खेत में किशोरी से दुष्कर्म, 20 साल की कैद

बदायूं, अमृत विचार : शौच के लिए गई किशोरी को जबरन उठाकर मक्का के खेत में ले जाकर दुष्कर्म करने के आरोपी को विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट दिनेश तिवारी ने दोषी पाते हुए 20 साल की कैद और 50 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। जुर्माना की धनराशि पीड़िता को क्षतिपूर्ति के रूप में देने का आदेश दिया है। अभियोजन पक्ष के अनुसार वादी मुकदमा ने थाना आलापुर में 24 मई 2020 को तहरीर दी थी। इसमें बताया कि 21 मई को देर शाम लगभग 7 बजकर 40 मिनट पर उसकी 15 साल की लड़की शौच के लिए खेत पर गई थी। खेत पर पहले से मौजूद नीरज और एक नाबालिग लड़के ने उसे किशोरी को जबरन बदनीयत से पकड़ लिया और अश्लील हरकतें करने लगे। वह दोनों किशोरी को उठाकर पास के मक्का के खेत में ले गए। यहां नीरज ने किशोरी के साथ दुष्कर्म किया। न्यायालय में अलापुर थाना क्षेत्र के गांव कुंदन नगला निवासी नीरज के खिलाफ नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म करने के आरोप का मुकदमा चलाया गया। न्यायाधीश ने पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्य का अवलोकन किया। विशेष लोक अभियोजक अमोल जौहरी व बचाव पक्ष के अधिवक्ता की दलीलों को सुनने के बाद आरोपी नीरज को दोषी पाते हुए सजा सुनाई है। आरोपी किशोर के खिलाफ मुकदमा अलग से चल रहा है।

दिल्ली से लौटे युवक का फंदे पर मिला शव

बदायूं, अमृत विचार : दिल्ली से लौटे युवक का शव फंदे से लटका मिला। जानकारी होने पर परिजनों चीख पुकार मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्राथमिक जांच में सुसाइड की बात सामने आई है।

सिविल लाइन कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला मीरा सराय निवासी हीरालाल (28) अपनी पत्नी दामिनी और दो छोटी बेटियों के साथ दिल्ली में रहते थे। 10 अगस्त को वह किसी काम से दिल्ली से बदायूं आए थे। मंगलवार रात हीरालाल का शव उनके घर में गमछे से कुंडे पर लटका मिला। पड़ोसियों की सूचना पर पुलिस पहुंची। शव को फंदे से उतारा। प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार ने शव पोस्टमार्टम को भिजवाया। पुलिस को प्रथम दृष्टया आत्महत्या का मामला लग रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

राशन की दुकान के आवंटन में गोपनीयता का आरोप

संवाददाता, विजय नगला

अमृत विचार : राशन की दुकान के आवंटन में गोपनीयता बरतने का आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने हंगामा किया। डीएम से दुकान का खुला प्रस्ताव कराने की मांग की है।

विकास क्षेत्र सालारपुर के गांव रसूलपुर की राशन की दुकान काफी दिनों से रिक्त चल रही है। डीएम ने दुकान के आवंटन का निर्देश दिया था। इसके अंतर्गत बुधवार को ब्लॉक मुख्यालय से टीम ने गांव के पंचायत घर पहुंची और आवंटन की प्रक्रिया की। खुशीराम, रामनिवास, अजय पाल, सूबेदार, हरीश पाल, धीरेंद्र, सुरेंद्र सिंह, अरविंद, ओमप्रकाश, नन्हें लाल, यशपाल, कल्याण सिंह आदि ग्रामीणों ने बताया कि दो स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने भी दुकान के लिए आवेदन किया था। साई राम स्वयं सहायता समूह की सदस्य नीलम यादव और दूसरे स्वयं सहायता समूह की रिचा अपने आवेदन लेकर पंचायत घर पर पहुंचीं। ग्रामीणों का आरोप है कि मुख्यालय से आई टीम ने दोनों पक्ष के वोट की गिनती नहीं की। ग्रामीणों ने कहा कि ऐसे कैसे पता चलेगा कि कौन कोटेदार चुना गया है। टीम बिना जवाब दिए बैठक समाप्त करके चली गई। ग्रामीणों का आरोप है कि सत्ता पक्ष के एक नेता के कहने पर कोटे का प्रस्ताव सही से नहीं किया गया। वह अपने चहेते को प्रस्ताव करना चाहते हैं। वहीं प्रक्रिया के दौरान नोडल अधिकारी उपस्थित नहीं थे। ग्रामीणों ने डीएम से मांग की है कि उच्चाधिकारियों के सामने कोटे का प्रस्ताव किया जाए। सहायक खंड विकास अधिकारी शिव कुमार ने बताया कि मुख्यालय पर बैठक थी। कोटे के बारे में जानकारी नहीं है।

विकास कार्य अनुश्रवण समिति के अध्यक्ष बने सदर विधायक

बदायूं, अमृत विचार : ग्राम्य विकास आयुक्त के आदेश पर डीएम अवनीश कुमार राय ने जिला स्तरीय विकास कार्य अनुश्रवण समिति का गठन किया है। समिति का अध्यक्ष सदर विधायक महेश चंद्र गुप्ता को बनाया है। सीडीओ को समिति का सचिव नामित किया है।

विधायक महेश चंद्र गुप्ता

मुख्य विकास अधिकारी केशव कुमार ने बताया कि इनके अलावा संयुक्त विकास आयुक्त बरेली, एडीएम प्रशासन सभी प्रमुख क्षेत्र पंचायत, बीडीओ विधानमंडल क्षेत्र विकास निधि में कार्य करने वाली कार्यदायी संस्थाओं के अलावा प्रधानों को शामिल किया गया है।

सहोरा गांव में हुआ पथराव महिला समेत तीन घायल

संवाददाता, विजय नगला

- घर में छुट्टा पशु घुसाने के विरोध में हुआ विवाद, मारपीट
- पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ दर्ज की एफआईआर

अमृत विचार : छुट्टा पशुओं को घर में घुसाने पर महिला ने विरोध किया। गुस्साए आरोपियों ने महिला की पुत्रवधु और अन्य परिजनों पर पथराव किया। इसमें एक महिला समेत तीन लोग घायल हो गए। तहरीर के आधार पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

मूसाझाग थाना क्षेत्र के गांव सहोरा निवासी सीमा पत्नी नन्हें ने तहरीर देकर बताया कि मंगलवार रात लगभग साढ़े 11 बजे पड़ोस में रहने वाले नेम सिंह ने छुट्टा पशुओं को घेरकर उनके घर में कर दिए थे। महिला की पुत्रवधु रेशमा ने इसका विरोध किया था। आरोप है कि गांव निवासी प्रवेंद्र, मुकेश और विपिन ने ईंट-पत्थर फेंकने लगे। इससे रेशमा गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे बचाने आए लल्ला बाबू, राजेश भी घायल हो गए। चीख सुनकर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। पीडित की सूचना पर पुलिस पहुंची। घायलों को एम्बुलेंस से घटपुरी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा। हालत गंभीर होने पर चिकित्सक ने रेफर कर दिया। घायल रेशमा को राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करके जांच शुरू की है। थाना प्रभारी मान बहादुर सिंह ने बताया कि पशुओं को लेकर विवाद हुआ था। तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। आगे की जांच की जा रही है।

महिला का अपहरण करने की सूचना पर दौड़ी पुलिस

कुंवरगांव, अमृत विचार : कुंवरगांव पुलिस को मंगलवार देर रात सूचना मिली कि क्षेत्र के गांव चकोलर और गरुइया के बीच अपहरणकर्ता एक महिला का अपहरण कर खेतों की तरफ ले जा रहे हैं। कालर ने डायल 112 पर फोन कर खुद को गरुइया निवासी बताया।

पुलिस मौके पर पहुंची तो फोन करने वाले युवक का मोबाइल फोन बंद मिला। वहीं ग्रामीण ने गन्ने के खेत में बदमाश होने को शोर मचाया। पुलिसकर्मियों के साथ इंस्पेक्टर पिस्टल और टार्च लेकर कांबिंग करते रहे लेकिन कोई बदमाश नहीं मिला। अपहरण की झूठी सूचना पर पुलिस परेशान रही। पुलिस झूठी सूचना देने वाले की तलाश कर रही है। उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

भागवत कथा से पहले निकाली कलश यात्रा

कलश यात्रा में शामिल महिलाएं। ● अमृत विचार

ककराला, अमृत विचार : नगर में श्री कृष्ण जन्मोत्सव के अवसर पर शिव भोले धाम मंदिर पर सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया गया। बुधवार को कस्बे में भागवत कथा से पहले साथ कलश यात्रा निकाली। इसमें महिलाओं ने भाग लिया।

कलश यात्रा श्री शिव भोले धाम मंदिर से प्रारंभ होकर साहूकारा मोहल्ला घास बाजार पुरानी पुलिस चौकी मंदिर, पंडित चुन्नी लाल मंदिर होली चौक, शिव कुटी मंदिर, बाल्मीकि मंदिर सतबाल चौक गढ़ी पश्चिम बाल्मीकि बस्ती मंदिर राठौर बस्ती होती हुई श्री शिव भोले धाम मंदिर पहुंचकर कलश स्थापना के साथ समाप्त हुई। कलश यात्रा मे सुमित अग्रवाल, चंद्रपाल गोस्वामी, होरी लाल कश्यप, आकाश मिश्रा आदि शामिल रहे।

मार्कशीट प्रकरण में प्रधानाचार्य को किया गिरफ्तार

टांडा, अमृत विचार: हाईस्कूल की मार्कशीट फर्जी बनवाने के मामले में पुलिस ने स्कूल के प्रधानाचार्य को गिरफ्तार करने के बाद कोर्ट में पेश किया। वहां से उसको जेल भेज दिया।

टांडा निवासी सरजीत सिंह की पुत्री कामिनी ने राजकीय इंटर कॉलेज मानकपुर बंजरिया में कक्षा 9 में प्रवेश लिया था। 2022 में यूपी बोर्ड की हाईस्कूल परीक्षा का परिणाम आने पर अनुक्रमांक-1220679757 में कामिनी के स्थान पर राजवती पुत्री ओमप्रकाश सिंह का नाम दर्ज मिला। टांडा पुलिस ने जमुना देवी इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य हरकेश सिंह को उनके घर से गिरफ्तार कर लिया है।

दो पक्षों में चले लाठी डंडे

सैफनी, अमृत विचार : बुधवार सुबह थाना क्षेत्र के किशनपुर गांव में कूड़ा डालने को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर लाठी डंडे चले और पथराव हुआ। मारपीट के दौरान एक पक्ष के तरफ से फैजान, इमरान, फरीन, रिहान घायल हो गए।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
7906732664, 8445507002

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र ओमकार व उसकी पत्नी चन्द्रवती को गलत चाल- चलन एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल–अचल सम्पत्ति से बेदेखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगे। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। **नेमचन्द्र पुत्र छेदालाल निवासी ग्राम जालिम नगला थाना भोजीपुरा तहसील मीरगंज जिला बरेली।**

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र रेहान खां को गलत चाल–चलन एवं दुर्व्यवहार एवं दूसरी शादी करने की जिद के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल–अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। **नथिया पत्नी स्व. मुन्ने निवासी उरला जागीर थाना बिथरी चैनपुर जिला बरेली**

अनुभवी कंपाउंडर, आयुष्मान/TPA/MARG/COMPUTER अनुभवी महिला रिसेप्शनिस्ट/मेडिकल स्टोर हेतु, अनुभवी ओ. टी. टेक्नीशियन, अनुभवी पी.आर. ओ. तथा अनुभवी नर्स।
मिलें आज 3 बजे
आर. जी. हॉस्पिटल
अयूब खान चौपला रोड, बरेली

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

ट्रक से कुचलकर युवक की मौत, हंगामा

संवाददाता, विजय नगला

जाम लगा रहे ग्रामीणों को समझाते दातागंज एसडीएम धर्मेंद्र कुमार। ● अमृत विचार

- भेड़ चराकर लौट रहे थे बलवीर सिंह, आक्रोशित लोगो ने बदायूं-दातागंज मार्ग पर लगाया जाम

अमृत विचार : भेड़ चराकर घर वापस लौट रहे युवक को बेकाबू ट्रक ने कुचल दिया। युवक की मौके पर मौत हो गई। आक्रोशित ग्रामीणों ने जाम लगा दिया। ट्रक चालक की धुनाई लगा दी और पुलिस को सौंप दिया। एसडीएम दातागंज ने ग्रामीणों को समझाकर जाम खुलवाया।

थाना मूसाझाग क्षेत्र के गांव भैरों नगला निवासी बलवीर सिंह पाल बुधवार शाम जंगल से अपनी भेड़ चराकर बदायूं-दातागंज मार्ग होते हुए वापस गांव लौट रहे थे। दातागंज की ओर से तेज रफ्तार से आए ट्रक ने बलवीर सिंह पाल को कुचल दिया। मौके पर ही उनकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर गांव सराय पिपरिया और भैरों नगला के ग्रामीण और मृतक के परिजन घटनास्थल पर पहुंचे। ट्रक चालक की पिटाई लगा दी। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची। ग्रामीणों ने चालक को पुलिस के हवाले कर दिया। कुछ देर के बाद एसडीएम दातागंज धर्मेंद्र कुमार पहुंचे और ग्रामीणों को समझाकर शांत कराया। मृतक के परिजनों को आर्थिक मदद का आश्वासन दिया। तकरीबन एक घंटे के बाद जाम खुल सका। थाना प्रभारी मान बहादुर सिंह ने बताया कि ट्रक से कुचलकर युवक की मौत हुई थी। लोगों ने जाम लगाया था।

हत्या मामले में पुलिस हिरासत में कई संदिग्ध

इस्लामनगर, अमृत विचार : थाना इस्लामनगर क्षेत्र के गांव मोहसनपुर में सब इंस्पेक्टर की मां की गला रेतकर हत्या कर दी गई थी। मृतक महिला के बेटे की तहरीर पर घर के सामने रहने वाले हिस्ट्रीशीटर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई थी। हत्यारोपी फरार है। दूसरे दिन भी पुलिस के हत्थे नहीं चढ़ा है। पुलिस आरोपी की तलाश में दबिश दे रही है। गांव और आसपास से कई संदिग्ध लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है, लेकिन अभी तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है।

ग्रामीण दहशत और सदमे में घटना की चर्चा करते रहे। पुलिस हत्यारोपी की तलाश कर रही है। वहीं दूसरे दिन भी सीसीटीवी चेक किए गए हैं। संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ चल रही है।

त्योहारों पर शांति बनाए रखने की अपील

- थाने में हुई पीस कमेटी की बैठक में पुलिस ने प्रधानों और धर्म गुरुओं से की अपील
- संदिग्ध व्यक्तियों की सूचना तुरंत थाने पर दें, नई परंपरा डाली तो होगी कार्रवाई

संवाददाता, कुंवर गांव

पीस कमेटी की बैठक में नगर के गणमान्य लोग और पुलिस। ● अमृत विचार

अमृत विचार : आगामी त्योहार कृष्ण जन्माष्टमी, चेहलुम और 15 अगस्त के मद्देनजर बुधवार को थाने में पीस कमेटी की बैठक हुई। बैठक में क्षेत्र के संभ्रांत लोग और ग्राम प्रधान मौजूद रहे। पुलिस ने कृष्ण जन्माष्टमी और चेहल्लुम को शांतिपूर्वक मनाने की अपील की। सभी लोगों से पुलिस का सहयोग करने को कहा। पुलिस ने कहा चेहल्लुम पर कहीं भी नहीं परंपरा न डाली जाए। त्योहार को शांतिपूर्वक मनाया जाए। संदिग्ध व्यक्तियों की सूचना तुरंत थाने पर दें, खुराफाती लोगों को किसी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। ग्रामीण ड्रोन और चोरों की झूठी अफवाहों पर ध्यान न दें, सतर्क रहें, सुरक्षित रहें। इस मौके पर एसएसआई घनश्याम सिंह, सुकेंद्र कुमार सिंह, एसएसआई योगराज, कांस्टेबल सुमित पुंडीर, नगर पंचायत चेयरमैन पति अरविंद रावत, लकी गुप्ता, मास्टर कल्लन मियां अंसारी, रामशर्मा, लवि शर्मा आदि मौजूद रहे।

अमृत विचार

बरेली, गुरुवार,14 अगस्त 2025

न्यूज ब्रीफ

निजीकरण के विरोध में आज तिरंगा रैली निकालेंगे बिजली कर्मी

अमृत विचार, लखनऊ : ऊर्जा निगमों के निजीकरण का निर्णय रद्द करने की मांग को लेकर बिजली कर्मी 14 अगस्त को तिरंगा रैली निकालेंगे। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति उप्र. के संयोजक शैलेंद्र दुबे ने कहा कि निजीकरण के विरोध में सभी जिलों व परियोजनाओं पर बिजली कर्मी तिरंगा रैली निकालेंगे और तिरंगा लेकर निजीकरण के विरोध में सभा करेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के बीते आठ साल के कार्यकाल के दौरान प्रदेश की बिजली व्यवस्था में लगातार सुधार हो रहा है। ऐसे में निजीकरण का प्रस्ताव लाकर बिजली व्यवस्था पटरी से उतारने की कोशिश पर तत्काल विराम लगना चाहिये।

हाईटेंशन लाइन से ग्रामीण की मौत, अवर अभियंता निलंबित

अमृत विचार, लखनऊ : गाजीपुर में बुधवार को हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से 55 वर्षीय ग्रामीण सूरज पाल की मौत हो गई। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा के निर्देश पर उपकेंद्र पर तैनात अवर अभियंता मनोज कुमार पटेल को निलंबित कर दिया गया है, साथ ही, निविदा कर्मी लाइनमैन राजेंद्र कुमार को सेवा से हटा दिया गया है। गाजीपुर के सादात उपकेंद्र क्षेत्र में एलटी लाइन टूटने के कारण ग्रामीण सूरज पाल लाइन की चपेट में आ गये। इसमें अवर अभियंता व लाइनमैन की लापरवाही पाये जाने पर इनके खिलाफ कार्रवाई की गई है।

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव पर मथुरा में होंगे भव्य आयोजन

अमृत विचार, लखनऊ : भगवान श्रीकृष्ण के 5252वें जन्मोत्सव पर इस वर्ष मथुरा में ही 50 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। शहर में छोटे-बड़े मंच सजाए गए हैं, जिन पर 1,000 के करीब कलाकार सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देंगे। मथुरा-वृन्दावन में तीन दिन शहर के मुख्य मार्ग से लेकर गलियों तक भव्य शोभा यात्राएं निकाली जाएंगी। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बुधवार को दी। उन्होंने बताया कि उत्सव के दौरान ब्रज की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित किया जाएगा। दरअसल, 15 से 17 अगस्त तक तीन दिन की लगातार छुट्टी होने से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया है। अनुमान है, इस वर्ष मथुरा-वृंदावन क्षेत्र में देशी-विदेशी पर्यटकों का सैलाब उमड़ेगा।

लखनऊ में 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत निकाली गई तिरंगा रैली का नेतृत्व करते हुए मुख्यमंत्री योगी, साथ में पार्टी नेता व अन्य। ● अमृत विचार

योगी ने किया तिरंगा यात्रा का नेतृत्व

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मुख्यमंत्री ने की हर घर तिरंगा अभियान की शुरुआत
- कहा- वीर सैनिकों के प्रति कृतज्ञता का भाव है तिरंगा यात्रा

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मुताबिक तिरंगा यात्रा केवल यात्रा नहीं, बल्कि भारत मां, महापुरुषों, क्रांतिकारियों और वीर सैनिकों के प्रति हमारी कृतज्ञता भी है। हर गांव, नगर, जनपद में तिरंगा यात्रा इसका उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। यूपी में भी हर घर तिरंगा, सेल्फी विद तिरंगा से जुड़ रहे हैं। देश और सैनिकों के सम्मान तथा आन-बान-शान का प्रतीक तिरंगा हर भारतीय के घर में लहराया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को 'हर घर तिरंगा' अभियान (13-15 अगस्त) की शुरुआत की। राष्ट्रभक्ति के गीतों की धुनों के बीच मुख्यमंत्री ने तिरंगा यात्रा का नेतृत्व किया, फिर अपने आवास से यात्रा को रवाना किया। योगी ने युवाओं का अभिनंदन करते हुए सभी को स्वतंत्रता दिवस की अग्रिम शुभकामनाएं भी दीं।

योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी द्वारा दिया गया 2047 तक का विराट लक्ष्य 'विकसित भारत-आत्मनिर्भर भारत' सभी के सामने है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके संकल्पों के साथ जुड़कर 'विकसित उत्तर प्रदेश-आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश' के उनके मार्गदर्शन को अपने जीवन का हिस्सा व मंत्र बनाएंगे।

समारोह में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, प्रदेश सरकार के मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, कपिलदेव अग्रवाल, विधायक नीरज बोरा, जया देवी, ओपी श्रीवास्तव, विधान परिषद सदस्य महेंद्र सिंह, मुकेश शर्मा, उमेश द्विवेदी, भाजपा के महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी, भाजपा नेता नीरज सिंह आदि मौजूद रहे।

ऊर्जा मंत्री ने की घरों पर तिरंगा फहराने की अपील : नगर विकास व ऊर्जा मंत्री एके शर्मा के नेतृत्व में बुधवार को तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा में उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन व नगर विकास विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए। ऊर्जा मंत्री ने सभी नागरिकों से अपने घरों पर तिरंगा फहराने की अपील की।'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत सुबह साढ़े नौ बजे ऊर्जा मंत्री के नेतृत्व में जल निगम फील्ड हास्टल 'संगम' से एनेक्सी तक तिरंगा यात्रा निकाली गई।

सत्तापक्ष ने रखा विजन, विपक्ष ने गिनाईं खामियां, दिए सुझाव

विधानसभा में विजन डॉक्यूमेंट-2047 पर चर्चा शुरू, नेताओं ने दी प्रतिक्रिया

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने एक शेर पढ़कर चर्चा का प्रस्ताव रखा- वक्त लगता ही नहीं जिंदगी बदलने में, पर वक्त को बदलने में जिंदगी लग जाती है

अमृत विचार: मानसून सत्र के तीसरे दिन बुधवार को विधानसभा में विजन डॉक्यूमेंट-2047 (विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश, आत्मनिर्भर भारत-आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश) पर चर्चा शुरु हुई। संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने एक शेर पढ़कर चर्चा का प्रस्ताव रखा- बड़ी मुश्किल से कोई सुबह मुस्कराती है, गम की रात दबे पांव चली आती है, वक्त लगता ही नहीं जिंदगी बदलने में, पर वक्त को बदलने में जिंदगी लग जाती है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि बिना चिंतन और विचार के कोई बड़ी उपलब्धि नहीं मिलती है। विजन डॉक्यूमेंट का उद्देश्य आजादी के 100 साल पूरे होने पर उप्र. को देश का सबसे विकसित राज्य बनाना है।

सुरेश खन्ना के विजन रखने के बाद सत्तापक्ष और विपक्ष के नेताओं ने एक-एक कर अपनी-अपनी प्रतिक्रिया रखनी शुरू की। इस दौरान दोनों ओर से पहले दलीय नेताओं को मौका मिला। वहीं, सुरेश खन्ना द्वारा चर्चा का प्रस्ताव पेश करने से पहले सपा सदस्य अपनी जगह पर खड़े होकर पोस्टर लहराने लगे और प्रदेश सरकार से पहले पुराने वादे पूरे करने की मांग करने लगे। विधानसभा अध्यक्ष ने सपा सदस्यों को शांत कराया।

नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने कहा कि सरकार पहले बताए कि वर्ष 2022 के संकल्प पत्र के कितने वादे पूरे हुए। इस पर चर्चा के लिए 24 घंटे का समय भी कम है। कांग्रेस दल की नेता आराधना मिश्रा मोना और सपा सदस्य संग्राम यादव ने भी इस चर्चा को बढ़ाने पर अपना-अपना तर्क रखा।

आजादी के 100 साल बाद 2047 में हमारा प्रदेश कैसा हो...इस पर सभी सदस्य चर्चा कर रहे हैं। सदस्य अपने सुझाव भी रख रहे हैं। विपक्ष का अपना राजनीतिक एजेंडा हैं। उन्हें भी चर्चा में भाग लेना चाहिए।

– सतीश महाना, विधानसभा अध्यक्ष

सरकार 2047 को लेकर चर्चा कर रही है पर सरकार को ये भी बताना चाहिए कि 2017 में सत्ता में आने के बाद अब तक कितने वादे पूरे किए गए हैं। उन्होंने कहा कि चर्चा के लिए समय भी बढ़ाया जाए।

– माता प्रसाद पांडेय, नेता प्रतिपक्ष

उप्र. के विकास को लेकर अर्थपूर्ण चर्चा हो रही है जिससे कई महत्वपूर्ण निष्कर्ष निकलेंगे। सपा में दूरदृष्टि की कमी है। पूरी दुनिया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सीख रही है सपा को भी सीखना चाहिए। बयान देना अलग बात है और समावेशी विकास करना अलग बात है।

– केशव मौर्य, उप मुख्यमंत्री

2047 में भारत को विकसित बनाने की बात की जा रही है लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि हमारी आज की जो सफलताएं हैं वो हमारे प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के विजन का ही परिणाम हैं। उनको लेकर जो वादे किए गए थे वो अभी तक पूरे नहीं हुए हैं।

– आराधना मिश्रा मोना नेता कांग्रेस दल

हर मंडल में सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल और ट्रॉमा सेंटर स्थापित किए जाएंगे। डायबिटीज, हाइपरटेंशन, और कैंसर जैसे रोगों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए रोग निगरानी और रोकथाम प्रणाली विकसित की जाएगी। जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न स्वास्थ्य जोखिमों के प्रति भी सजगता बरती जाएगी।

– ब्रजेश पाठक, उप मुख्यमंत्री

2047 तक 11 लाख युवाओं को प्रशिक्षित कर 3,850 करोड़ रुपये व्यय करने की योजना है। ओबीसी छात्रावासों का अनुरक्षण और नए छात्रावासों का निर्माण 2047 तक प्राथमिकता में रहेगा, ताकि अधिक से अधिक छात्रों को नि:शुल्क आवास सुविधा मिल सके।

– नरेंद्र कश्यप, मंत्री

विजन का आशय सिर्फ वायदा कर दने और उपलब्धियों का श्रेय लेने मात्र तक सीमित नहीं होना चाहिए। विजन देखना हो तो विधानसभा अध्यक्ष के कार्य देखिए। किस तरह उन्होंने पाच सालों में इस विधानसभा को देश की सर्वोत्तम विधानसभा बना दिया। – उमाशंकर, नेता बसपा दल

स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित नहीं रहेगा जरूरतमंद : मयंकेश्वर

विधान परिषद

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: विधान परिषद में मानसून सत्र के तीसरे दिन सपा सदस्यों ने प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं मुद्दा उठाया। सपा सदस्य मुकुल यादव ने कहा कि भाजपा सरकार के आठ वर्ष से अधिक का समय बीत जाने के बाद भी स्वास्थ्य सेवाओं का बुरा हाल है। नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, स्वास्थ्य सेवाओं के मामले में उप्र. का स्थान सबसे नीचे है। जवाब में चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य राज्य मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह ने कहा कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में प्रदेश ने बीते आठ सालों में खूब तरक्की की है, जिसका परिणाम, 40-45 करोड़ की सालाना ओपीडी है और 12.5 करोड़ की आपीडी(भर्ती) है ।

सदन में बुधवार को शून्य प्रहर में सपा के मो.जासमीन अंसारी, शाह आलम, आशुतोष सिन्हा और बलराम यादव द्वारा नियम 105 अंतर्गत स्वास्थ्य सेवाओं के गिरते स्तर तथा स्वास्थ्य सेवाओं में हो रहे भ्रष्टाचार के सवालों का स्वास्थ्य राज्य मंत्री जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि एसजीपीजीआई, केजीएमयू और लोहिया संस्थान में वेंटीलेटर्स पर्याप्त हैं, न ही अन्य संसाधन की कमी। अगले दो साल में केजीएमयू में 500 बेड का निर्माणाधीन नया ट्रामा सेंटर बनकर तैयार हो जाएगा। इसी तरह एसजीपीजीआई में विस्तार करेंगे। मेडिकल कॉलेज और सरकारी अस्पतालों में मिलाकर 5.5 लाख मेजर और 8.5 लाख माइनर ऑपरेशन हर साल हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कोई भी मरीज चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित नहीं रहने दिया जाएगा, ऐसा सरकार का संकल्प है।

सपा के बलराम यादव द्वारा आजमगढ़ के संयुक्त जिला चिकित्सालय के सवाल पर मयंकेश्वर शरण सिंह ने कहा कि मामले को दिखवाएंगे, अगर सीएमएस डॉ.सुरेन्द्र कुमार ध्रुव दोषी होंगे तो कार्रवाई की जाएगी।

माध्यमिक शिक्षकों के शोषण का मुद्दा भी उठा : निर्दलीय सदस्य राजबहादुर सिंह चंदेल एवं डॉ. आकाश अग्रवाल ने सोनभद्र में ओबरा इण्टर कालेज में प्रतिनियुक्ति पर तैनात शिक्षकों को राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में समायोजित किये जाने का मुद्दा उठाया। शिक्षक दल के ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने माध्यमिक शिक्षा विभाग में 28 अप्रैल, 2025 को जारी शासनादेश को निरस्त करने तथा चयन बोर्ड अधिनियम की धाराएं 12,18 एवं 21 को मूल रूप से इण्टरमीडिएट एक्ट में प्रतिस्थापित कराये जाने की मांग उठायी। राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गुलाब देवी ने जवाब दिया और सभापति कुंवर मानवेन्द्र सिंह ने कार्यस्थगन अस्वीकार कर सरकार को आवश्यक कार्यवाही के लिए भेज दिया।

विधायक निधि के कार्यों के पूरा होने की तय होगी समयसीमा : सदन में बुधवार सपा के आशुतोष सिन्हा व डॉ.मान सिंह ने विधायक निधि से कराए जाने वाले कार्यों में स्थानीय अधिकारियों के असहयोग का मुद्दा उठाया, उनके साथ विपक्ष समेत सत्ता पक्ष के विधायकों ने भी सहमति जतायी, उप मुख्यमंत्री व नेता सदन केशव प्रसाद मौर्या ने कहा कि सभापति द्वारा सदन सदस्यों की एक कमेटी गठित कर दी जाए, कमेटी जो सुझाव देगी उसे लागू कर दिया जाएगा, उसमें कार्यों का समयावधि भी निर्धारित की जा सकती है।

विधान परिषद में 6 विधेयक पारित

उप्र. विधानसभा में पारित हो चुके छह विधेयक विधानपरिषद में प्रमुख सचिव ने पटल पर रखे, जिन्हें उपस्थित सदस्यों की सहमति से पास कर दिया है। इन विधेयकों में उप्र.निरसन विधेयक, 2025, उप्र. निजी विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2025, उप्र.निजी विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2025, उप्र.मोटर यान कराधान (संशोधन) विधेयक, 2025, उप्र.माल और सेवा कर (संशोधन) विधेयक, 2025 और उप्र. लोक अभिलेख विधेयक, 2025 शामिल है।

सभापति के टोकने से परेशान हुए नेता विरोधी दल

सदन में प्रश्न पहर में नेता विरोधी दल लाल बिहारी यादव ने, उद्बोधन के दौरान सभापति कुंवर मानवेंद्र सिंह द्वारा टोका-टोकी करने पर विरोध दर्ज कराया। उन्होंने कहा कि नेता विरोधी दल का अधिकार है सदन में सरकार को हर मुद्दे पर सचेत करें, बोलने पर पाबंदी नहीं लगायी जा सकती है। सभापति समय का हवाल देते हैं, जबकि हकीकत है कि जितनी देर तक वह उलझाते हैं, उतनी देर में उनका संबोधन समाप्त हो सकता है।

विजन नहीं, वादा पूरा न करने के कारण बताए भाजपा सरकार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार को विजन नहीं, अपना एक भी वादा पूरा नहीं करने का रीजन डॉक्यूमेंट बताना चाहिए। भाजपा सरकार ने नौ साल में भ्रष्टाचार लूट, बेईमानी की। सरकार कानून व्यवस्था, बाढ़ नियंत्रण, शिक्षा, स्वास्थ्य, विकास हर मामले में असफल हो गई है। महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार के सारे रिकार्ड टूट गये हैं।

सपा प्रमुख ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि भाजपा सरकार के पास प्रदेश की जनता के लिए कोई विजन नहीं है। नौ साल में प्रदेश में एक भी बिजली घर नहीं लगाया। सड़कों के गड्ढे तक नहीं भर पाएं। लोगों को बाढ़ से बचाने के लिए कहीं कोई बांध नहीं बनाया। खामियाजा आज प्रदेश की जनता भुगत रही है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के दर्जनों जिलों और लाखों की आबादी बाढ़ से घिरी हुई है, उसके पास खाने रहने की जगह नहीं है। लोग बेबस हैं। प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था का बुरा हाल है। अस्पतालों में गरीब मरीजों को पर्याप्त इलाज नहीं मिल पा रहा है। मेडिकल कॉलेजों में डॉक्टर पैरामेडिकल स्टाफ और आवश्यक उपकरणों की कमी है।

संजय निषाद के बयान पर हंगामा महाना बोले- माइक बंद करें

अमृत विचार, लखनऊ : निषाद पार्टी अध्यक्ष और कैबिनेट मंत्री संजय निषाद बुधवार को विधानसभा में सपा को फूलन देवी का हत्यारा बता गए। इस पर सदन में जमकर हंगामा हुआ। संजय निषाद ने कहा कि फूलन देवी का सपा से मोहभंग हो गया था। उन्होंने अपनी अलग पार्टी बना ली थी और उनकी हत्या हो गई। निषादों के नेताओं की हत्या हो जाती है, सिर्फ मैं ही बचा हूं।

इस पर सपा सदस्य कमाल अख्तर ने कहा कि संजय निषाद ने विजन डॉक्यूमेंट पर कुछ नहीं बोला। केवल सपा विधायकों पर आरोप लगा रहे हैं। इन्हें ये नहीं कहना चाहिए था कि फूलन देवी के हत्यारे यहां बैठे हैं। सदन में पक्ष-विपक्ष के हंगामे के बीच संजय निषाद नहीं रुक रहे थे। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने दखल दिया और कहा कि मंत्री जी का माइक बंद कर दीजिए। नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने कहा कि पहले भी मैंने कहा कि बिना सबूत के किसी पर आरोप नहीं लगाना चाहिए। ये सही नहीं है, इसे कार्यवाही से निकाला जाए।

बर्ड फ्लू को लेकर बरतें सतर्कता : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मुख्यमंत्री ने संबंधित विभागों को त्वरित और समन्वित कार्रवाई के लिए दिए दिशा-निर्देश

अमृत विचार : बर्ड फ्लू (एच5 एवियन इंफ्लुएंजा) के संभावित खतरे को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संबंधित विभागों को त्वरित और समन्वित कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संरक्षित पशु-पक्षियों की सुरक्षा प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी।

मुख्यमंत्री ने बुधवार को स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रदेश के सभी प्राणी उद्यानों, पक्षी विहारों, नेशनल पार्कों, वेटलैंड क्षेत्रों और गो-आश्रय स्थलों में सुरक्षा उपायों को और मजबूत किया जाए। उन्होंने कहा कि प्राणी उद्यान परिसरों को नियमित रूप से सैनेटाइज किया जाए तथा आवश्यकता पड़ने पर ब्लो टॉर्चिंग की प्रक्रिया भी अपनाई जाए। सभी वन्य जीवों और पक्षियों की स्वास्थ्य जांच अनिवार्य रूप से हो और उनके आहार की गहन जांच के बाद ही भोजन उपलब्ध कराया जाए। साथ ही कहा कि बाड़ों में संभावित जोखिम को देखते हुए कर्मचारियों की ड्यूटी लगाते वक्त सुरक्षा मानकों का पालन किया जाए। उन्हें एवियन इंफ्लुएंजा के लक्षण, संक्रमण के तरीके और उससे बचाव के उपायों की जानकारी दी जाए। साथ ही उन्हें पीपीई किट सहित सभी आवश्यक सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराए जाएं, जिससे वे सुरक्षित रहकर अपने दायित्व का निर्वहन कर सकें।

पोल्ट्री फार्मों की निगरानी की जाए : मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रदेश के सभी पोल्ट्री फार्मों की मानकों के अनुरूप कड़ी निगरानी की जाए और पोल्ट्री उत्पादों के आवागमन पर निरंतर नियंत्रण रखा जाए। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को यह भी निर्देश दिया कि एच5 एवियन इंफ्लुएंजा के मानव स्वास्थ्य पर संभावित प्रभावों का गहन अध्ययन कर रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए, ताकि संक्रमण की कोई श्रृंखला मानव समाज तक न पहुंच सके।

बिना भेदभाव सभी वर्गों के लिए कार्य कर रही भाजपा : धर्मपाल

अमृत विचार, लखनऊ : भाजपा के प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने कहा कि पार्टी व सरकार बिना भेदभाव सभी वर्गों की उन्नति के लिए कार्य कर रही है। वह बुधवार को गौतमबुद्धनगर व अलीगढ़ में पश्चिम क्षेत्र व बृज क्षेत्र में अनुसूचित जाति मोर्चा कार्यकर्ता संवाद कार्यक्रम के तहत मोर्चा के क्षेत्रीय पदाधिकारियों व जिलाध्यक्षों के साथ संवाद कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि वैभवशाली राष्ट्र का निर्माण और गरीब, वंचित वर्ग की आर्थिक व सामाजिक उन्नति ही भाजपा का ध्येय है। यह ध्येय प्राप्त करने के लिए संगठन की मजबूती आवश्यक है। उन्होंने कहा कि पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की रीढ़ है और बूथ स्तर पर प्रत्येक कार्यकर्ता की सक्रियता ही भाजपा की ताकत है। हमें अपने सेवाभाव से प्रत्येक व्यक्ति व परिवार के साथ उनके परिवार के सदस्य की तरह जुड़ना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के नेतृत्व में केंद्र व राज्य की भाजपा सरकार बिना भेदभाव सभी वर्गों व जातियों का आर्थिव व सामाजिक उन्नति कर रही है।

सक्रियता | मुख्य सचिव ने जनसुनवाई पोर्टल, बाढ़ राहत और हर घर तिरंगा अभियान की समीक्षा की

दोषी अधिकारी के खिलाफ सख्त जांच हो

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्य सचिव एसपी गोयल ने जनसुनवाई पोर्टल, बाढ़ राहत और हर घर तिरंगा अभियान आदि की समीक्षा कर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से सभी मंडलायुक्तों एवं जिलाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। इस दौरान मुख्य सचिव ने जनसुनवाई पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के कड़े निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि किसी अधिकारी के विरुद्ध प्राप्त शिकायतों की जांच कम से कम एक उच्च स्तर अधिकारी से कराई जाए और शिकायत सही पाये जाने पर सम्बन्धित के विरुद्ध कार्रवाई की जाए।

उन्होंने यह भी कहा कि अधीनस्थ अधिकारी द्वारा प्रस्तुत निस्तारण आख्या का स्वयं परीक्षण करने के बाद ही स्पेशल क्लोज की कवायद की जाए। जिला स्तर पर एडीएम, अतिरिक्त मजिस्ट्रेट, एएसपी, डीसीपी व अन्य अधिकारी को आख्या की गुणवत्ता जांचने के लिए नामित किया जाये। शिकायतकर्ता की संतुष्टि को प्राथमिकता दी जाए और त्रुटिपूर्ण स्पेशल क्लोज पाए जाने पर सम्बन्धित के विरुद्ध एक्शन लिया जाए।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में संवेदनशीलता के साथ पहुंचाएं मदद

मुख्य सचिव ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की नियमित मॉनीटरिंग की जाए। आवश्यकतानुसार बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में खाद्यान्न व लंच पैकटों का वितरण किया जाए। बाढ़ के दौरान हुई फसल क्षति का आंकलन तेजी से कर लिया जाए, जिससे शीघ्र मुआवजा किसानों को भेजा जा सके। जिन क्षेत्रों में जलस्तर कम हो गया है, वहां सफाई अभियान चलाया जाये।

जिन भवनों में फसाड लाइटिंग हैं उन्हें तिरंगा थीम पर करें

मुख्य सचिव ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान का तृतीय चरण आज से प्रारम्भ हो गया है। शैक्षणिक संस्थानों, सरकारी भवनों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, कार्यालयों, बांधों, पुलों आदि को 15 अगस्त तक तिरंगा लाइटिंग से प्रकाशित किया जाये। जिन भवनों में फसाड लाइटिंग हैं, उन्हें तिरंगा थीम पर परिवर्तित कराया जा सकता है। वालंटियर्स को सक्रिय कर हर घर तिरंगा पोर्टल पर अधिक से अधिक संख्या में सेल्फी अपलोड करायी जाए।

प्रदेश में कहीं भी उर्वरक की कमी न होने का दावा

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य सरकार ने कहा कि प्रदेश में कहीं भी उर्वरकों की दिक्कत या कमी नहीं है। खरीफ सत्र में पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष अभी तक अधिक खाद की बिक्री हुई है। पहली अप्रैल से 12 अगस्त 2025 तक जहां 29,52,305 मीट्रिक टन उर्वरक की बिक्री हुई है, वहीं पिछले वर्ष (2024) में इस अवधि में यह आंकड़ा 24,80,904 मीट्रिक टन था। पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष अब तक 4,71, 401 मीट्रिक टन अधिक बिक्री हो चुकी है। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा है कि उर्वरकों की आपूर्ति के लिए निरंतर समीक्षा की जाय और किसानों को सहजता से खाद उपलब्ध कराया जाए।

10 टन ऑयल एक्सट्रैक्शन यूनिट की स्थापना पर अनुदान देगी सरकार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- एफपीओ-सहकारी समितियों को 31 तक कृषि विभाग के पोर्टल पर करना होगा आवेदन

अमृत विचार : राज्य सरकार की ओर से 10 टन ऑयल एक्सट्रैक्शन यूनिट की स्थापना पर एफपीओ-सहकारी समितियों को अनुदान देने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। परियोजना की कीमत का 33 प्रतिशत अधिकतम 9.90 लाख रुपये तक अनुदान मिलेगा। इसके लिए 14 से 31 अगस्त तक कृषि विभाग के पोर्टल पर आवेदन मांगे गए हैं।

शासन के अधिकारियों के अनुसार, अनुदान प्राप्त करने के लिए तीन वर्ष का अनुभव व 200 किसानों का सदस्य होना अनिवार्य है। अपर कृषि निदेशक (तिलहन-दलहन) अनिल कुमार पाठक ने बताया कि नेशनल मिशन ऑन एडिबिल ऑयल (ऑयल सीड्स) वर्ष 2025-26 के तहत कृषि विभाग के पोर्टल पर पंजीकृत एफपीओ व सहकारी समितियों को ही अनुदान प्राप्त होगा। फसल के बाद तिलहन संग्रह, तेल निष्कर्षण व पुनप्राप्ति की दक्षता बढ़ाने, सार्वजनिक-निजी उद्योगों, एफपीओ व सहकारी समितियों को इंफ्रास्ट्रक्चर की क्षमता या दक्षता में सुधार समेत कटाई के बाद के इंफ्रास्ट्रक्चर की स्थापना के लिए निर्धारित मापदंड जरूरी हैं।

आवेदन ज्यादा होने पर होगी लाटरी

अपर कृषि निदेशक ने बताया कि पिछले तीन वर्षों में औसत वार्षिक कारोबार 9 लाख रुपये से अधिक होना चाहिए। एफपीओ में किसानों की ओर से कम से कम 3 लाख रुपये की इक्विटी होनी चाहिए। लक्ष्य से अधिक आवेदन प्राप्त होने पर ऑनलाइन लॉटरी के माध्यम से लाभार्थियों का चयन किया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

सांप के डसने से किशोरी की मौत

संभल/ओबरी,अमृत विचार : असमोली थाना क्षेत्र के मलकपुर नवादा निवासी मुनाजिर हुसैन की पुत्री उम्मे फजल (13) सोमवार की रात्रि लघु शंका के लिए घर में बने शौचालय में पहुंची। वहां सांप ने किशोरी को डस लिया। तांत्रिकों को बुलाकर झाड़फूंक कराई। बुधवार की सुबह किशोरी ने दम तोड़ दिया।

उर्स मेला के लिए दो जोड़ी स्पेशल ट्रेनें

बरेली, अमृत विचार : पूर्वोत्तर रेलवे के इज्जतनगर मंडल ने यात्रियों की सुविधा के लिए दो जोड़ी उर्स मेला स्पेशल ट्रेनों के संचालन का निर्णय लिया है। मंडल कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार स्पेशल ट्रेनें 18 से 20 अगस्त तक तीन-तीन फेरों में चलेंगी। 05311 बरेली सिटी-लालकुआं उर्स मेला स्पेशल बरेली सिटी से 15 :50 बजे चलेगी और इज्जतनगर, भोजीपुरा, अटामांडा, देवरनियां, रिछा रोड, बहेड़ी, किच्छा, पंतनगर होते हुए 18 :00 बजे लालकुआं पहुंचेगी। वापसी में 05312 लालकुआं से 20 :15 बजे रवाना होकर उन्हीं स्टेशनों से होते हुए 22 :30 बजे बरेली सिटी पहुंचेगी।

आतंकी हमले में मददगार बता किया डिजिटल अरेस्ट

ठगों ने रिटायर्ड महिला बैंक मैनेजर को 42 घंटे रखा डिजिटल अरेस्ट

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : साइबर ठगों ने प्रेमनगर थाना क्षेत्र में सेवानिवृत्त महिला बैंक मैनेजर को पहलगाम आतंकी हमले में मददगार बताकर 42 घंटे तक डिजिटल अरेस्ट रखा। साथ ही ठगों ने नो इन्वॉल्वमेंट सर्टिफिकेट देने के नाम पर 70 लाख रुपये की मांग की। सूचना मिलने के बाद प्रेमनगर थाना पुलिस के साथ पहुंचे एसपी सिटी ने महिला को डिजिटल अरेस्ट से मुक्त कराया।

थाना क्षेत्र के एकता नगर निवासी गुलशन कुमारी बैंक ऑफ बड़ौदा से बैंक मैनेजर के पद से सेवानिवृत्त हैं। वह अविवाहित हैं। यहां पर भाई महेंद्र व उसके परिवार के साथ रहती हैं। उनके मोबाइल पर सोमवार दोपहर अज्ञात नंबर से वीडियो कॉल आया।

रिटायर्ड बैंक अधिकारी गुलशन कुमारी।

कॉल करने वाले ने खुद को पहलगाम पुलिस स्टेशन का अधिकारी बता कर उन्हें धमकाना शुरू कर दिया। कहा कि उसने पहलगाम हमले में आतंकियों का साथ दी हैं। इतना ही नहीं उनके आधार कार्ड के जरिये आईएसआईएस आतंकी संगठन ने मोबाइल फोन और सिम कार्ड खरीदा है। साथ ही बचने और नो इन्वॉल्वमेंट सर्टिफिकेट देने के नाम पर 70 लाख रुपये की मांग की। इस तरह से उन्हें 48 घंटे तक डिजिटल अरेस्ट रखा। बहन को लगातार गुमसुम देखकर भाई महेंद्र को शक हुआ तो उसने डायल-112 और एसएसपी अनुराग आर्य को सूचना दी। इस पर एसपी सिटी मानुष पारीक ने प्रेमनगर थाना प्रभारी आशुतोष रघुवंशी के साथ पहुंच कर महिला को मुक्त कराया। प्रेमनगर थाना प्रभारी आशुतोष रघुवंशी ने बताया कि ठगों ने रिटायर्ड महिला बैंक अधिकारी को डरा-धमका कर डिजिटल अरेस्ट कर रखा था और 70 लाख रुपये की मांग कर रहे थे, लेकिन उनके भाई की सूझबूझ और पुलिस की तत्परता से ठगी का शिकार होने से बच गईं।

महिला की गला दबा कर हत्या करने वाला पति गिरफ्तार

सीबीगंज (बरेली), अमृत विचार : दहेज में पांच लाख रुपये की मांग पूरी न करने पर महिला की गला दबाकर हत्या करने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

बदायूं के दातागंज के गांव देवनी निवासी सफरुद्दीन ने अपनी बेटी सोनम (22) का निकाह बीते वर्ष नवंबर में सीबीगंज के बिधौलिया निवासी शाहिद के साथ किया था। 5 अगस्त की रात में सोनम की दहेज में पांच लाख रुपये की मांग पूरी न करने पर उसके ससुराल वालों ने गला दबाकर हत्या कर दी थी। पुलिस ने मृतका के पिता सफरुद्दीन की तहरीर पर पति मोहम्मद शाहिद, ससुर वली हसन, सास समसा, ननद सितारा, जेठ सद्दाम, जेठानी हसनूर, जेठ डाबर जेठानी बन्नो के खिलाफ दहेज हत्या की रिपोर्ट दर्ज की थी। इंस्पेक्टर सीबीगंज अभिषेक कुमार ने बुधवार को सनौआ मोड़ से पति मोहम्मद शाहिद को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

हर मुसलमान दुकान और मकान पर लगाए तिरंगा

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- ऑल इंडिया मुस्लिम जमात ने किया गोष्ठी का आयोजन

अमृत विचार : ऑल इंडिया मुस्लिम जमात से जुड़े उलमा ने बुधवार को गोष्ठी का आयोजन किया। इसमें उलमा ने कहा कि देश का हर मुसलमान अपनी दुकान और मकान पर तिरंगा लहराये। साथ ही इस्लामी संस्थाओं, मदरसों, दरगाहों और स्कूल-कालेजों में भी राष्ट्रीय ध्वज लहराएं और जश्न-ए-आजादी के कार्यक्रम आयोजित किए जाएं।

गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए संगठन के अध्यक्ष मौलाना मुफ्ती शहाबुद्दीन रजवी ने कहा कि भारत को आजाद हुए 77 साल गुजर गए। मुसलमानों से आह्वान किया कि हर व्यक्ति अपनी दुकान और मकान पर तिरंगा झंडा लगाए। मदरसों, स्कूल व कॉलेजों में भी जश्ने आजादी धूमधाम से मनाएं। मौलाना ने आगे कहा कि तिरंगा झंडा हमारे भारत की शान है जो दुनिया में अपनी पहचान रखता है। भारत को आजाद करने में सभी सम्प्रदाय के लोगों का योगदान रहा है। मौलाना गुलाम मोहियूद्दीन हशमती ने कहा कि भारतीय संस्कृति की मुख्य विशेषता ये है कि हिंदू, मुस्लिम, बौध, जैन, सिक्ख, ईसाई आदि सभी समुदाय ने विभिन्न संस्कृतियों और परम्पराओं को स्वीकार करने की अपनी क्षमता के साथ भारतीय संस्कृति के समृद्ध किया है। मौलाना फारूख नूरी ने कहा कि देश की स्वतंत्रता में हिंदुओं और मुसलमानों का मिश्रित योगदान रहा है। मौलाना अकबर अली ने कहा कि देश की आजादी में हमारे बुजुर्गो का बड़ा योगदान रहा है। मौलाना अबसार रजा हबीबी, शकील खां, हाजी असरार खां, रोमान अंसारी, हाफिज अरशद अली, दानिश अंसारी, हाफिज शाहिद, शहजिल खां, सलीम अंसारी, शोएब रजा, कारी रजी अहमद, हाफिज शहनवाज रजवी, हाफिज अब्दुल वाहिद नूरी, आरिफ अंसारी मौजूद रहे।

लेफ्ट हैंडर्स को किया सम्मानित

बरेली, अमृत विचार : केशलता इंटरनेशनल स्कूल में बुधवार को अंतर्राष्ट्रीय लेफ्ट हैंडर्स डे मनाया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य वाम हस्त लेखकों (बाएं हाथ से लिखने वाले) को सम्मान देना और उनकी प्रतिभा को प्रोत्साहित करना रहा। स्कूल के शिक्षकों ने सभी छात्रों और शिक्षकों को इस दिन के महत्व के बारे में बताया। स्कूल के प्रधानाचार्य ममतेश माहेश्वरी ने बताया बाएं हाथ से काम करने वाले लोग अद्वितीय होते हैं और उन्हें हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करना हमारा कर्तव्य है। उन्होंने बताया कि इस दिवस को मनाने का मुख्य कारण समाज में बाएं हाथ के लोगों के सामने आने वाली चुनौतियों के प्रति जागरूकता फैलाना है। कार्यक्रम में बाएं हाथ से लिखने वाले छात्रों की गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें चित्रकला और लेखन प्रतियोगिताएं शामिल रही। विजेता छात्रों को सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर स्कूल के उप-प्रधानाचार्या डॉ. निशा शर्मा, प्रशासनिक अधिकारी सुधांशु शर्मा आदि मौजूद रहे।

बैडमिंटन प्रतियोगिता में शाहजहांपुर बना विजेता

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : राजकीय इंटर कॉलेज एवं इस्लामिया गर्ल्स इंटर कॉलेज के तत्वाधान में बालक-बालिका मंडलीय विद्यालयी बैडमिंटन एवं टेबल टेनिस प्रतियोगिता का आयोजन स्पोर्ट्स स्टेडियम में किया गया। बैडमिंटन में बालक वर्ग में अंडर 19 में शाहजहांपुर विजेता और बदायूं उपविजेता रहा।

इसके अलावा अंडर 17 में शाहजहांपुर विजेता और बरेली उपविजेता रहा। अंडर 14 में शाहजहांपुर विजेता और बरेली उपविजेता रहा। वहीं बालिका वर्ग में अंडर 19 में शाहजहांपुर विजेता और बरेली उपविजेता, अंडर 17 बालिका में शाहजहांपुर विजेता व बरेली उपविजेता और अंडर 14 में बरेली विजेता और शाहजहांपुर उपविजेता रहा।

टेबल टेनिस में बालिका वर्ग में अंडर 19 में बरेली विजेता और पीलीभीत उपविजेता रही। अंडर 17 वर्ग में बरेली विजेता और पीलीभीत उपविजेता, अंडर 14 में बरेली विजेता और शाहजहांपुर उपविजेता रही। बालक वर्ग में अंडर 19 में बरेली विजेता, शाहजहांपुर उपविजेता, अंडर 17 में बरेली विजेता व शाहजहांपुर उपविजेता और अंडर 14 में बरेली विजेता और बदायूं की टीम उपविजेता रही।

बीटेक की रिक्त सीटों पर दूसरी स्पेशल ड्राइव आज

बरेली, अमृत विचार: रुहेलखंड विश्वविद्यालय में बीटेक की एससी और ईडब्ल्यूएस की रिक्त सीटों के लिए दूसरी स्पेशल ड्राइव चलाई जाएगी। जिन विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय के पोर्टल पर 27 जुलाई तक पंजीकरण किया है, वही काउंसिलिंग में शामिल हो सकेंगे।

ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल विभाग में 14 अगस्त को स्पेशल ड्राइव में सुबह 9 से 10 बजे तक शामिल होना होगा। एससी ओपन की सीएसआईटी में 1, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में 4, इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग में 3 और मैकेनिकल इंजीनियरिंग में 4, ईडब्ल्यूएस की इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में 2 सीटें रिक्त हैं।

पशुओं को निकालते समय बाढ़ के पानी में डूबकर किशोर की मौत

कार्यालय संवाददाता,संभल/जुनावई

अमृत विचार: मेंगरा गांव के रामसिंह पाली का 15 वर्षीय पुत्र राहुल छोटे भाई रोहित कुमार और गांव के अन्य बच्चों हरिओम व सत्यवीर के साथ पशु चराने ले गया था। सारे बच्चे पशुओं को बाढ़ का पानी पार कराकर दूसरी तरफ ले जा रहे थे। इसी दौरान राहुल गहरे पानी में डूब गया। रोहित एवं अन्य बच्चों ने शोर मचाया साथ ही उसे तलाश करने का प्रयास किया। कहीं पता नहीं चला तो बच्चों ने परिवार को बताया। ग्रामीणों ने काफी देर तक मशक्कत कर राहुल को बाहर निकाला परन्तु तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। शव को पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया।

मृतक राहुल।

मेंगरा गांव में परिवार को सांत्वना देतीं एसडीएम वंदना मिश्रा। • अमृत विचार

- भाई और अन्य बच्चों के साथ पशु चराने जा रहा था किशोर

लौटी दानिया, शादी और धर्म परिवर्तन से इनकार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : प्रेमनगर थाना क्षेत्र की रहने वाली दानिया खान छह महीने बाद एक बार फिर सामने आई हैं। अब दानिया खान ने प्रेमी के साथ शादी करने और धर्म परिवर्तन करने से साफ इनकार किया है। साथ ही सौतेली मां पर गंभीर आरोप लगाया है। इससे पहले वायरल हुए वीडियो में दानिया खान ने अपनी मर्जी से प्रेमी के साथ जाने और धर्म बदलकर शादी करने की बात कही थी।

थाना क्षेत्र की रहने वाली दानिया खान इसी साल फरवरी में घर छोड़कर सुर्खियों में आई थीं। छह महीने बाद बरेली लौटीं तो एक बार फिर चर्चा में आ गईं। अब दानिया ने कहा कि उसने अपना नाम और धर्म नहीं बदला है। हर्षित यादव के साथ शादी भी नहीं की है। वह वृंदावन में लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे थे। उसका आरोप है कि सौतेली मां ने पहले उसे हर्षित से दोस्ती करने के लिए उकसाया और फिर रुपये ऐंठने के इरादे से ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। दानिया 5 फरवरी 2025 की रात 8 बजे अचानक घर से लापता हो गई थी। पिता सुहैन रजा ने अगले दिन प्रेमनगर थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई। इस दौरान सोशल मीडिया पर दानिया के वीडियो सामने आए। दानिया ने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर कर कहा था उसका अपहरण नहीं हुआ है, वह बालिग है और अपनी मर्जी से हर्षित यादव के साथ है।

फतेहपुर में मकबरे पर हमला, मुसलमानों पर जुल्म

बरेली, अमृत विचार : ऑल इंडिया रजा एक्शन कमेटी (आरएसी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना अदनान रजा कादरी ने बुधवार को बयान में कहा कि फतेहपुर में मकबरे पर हमला मुसलमानों पर जुल्म भी है और वोट चोरी से ध्यान भटकाने की सियासी साजिश भी।

मौलाना अदनान रजा कादरी ने कहा कि मकबरे पर हमला करने वालों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। हमला करने वालों की साजिश थी कि हिंदू-मुस्लिम दंगे करवाए जाएं और उसका सियासी फायदा उठाया जाए। उन्होंने आगे कहा कि पुलिस, प्रशासन, शासन और न्यायपालिका को चाहिए कि मस्जिदों, मजारों और मकबरों पर हमले करने वालों पर सख्त कार्रवाई करे। उन्होंने कहा कि लाखों मुसलमानों के वोट काटे जाना उनके लोकतांत्रित अधिकार की चोरी नहीं बल्कि दिनदहाड़े डाला गया डाका है।

परचम कुशाई से होगा उर्स ए रजवी का आगाज

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- दरगाह आला हजरत की ओर से तीन रोजा उर्स ए रजवी का कार्यक्रम जारी
- जिला प्रशासन और दरगाह की इंतेजामिया कमेटी व्यवस्था बनाने में लगी

अमृत विचार : दरगाह आला हजरत की तरफ से बुधवार को तीन रोजा उर्स ए रजवी का कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। उर्स का आगाज 18 अगस्त को परचम कुशाई की रस्म से किया जाएगा। वहीं 20 अगस्त को इस्लामिया मैदान में कुल शरीफ की रस्म अदा की जाएगी। जिला प्रशासन और इंतेजामिया कमेटी की तरफ से व्यवस्था बनाने को लेकर दिन-रात तैयारी की जा रही है।

तीन रोजा उर्स ए रजवी 18, 19 और 20 अगस्त को मनाया जाएगा। उर्स को लेकर इस्लामिया मैदान से लेकर दरगाह आला हजरत तक तैयारियां अंतिम चरण में है। सभी तैयारियां दरगाह प्रमुख मौलाना सुब्हान रजा खान (सुब्हानी मियां) की सरपरस्ती व सज्जादानशीन मुफ्ती अहसन रजा कादरी (अहसन मियां) की सदारत और सय्यद आसिफ मियां की निगरानी में चल रही है। जिला प्रशासन और दरगाह कमेटी की टीम रात दिन व्यवस्था बनाने में लगी है। दरगाह से जुड़े नासिर कुरैशी ने बताया कि उर्स का आगाज 18 अगस्त को परचम कुशाई से और समापन 20 अगस्त दोपहर 2.38 मिनट पर आला हजरत के कुल शरीफ के साथ होगा। आजम नगर स्थित हाजी अल्लाह बख्श के निवास से परचमी जुलूस 4 बजे दरगाह के सज्जादानशीन मुफ्ती अहसन मियां की कयादत में कुमार टाकीज, इंदिरा मार्केट होते हुए दरगाह पहुंचेगा।

घरेलू कलह में फंदा लगाकर युवक ने दी जान

संभल/ओबरी,अमृत विचार: असमोली थाना क्षेत्र के एक गांव में मंगलवार की रात पत्नी से कहासुनी के बाद युवक ने कमरे में बंद होकर छत में लगे पंखे में रस्सी के सहारे फंदे पर लटक कर जान दे दी।

थाना क्षेत्र के एक गांव में मंगलवार की रात्रि युवक का पत्नी से कहासुनी हो गई थी। बताया जा रहा है कि कहासुनी के बाद युवक कमरा बंद करके सो गया। बुधवार की सुबह जब कमरे का दरवाजा काफी देर तक नहीं खुला तो परिजनों को चिंता होने लगी। देखते ही देखते घर में आसपास के लोगों की भीड़ इकटठा हो गई। कमरे का दरवाजा तोड़कर अंदर पहुंचे लोग नजारा देखकर घबरा गए। अंदर युवक पंखे से फंदे पर लटका हुआ था। उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस को घटना की सूचना दिए बिना परिजनों ने बुधवार की सुबह शव का अंतिम संस्कार कर दिया।

ग्राम समाज की भूमि पर कब्जे का आरोप

संवाददाता, कांठ

अमृत विचार: भारत युग जनता पार्टी के पदाधिकारियों एवं ग्राम मदूदत कलमी के ग्रामीणों ने गांव के एक व्यक्ति पर ग्राम समाज की 20 बीघा जमीन और अन्य लोगों की जमीन पर अवैध कब्जे का आरोप लगाते हुए एसडीएम को ज्ञापन देकर कार्रवाई की मांग की है।

बुधवार को एसडीएम को दिए ज्ञापन में बताया कि महदूत कलमी निवासी एक भूमाफिया जिस पर थाना कांठ में आधा दर्जन अभियोग पंजीकृत हैं, उसने 20 बीघा ग्राम समाज की जमीन पर जबरन कब्जा गोरखपुर माफी मौजे में कर रखा है और निजाम तुला के नाम की दो बीघा जमीन पर भी उसने अवैध रूप से कब्जा कर रखा है। तहसील के कर्मचारियों से सांठ गांठ कर वह ग्राम समाज की जमीन को दबंगई के बल पर कई वर्षों से जोत कर फसल उगा रहा है। एसडीएम ने टीम गठित कर जांच के बाद कार्रवाई के निर्देश अधीनस्थों को दिए। इस दौरान निजाम तुला, राहुल सैनी, विधानसभा अध्यक्ष मेहर सिंह, ऋतिक पवार, अर्जुन सिंह, अनिल कुमार, शिवम कुमार, संजय कुमार, राजू, जितेंद्र, अजय, सुमित, स्वराज सिंह, रोहित, गौतम, ओमप्रकाश, संजीव आदि मौजूद रहे।

एसडीएम को ज्ञापन देते ग्रामीण। • अमृत विचार

हजयात्रा के लिए 723 लोगों का चयन

बरेली, अमृत विचार: हज कमेटी ऑफ इंडिया ने 2026 की हजयात्रा के चयनित आजमीन (हज यात्रियों) की सूची जारी कर दी है। चयनित हज यात्रियों को 20 अगस्त तक एक लाख 52 हजार 300 रुपये जमा करने होंगे। जिले से हजयात्रा में 723 आजमीन का सेलेक्शन हुआ है। वहीं बदायूं से 145, शाहजहांपुर से 108, पीलीभीत से 123 आजमीन का चयन हुआ है। जबकि 2025 की हजयात्रा पर बरेली से 519, बदायूं से 97, शाहजहांपुर से 102, पीलीभीत से 69 लोग गए थे।

न्यायालय ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/उप जिलाधिकारी, मीरगंज बरेली
वाद संख्या-टी202512130600316

1. मुरारी लाल पुत्र भूरेलाल निवासी ग्राम बीसलपुर तहसील मीरगंज जिला बरेली ....वादी बनाम

1. कुलदीप कुमार पुत्र झम्मनलाल 2. टीकाराम पुत्र भूरेलाल 3. प्रदीप कुमार पुत्र झम्मनलाल 4. वनवारी लाल पुत्र भूरेलाल 5. रामप्यारी पत्नी झम्मनलाल 6. विद्याराम पुत्र भूरेलाल निवासीगण ग्राम बीसलपुर तहसील मीरगंज जिला बरेली 7. अध्यक्ष भूमि प्रबन्धक समिति/ग्राम पंचायत बीसलपुर तहसील मीरगंज जिला बरेली द्वारा ग्राम प्रधान .... प्रतिवादीगण अंतर्गत धारा 116 उ.प्र. राजस्व संहिता 2006 आराजी ग्राम बीसलपुर परगना सरसावां तहसील मीरगंज, जिला बरेली।

चूंकि मुरारी लाल पुत्र भूरेलाल निवासी ग्राम बीसलपुर तहसील मीरगंज जिला बरेली ने धारा 116 उ.प्र. राजस्व संहिता 2006 वाद दायर किया है। लिहाजा आपको हुक्म दिया जाता है कि आप तारीख 21.08.2025 को असालतन या मार्फत किसी वकील के जो मुकदमा हाजा से बखूबी वाकिफ हो और जो मुकदमा हाजा को जवाब दे, होकर मय कागजात मुकदमा के हाजिर हो वरना आपकी गैरहाजरी में मुकदमा हाजा फैसला कर दिया जायेगा।

आज तारीख 07.08.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं मुहर अदालत से जारी किया गया।
ज्वाइंट मजिस्ट्रेट उप जिलाधिकारी, मीरगंज, बरेली।

पर्यावरण सरंक्षण का दिया संदेश

बरेली, अमृत विचार: अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस के मौके पर बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के कॉलेज ऑफ फार्मेसी एवं रोहिलखंड कॉलेज ऑफ फार्मेसी में कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें पर्यावरण संरक्षण एवं औषधियों के लिए नए पौधों का प्रत्यारोपण किया गया। इस आयोजन में एनएसएस प्रोग्राम अधिकारी प्रशांत कुमार शर्मा मौजूद रहे।

केशलता स्कूल में श्री कृष्ण के रूप में पहुंचे नन्हे-मुन्ने बच्चे

बरेली, अमृत विचार : केशलता इंटरनेशनल स्कूल में बुधवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें छोटे बच्चे राधा और कृष्ण की वेशभूषा में पहुंचे। बच्चों के नृत्य और मुस्कान ने कृष्ण के बचपन की शरारतों को जीवंत कर दिया। इस अवसर पर छात्रों ने जय कन्हैया लाल की के जयकारे लगाए। निदेशिका डॉ. लता अग्रवाल ने बच्चों की सराहना करते हुए कहा ऐसे उत्सव हमें अपनी संस्कृति से जोड़े रखते हैं। उप प्रधानाचार्य ममतेश माहेश्वरी ने बताया भगवान कृष्ण ने अपने कर्मों और धर्मनिष्ठा से संसार को सही राह दिखाई। कृष्ण हमें यह सिखाते हैं कि विपरीत परिस्थितियों में भी हमें साहस, प्रेम और न्याय का साथ नहीं छोड़ना चाहिए।

वन्यजीव गणना

बरेली में लंगूरों का बढ़ा कुनबा जबकि बंदरों की संख्या में आ रही कमी

वन्यजीवों ने बदायूं को बनाया नई पनाहगाह

मोनिस खान, बरेली

- बरेली में 66 प्रतिशत हुए कम जंगली जानवर, शाहजहांपुर में भी बढ़ोतरी
- बरेली में भेड़ियों की संख्या शून्य, सियारों ने भी समेटना शुरू किया कुनबा

अमृत विचार : वन्यजीव गणना में वन विभाग के आंकड़े चौकाने वाले हैं। बरेली वृत्त में बदायूं जिला वन्यजीवों की नई पनाहगाह के रूप में उभरा है, जबकि बरेली जिले में वन्यजीवों की संख्या में भारी गिरावट आई है। वन विभाग ने तीन साल में होने वाली वन्य जीव गणना में वर्ष 2022 के मुकाबले इस साल हुई वन्यजीव गणना में बदायूं में सबसे ज्यादा जंगली जानवर चिह्नित किए हैं, वहीं बरेली में संख्या लगभग 66 प्रतिशत घट गई। इसके अलावा शाहजहांपुर में मामूली बढ़ोतरी देखी गई है।

वन विभाग ने ताजा वन्य जीव गणना में करीब 29 प्रजातियों की गिनती की है। इनमें हिरण, फिशिंग कैट, लंगूर, बंदर, मोर, सियार, भेड़िया, भालू, जंगली सुअर जैसे वन्यजीव शामिल हैं। गणना के मुताबिक सबसे ज्यादा 53972 वन्यजीव बदायूं जिले में चिह्नित किए गए हैं। तीन साल पहले हुई गणना में ये संख्या 50828 थी। सबसे चौंकाने वाले आंकड़े बरेली जिले के हैं। यहां वन्यजीवो की संख्या 13776 से घटकर महज 4708 रह गई है, जबकि शाहजहांपुर में संख्या बढ़कर 17578 हो गई। तीन साल पहले यहां 17295 वन्यजीव चिह्नित किए गए थे।

लंगूरों की दस्तक से बंदरों का पलायन

बरेली वृत्त में लंगूरों ने अपना कुनबा बढ़ाना शुरू किया है, इसके चलते बंदरों ने जंगलों से दूरी बनानी शुरू कर दी है। बरेली में सबसे ज्यादा गिरावट बंदरों की संख्या में ही आई है। जिले में बंदर 6019 से घटकर महज 1272 ही रह गए। दूसरी तरफ लंगूरों की संख्या आश्चर्यजनक तरीके से तीन साल में 14 से बढ़कर 506 हो गई है। सबसे ज्यादा लंगूर बरेली में ही चिह्नित किए गए हैं। चूंकि बंदर लंगूर को देखकर भागते हैं, लिहाजा बंदरों के कम होने की बड़ी वजह लंगूरों की संख्या में बढ़ोतरी को माना जा रहा है। बदायूं में 31 और शाहजहांपुर में 36 लंगूर चिह्नित किए गए हैं।

बरेली में सियारों ने समेटा कुनबा तो भेड़िये गायब: बरेली जिले में सियार कम होने लगे हैं, जबकि भेड़िये अचानक गायब हो गए हैं। बरेली जिले में तीन साल पहले कागजों में भेड़ियों की संख्या 418 थी, वहीं ताजा वन्य जीव गणना में कोई भी भेड़िया नहीं मिला है। शाहजहांपुर में भी कोई भेड़िया नहीं मिला है, जबकि बदायूं में 13 भेड़िये मिले हैं। दूसरी तरफ सियार जिले में 1350 से घटकर 622 रह गए। बदायूं में सियारों की संख्या 1819 से बढ़कर 2217 और शाहजहांपुर में 814 से घटकर 681 हो गई है।

राष्ट्रीय पक्षी मोर को भा रही बरेली की आबोहवा

बरेली जिले में राष्ट्रीय पक्षी मोरों की संख्या बीते तीन सालों में बढ़ी है। इस बार 373 मोर चिन्हित किए गए हैं, जबकि तीन साल पहले ये संख्या महज 218 थी। इसके अलावा बदायूं में 2419 और शाहजहांपुर में 1424 थी। तीन साल पहले इन दोनों जिलों में ये संख्या क्रमशः 2990 व 1785 थी। यानि बदायूं और शाहजहांपुर दोनों ही जगह राष्ट्रीय पक्षी मोर की संख्या घटी है।

धनवंतरि छात्रावास जर्जर होने पर छात्रों से खाली कराया

बरेली, अमृत विचार : एसआरएम राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज का भवन कई साल पहले जर्जर की श्रेणी में शामिल किया गया था। अब कॉलेज का धनवंतरि छात्रावास पूरी तरह जर्जर की श्रेणी में घोषित हो गया। इसके बाद इसे छात्रों से खाली करा लिया गया है।

एसआरएम राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय एवं चिकित्सालय के प्रबंधन ने 40 कमरों के धनवंतरि छात्रावास को जर्जर घोषित कर खाली करा लिया है। इसमें लगभग 70 छात्र रह कर पढ़ाई कर रहे थे। बीते दिनों राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा पद्धति आयोग (एनसीआईएसएम) व लखनऊ की टीमों ने आकर कॉलेज के छात्रावास को रहने लायक नहीं बताते हुए इसे मानकों में फेल कर दिया। छात्रावास के बाहरी कमरों और स्तंभ पर दरारें आ चुकी हैं। बता दें कि दो माह पहले बारिश के समय में ही छात्रावास के छज्जे की दीवार आधी रात को गिर चुकी है। वहीं कॉलेज के भवन की स्थिति भी खराब है, इसे 2017 से ही जर्जर श्रेणी में शामिल किया गया है। इसमें जगह-जगह सीलन और दरार आ चुकी है। जिसमें प्रतिदिन न्यूनतम 200 मरीजों की आवाजाही, 200 डॉक्टरों और कर्मचारियों का स्टाफ और 350 से अधिक छात्र-छात्राएं व इंटर्न का आवागमन होता है। जिसके नव निर्माण के लिए आठ साल से जमीन की तलाश जारी है।

प्रा.वि. धारमपुर वि.क्षे. फरीदपुर, बरेली

पत्रांक : 261-62/2025-26 नीलामी सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत लौंगपुर प्राथमिक विद्यालय ग्राम धारमपुर विकास खण्ड फरीदपुर जनपद बरेली के विद्यालय में खड़े पुराने 26 युकेलिप्टस के वृक्षों की खुली नीलामी दिनांक 18.08.2025 को समय प्रात: 10:00 बजे से क्रमश: विद्यालय प्रांगण में की जानी है। क्रय करने हेतु इच्छुक बोलीदाता व्यक्ति ससमय उपस्थित होने का कष्ट करें।

अध्यक्ष
प्रबन्ध समिति प्रा.वि. धारमपुर
वि.क्षे. फरीदपुर, बरेली।

प्रधानाध्यापक
प्रा.वि. धारमपुर
वि.क्षे. फरीदपुर, बरेली।

कार्यालय ग्राम पंचायत सिकन्दरपुर कलां वि.खं. मदनापुर, शाहजहांपुर

कोटेशन टेण्डर

सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत सिकन्दपुर कलां वि.खं. मदनापुर, शाहजहांपुर में वित्तीय वर्ष 2025-26 में मनरेगा योजना के अन्तर्गत ग्राम पंचायत में निम्न कार्य कराये जाने हेतु विभिन्न फर्मे सम्पर्क कर सकती है, जिसमें ईंट, रोड़ा, रेता, सीमेन्ट, इंटरलॉकिंग ईट, बजरी, मौरंग आदि क्रय की जानी है। जिसकी मोहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है। कार्य का नाम:- 1. प्यारे के मकान से राजेन्द्र के मकान तक नाली व इंटरलॉकिंग कार्य 2. होली से रामखिलौना के मकान तक इंटरलॉकिंग व नाली निर्माण। 3. गौटिया में मेन रोड से वेदपाल के मकान तक इंटरलॉकिंग व नाली 4. रोड से बग्गा सरदार के घर तक इंटरलॉकिंग कार्य।

सचिव
परवीन कुमार

प्रधान
सीता देवी

जो व्यक्ति अपने आप को नियंत्रित करता है, वही दूसरों को भी नियंत्रित कर सकता है।
-चाणक्य, नीतिकार-अर्थशास्त्री

आयोग से सहमत अदालत

बिहार में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण पर सुप्रीम कोर्ट में जारी बहस के बीच कोई निर्णायक टिप्पणी करना उचित नहीं होगा। परंतु पहले दिन की बहस के बाद माननीय उच्चतम न्यायालय ने जो स्थापनाएं दीं और जो जनमाध्यमों के जरिए आमजन तक पहुंचीं, उनके किंतु-परंतु पर और ध्वस्त विपक्ष के विकल्पों पर चर्चा आवश्यक है। मतदाता सूची में नाम शामिल करने या हटाने का सर्वाधिकार चुनाव आयोग के पास सुरक्षित है। न्यायालय का यह कहना नितांत न्यायसंगत है, क्योंकि अनुच्छेद 324 और रिप्रजेंटेटिव ऑफ पीपुल्स एक्ट, 1950 की धारा 21(3) के तहत आयोग को मतदाता सूची में संशोधन का पूरा अधिकार प्राप्त है। इससे यह स्पष्ट हो गया कि मतदाता तय करने का अधिकार चुनाव आयोग के पास ही है और विपक्ष का यह दावा कि यह अधिकार उससे छीन लिया गया है, अब निराधार सिद्ध हुआ। आधार, राशन, वोटर, पेंशन आदि कार्डों को नागरिकता का प्रमाण न मानने और इसके लिए अलग पुष्टिकारक दस्तावेज की आवश्यकता की बात भी तर्कसंगत है। संभव है कि अपनी अगली सुनवाई में अदालत ऐसा कोई प्रमाणपत्र तय कर दे जो नागरिकता प्रमाणित करने के लिए पर्याप्त हो। उच्चतम न्यायालय की यह पहल हमें उस शर्म से बचा सकती है कि आज़ादी के इतने वर्षों बाद भी आम नागरिक के पास अपनी नागरिकता प्रमाणित करने का एक पूर्ण और पुख्ता दस्तावेज नहीं है। विपक्ष लगातार यह रट लगाए हुए था कि राज्य चुनाव आयोग द्वारा पहचान प्रमाण के तौर पर मांगे गए अधिकांश दस्तावेज मतदाताओं के पास नहीं हैं। न्यायालय द्वारा 2025 की मतदाता सूची में दर्ज मतदाताओं को यथावत बनाए रखने का विपक्षी तर्क हो या एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स द्वारा दी गई यह दलील कि इस प्रक्रिया के चलते लाखों मतदाताओं को मनमाने ढंग से सूची से बाहर कर दिया जाएगा- अदालत ने इन तर्कों को स्वीकार नहीं किया और मतदाता सूची की गहन संशोधन प्रक्रिया को उचित माना। सभी मानेंगे कि विगत दो दशकों में इस तरह का कोई पुनरीक्षण न होने से मतदाता सूची में विसंगतियां स्वाभाविक हैं। समूचे राज्य की जनांकिकी (डेमोग्राफी) बदल चुकी है। नए मतदाताओं को शामिल करने और मृत अथवा स्थान परिवर्तन या पलायन कर चुके मतदाताओं को हटाने के लिए यह आवश्यक प्रक्रिया है। बेशक चुनाव आयोग की यह पहल उचित और आवश्यक है, परंतु इसकी प्रक्रिया पर उठ रहे प्रश्नों का उत्तर देना आयोग का दायित्व है। उसे चाहिए कि ड्राफ्ट सूची से बाहर किए गए 31 लाख महिला और 25 लाख पुरुष मतदाताओं के विवरण, मृत और पलायन कर चुके मतदाताओं के प्रमाण भी सार्वजनिक करे। यह साक्षात देखा गया है कि जो मतदाता सूची में मृत घोषित थे, वे अदालत में जीवित उपस्थित थे। इससे आयोग यह सिद्ध कर सकेगा कि वह सूची की पूर्णता, सटीकता और निष्पक्षता की कसौटी पर खरा उतरता है।

प्रसंगवश

दही बिलोकर बनाया देसी घी है ज्यादा मुफीद

घी का सेवन भारतीय आहार की विरासत और पोषण के साथ गहराई से जुड़ा हुआ है। शुद्ध घी को लेकर जब बात होती है, तो गाय या भैंस के दूध से बनाई गई दही को मथने से प्राप्त घी की ही होती है। दुधारू पशु को अगर जंगल में चराने के लिए नियमित तौर पर ले जाया जाता है, तब इसका असर दूध की गुणवत्ता, स्वाद, गाढ़ेपन और अंततः घी में मौजूद अनेक तत्वों की मौजूदगी, इसकी पोषणता और इन सभी की मात्रा पर लाजिमी तौर से पड़ता है। यह कहना उचित है कि घी शुद्ध और पौष्टिक तत्वों से भरपूर है। पशु की देखभाल, इसके आहार, नस्ल, आयु, आहार में खिलाई जाने वाली अतिरिक्त खाद्य वस्तुएं घी की संरचना और पौष्टिकता को तय करते हैं। बीमारी के दौरान पशु को दी जाने वाली औषधि और परिवेशी तापमान का भी कुछेक बार दूध और घी की गुणवत्ता पर असर पड़ता है, क्योंकि दवा की सूक्ष्मात्रिक उपस्थिति दूध और घी में बनी रह सकती है।

रनबीर सिंह
विज्ञान लेखक

पशु स्रोत से प्राप्त किए गए दूध और इससे बनाए गए खाद्य पदार्थों का इंडस्ट्रियलाइजेशन होने के बाद से फैक्ट्री में निर्मित घी पूरे तौर से शुद्ध होता है या नहीं, इसके बारे में स्थिति संदिग्ध है। बेशक इसकी पैक्ड मार्केटिंग के लिए लेबल पर फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया का लोगो प्रकाशित किया है। प्रोसेसिंग के दौरान इसमें स्वीकृत और अहानिकारक खाद्य तेल को हाइड्रोजीनेट करके मिलावट की जा सकती है। घी बनाने से पहले दूध से कुछ तत्वों को निकाल लिया जाता है। मिल्क प्लांट्स में घी बनाने की प्रक्रिया में दही बनाकर इसे मथा या बिलोया नहीं जाता, बल्कि सेंट्रीफ्यूज प्रोसेस से दूध में से ही मिल्क-फैट को पृथक कर लिया जाता है। तत्पश्चात इसे गर्म करके सॉलिड इंप्योरिटीज को निथार कर निकालने और रासायनिक तौर से जांच करके डिब्बाबंद करके सील लगा दी जाती है। सन् 1972 में एनसी गांगुली और एमके जैन ने संयुक्त रूप से जर्नल ऑफ डेयरी साइंस की वॉल्यूम 56 के प्रथमांक में प्रकाशित किए गए समीक्षा शोध पत्र घीः इट्स केमिस्ट्री, प्रोसेसिंग एंड टेक्नोलॉजी में इस प्रक्रिया को विस्तार से बताया है।

भारत में दो तरह की वैज्ञानिक रीतियों से घी के बारे में, इसके उपयोग और उपभोग के बाद शरीर में इसके असर को समझा जा सकता है। एक रीति है आयुर्वेदाचार्यों की बताई हुई और दूसरी है, आधुनिक रसायन और बायोमेडिकल साइंस की। आयुर्वेदाचार्यों ने घी के बारे में किस तरह से शोध करके इसके गुणों और स्वास्थ्य से इसका संबंध स्थापित किया था, यह जानना दिलचस्प होगा। इसके लिए हमें महर्षि चरक की संहिता के भीतर झांकना होगा। घी, वसा, चर्बी और कोलेस्ट्रॉल चार चिकने पदार्थ हैं। पहली बात तो यह कि घी और अन्य तीन में कौन से पदार्थों की मौजूदगी इसे एक विलक्षण वस्तु बनाती है। महर्षि चरक ने घी को घृत एवं गौ-रस बताया है। महर्षि ने घोड़ी और गधी जैसे एक खुर वाले जंतुओं, हथिनी और गाय, भैंस, ऊंटनी, भेड़-बकरी और मनुष्य मां के दूध की परीक्षा करके इनके गुणों और विशेषताओं पर अन्नपानविधि अध्याय-27 में विस्तार से बताया है।

करनाल स्थित नेशनल डेयरी रिसर्च इंस्टिट्यूट की एनालिसिस के मुताबिक़ दूध से प्राप्त शुद्ध घी की भौतिक-रासायनिक रचना को देखें तो यह ग्लिसराइड्स, मुक्त फैटी एसिड, फॉस्फोलिपिड्स, स्टेरोल्स, स्टेरोल एस्टर, वसा में घुलनशील विटामिन, कार्बोनिल, हाइड्रोकार्बन, कैरोटीनॉयड्स जो कि केवल गाय के दूध से बने घी में होते हैं, कैसिइन की राख की सूक्ष्म मात्रा और कैल्शियम, फास्फोरस और आयरन से बना हुआ एक जटिल लिपिड है। इसमें 0.3 प्रतिशत से अधिक नमी नहीं होती है। ग्लिसराइड्स कुल सामग्री का लगभग 98 प्रतिशत होते हैं। शेष लगभग दो प्रतिशत घटकों में से, स्टेरोल्स या अधिकांशतः कोलेस्ट्रॉल लगभग 0.5 प्रतिशत तक होते हैं। घी में पानी में घुलनशील या हाइड्रोलायिज होने वाले विटामिन ए, डी, ई मौजूद रहते हैं, जो दृष्टि, हड्डियों के स्वास्थ्य, एंटीऑक्सीडेंट सुरक्षा और रक्त के थक्के जमने में सहायक होते हैं।

राष्ट्र गौरव का उत्सव है हर घर तिरंगा अभियान

योगेश कुमार गोयल
वरिष्ठ पत्रकार

'हर घर तिरंगा' पहल चौथे संस्करण में प्रवेश कर चुकी है। यह केवल ध्वज फहराने का अभियान नहीं बल्कि राष्ट्रीय गौरव का जनआंदोलन है।

भारत के राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे की शान और उसकी महिमा केवल कपड़े के तीन रंगों में नहीं बल्कि करोड़ों भारतीयों की भावनाओं, सपनों और बलिदानों में बसी हुई है। तिरंगा केवल तीन रंगों और एक चक्र संयोजन नहीं, भारत की आत्मा, पहचान और गौरव का प्रतीक है। यह केवल एक ध्वज नहीं, स्वतंत्रता, एकता और राष्ट्रीय गर्व का जीवंत प्रतीक है। इसमें वह शक्ति है, जो देश के हर नागरिक को एकता के सूत्र में बांध सकती है। केसरिया रंग त्याग और साहस, सफेद रंग शांति और सत्य, तथा हरा रंग समृद्धि और विकास का संदेश देता है। अशोक चक्र न्याय, प्रगति और निरंतर गतिशीलता का प्रतीक है। 'हर घर तिरंगा' पहल आज केवल एक सरकारी अभियान नहीं है बल्कि यह एक विशाल जन आंदोलन में बदल चुका है, जिसने देश के कोने-कोने में देश भक्ति की ऐसी लहर पैदा कर दी है, जिसकी गूंज हर दिल में सुनाई देती है। वर्ष 2022 में जब 'हर घर तिरंगा' अभियान की शुरुआत हुई थी, तब शायद ही किसी ने सोचा होगा कि यह एक विशाल जनांदोलन का रूप ले लेगा। इस वर्ष इस पहल का चौथा संस्करण दो अगस्त से शुरू होकर 15 अगस्त तक पूरे देश में जोश और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है।

अभियान की शुरुआत और उद्देश्य

वर्ष 2022 में भारत जब अपनी स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे कर रहा था, केंद्र सरकार ने 'आजादी का अमृत महोत्सव' के तहत एक अनोखी पहल की थी 'हर घर तिरंगा'। इस पहल का उद्देश्य केवल ध्वज फहराना भर नहीं था, बल्कि हर नागरिक को अपने राष्ट्रीय ध्वज से एक व्यक्तिगत और भावनात्मक जुड़ाव महसूस कराना था। उससे पहले तिरंगा केवल सरकारी भवनों, स्कूलों या विशेष अवसरों पर ही फहराया जाता था। आम नागरिकों के घरों में इसे फहराना उतना प्रचलित नहीं था, लेकिन इस अभियान ने इसे जन-जन तक पहुंचाया और लोगों को अहसास दिलाया कि तिरंगा केवल सरकारी पहचान नहीं बल्कि हम सबकी पहचान है। वर्ष 2022 में 'भारतीय ध्वज संहिता 2002' में भी ऐतिहासिक संशोधन किए गए, जिससे तिरंगे को दिन के साथ-साथ रात में भी पर्याप्त रोशनी में फहराने की अनुमति मिली। पहले नियम था कि तिरंगा केवल सूर्योदय से सूर्यास्त तक ही फहराया जा सकता है, लेकिन 20 जुलाई 2022 के संशोधन के बाद, अब इसे रात में भी फहराया जा सकता है, बशर्ते यह खुले स्थान पर पर्याप्त रोशनी में हो। साथ ही, हाथ से काते या बुने हुए कपड़े के अलावा मशीन से बने कपास, पॉलिएस्टर, ऊन, रेशम और खादी के झंडे को भी अनुमति दी गई।

अभियान का विस्तार और रिकॉर्ड

2022 का अभियान अभूतपूर्व रहा। संस्कृति मंत्रालय के अनुसार, 23 करोड़ से अधिक परिवारों ने उस वर्ष अपने घरों में तिरंगा फहराया। लगभग 6 करोड़ लोगों ने 'हर घर तिरंगा' वेबसाइट पर अपनी 'सेल्फी विद तिरंगा' अपलोड की थी। डाक विभाग ने इस अभियान को अंतिम छोर तक पहुंचाने के लिए विशेष प्रयास किए, ताकि देश के सबसे सुदूर और दुर्गम क्षेत्रों में भी राष्ट्रीय ध्वज उपलब्ध हो सके। 2023 में यह अभियान और व्यापक हुआ। उस वर्ष 10 करोड़ से अधिक तिरंगा सेल्फी अपलोड की गई। यही नहीं, चंडीगढ़ में 5,885 लोगों की भागीदारी के साथ राष्ट्रीय ध्वज लहराते हुए 'दुनिया की सबसे बड़ी मानव श्रृंखला' का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बनाया गया। यह न केवल अभियान की सफलता थी, बल्कि दुनिया को यह संदेश भी था कि भारत का राष्ट्रीय ध्वज करोड़ों दिलों को एक सूत्र में बांध सकता है। 2024 में भी यह उत्साह बरकरार रहा। पांच करोड़ से अधिक लोगों ने अपनी 'सेल्फी विद तिरंगा' वेबसाइट पर साझा की। अब 2025 में यह अभियान अपने चौथे संस्करण में प्रवेश कर चुका है, जो दो अगस्त से 15 अगस्त तक चल रहा है। संस्कृति मंत्रालय ने इस वर्ष भी नागरिकों से अपील की है कि वे तिरंगा स्वयंसेवक बनकर अधिक से अधिक लोगों को जोड़ें। उन्हें अपने घरों में तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित करें और देशभक्ति की भावना को नई ऊंचाईयों तक पहुंचाएं।

एक राष्ट्र, एक राष्ट्रगान, एक झंडा

'हर घर तिरंगा' केवल ध्वज फहराने का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह 'एक राष्ट्रगान, एक झंडा और एक राष्ट्र' की भावना का विस्तार है। यह हमें याद दिलाता है कि भले ही हम अलग-अलग भाषाएं बोलते हों, अलग-अलग संस्कृतियों में जीते हों, लेकिन हमारा राष्ट्रीय ध्वज हमें एकता के सूत्र में पिरोता है। इस वर्ष का अभियान 'हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता' स्वतंत्रता और स्वच्छता के इस संगम को जीवंत करता है, जहां तिरंगा राष्ट्रीय गर्व का प्रतीक है और स्वच्छता हमारे जीवन मूल्यों और संस्कारों का दर्पण। यह केवल सरकारी अभियान नहीं बल्कि प्रत्येक नागरिक का व्यक्तिगत संकल्प है कि हम न सिर्फ अपने घर, मोहल्ले और देश को स्वच्छ रखें, ताकि आने वाली पीढ़ियां भी गर्व से इस धरा पर जीवन जी सकें। स्वच्छ वातावरण में लहराता तिरंगा न केवल स्वतंत्रता का संदेश देगा बल्कि यह भी जताएगा कि हमने आजादी के साथ जिम्मेदारी निभाना भी सीखा है।

सम्मान व मर्यादा का संहिता-पत्र

राष्ट्रीय ध्वज के महत्व को समझना उतना ही आवश्यक है, जितना उसे फहराना। 'भारतीय ध्वज संहिता 2002' राष्ट्रीय ध्वज से संबंधित सभी कानूनों, परंपराओं और दिशा-निर्देशों का संकलन है। तिरंगे को हमेशा सम्मान के साथ प्रदर्शित किया जाना चाहिए। क्षतिग्रस्त या मैला झंडा फहराना अपमानजनक है। इसे किसी भी अन्य ध्वज के साथ एक ही मस्तूल पर नहीं फहराया जा सकता, न ही इसे उल्टा प्रदर्शित किया जा सकता है। राष्ट्रीय ध्वज का उपयोग सजावट, परिधान, वस्त्र या किसी वस्तु को ढकने के लिए नहीं किया जा सकता। यह जमीन, पानी या फर्श को स्पर्श नहीं करना चाहिए।

आमने सामने

विजन पांच साल का होना चाहिए, लेकिन आपने 22 साल आगे का विजन रखा है। यह वोट बैंक के लिए लॉलीपॉप है। भविष्य की बातें बाद में होंगी पहले अतीत का हिसाब होना चाहिए था।
– शिवपाल सिंह यादव
सपा नेता

पूर्व की सरकारों में सड़कों का बुरा हाल था। कानून-व्यवस्था की स्थिति बेहद खराब थी। बिजली की हालत क्या थी, ये भी सब जानते हैं, लेकिन मौजूदा सरकार ने इन व्यवस्थाओं को दुरुस्त किया है।
– ब्रजेश पाठक
उप मुख्यमंत्री, यूपी

युद्ध की तैयारी और कुछ वाजिब चिंताएं

अमित नारायन
लेखक

थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी का बयान अहम है। उन्होंने कहा है, 'युद्ध की हमें तैयारी रखनी होगी।' यकीनन भारतीय सेना का आधुनिकीकरण हो रहा है। उसे और समन्वित करने की जरूरत है।

'अगला युद्ध जिसकी हम कल्पना कर रहे हैं, वह जल्दी ही हो सकता है। हमें इसके मुताबिक तैयारी करनी होगी और इस बार मिलकर यह लड़ाई लड़नी होगी।' थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने अगर पाकिस्तान के संदर्भ में चेतावनी भरी यह आशंका प्रकट की है, तो निश्चित रूप से इसके पीछे वह ठोस जमीनी कारण होंगे, जिनसे भारतीय सेना परिचित है। थलसेना प्रमुख ने जिस तरह ऑपरेशन सिंदूर को किसी भी पारंपरिक मिशन से अलग, शतरंज की बाजी जैसा नई रणनीति वाला संघर्ष बताकर आगे के लिए मिलकर लड़ने और मजबूत नैरेटिव मैनेजमेंट के साथ तैयार रहने पर जोर दिया है, वह वास्तव में समय की जरूरत है। किसी भी युद्ध में सेना के तीनों अंगों का समन्वय सबसे अहम रणनीति होती है।

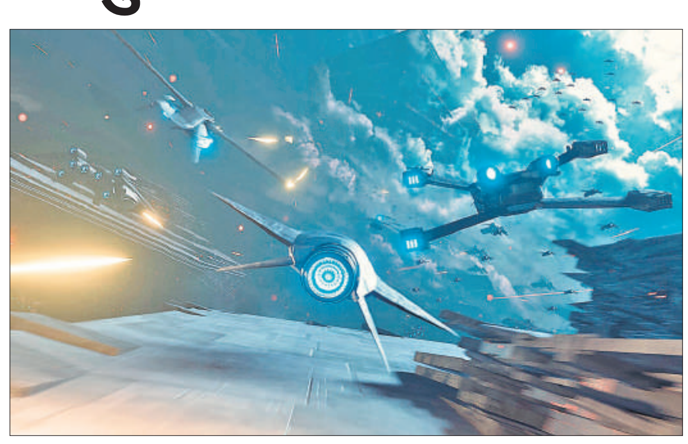

सेना प्रमुख की मिलकर लड़ने की बात इसी परिप्रेक्ष्य में आई है। शायद इसकी वजह यह हो सकती है कि भारतीय सेना का जो आधुनिकीकरण हो रहा है, वह अभी उतना समन्वित नहीं है, जितनी भविष्य की जरूरत है। इसके लिए इंटीग्रेटेड थिएटर कमान की योजना को तेजी से ऑपरेशनल बनाने की आवश्यकता है। इसी तरह सेना प्रमुख अगर यह कह रहे हैं कि ऑपरेशन सिंदूर से जिस चीज को हमने बड़े पैमाने पर समझा वह नैरेटिव मैनेजमेंट रहा, तो भविष्य की तैयारियों में इसका भी खास ख्याल रखना जरूरी है, क्योंकि सेना प्रमुख का यह कहना बेमानी नहीं है कि जीत दिमाग में होती है और हमेशा दिमाग में रहती है। इसमें दो राय नहीं कि भारत-पाकिस्तान के बीच तीन माह पहले हुआ चार दिन का सैन्य संघर्ष पिछले युद्धों से हटकर था। इसमें तमाम मानदंड भी टूटे। बड़े पैमाने पर नए उपकरण जुटाए गए। थल सेना की ज्यादा भूमिका नहीं थी। दुश्मन के इलाके में प्रवेश तो दूर, हवाई क्षेत्र में भी किसी मानव युक्त विमान के प्रवेश का कोई सबूत सामने नहीं आया। सारी लड़ाई मिसाइलों और ड्रोन से लड़ी गई, जिसमें ड्रोन पसंदीदा हथियार के रूप में उभरे। इससे सबक लेते हुए भविष्य के युद्ध की तैयारी के लिए थल सेना ने अपने विभिन्न अंगों के लिए विशेष ड्रोन बटालियन तैयार करने का फैसला लेकर सही कदम उठाया है।

वैसे भी दुनिया भर में पिछले दिनों जहां भी युद्ध हुए हैं, या जारी हैं, सभी जगह ड्रोन का बड़े पैमाने और प्रभावी ढंग से इस्तेमाल देखा जा रहा है। इसका बड़ा कारण ड्रोन का आमतौर पर सस्ता होना और दुश्मन के अरबों रुपये के आधुनिक टैंकों या विमानों को नष्ट करने की क्षमता से लैस होना है। पहले पैदल फौज के बीच आमने-सामने की लड़ाई हुआ करती थी, लेकिन अब यह काम मशीनों को सौंप दिया गया है।

हाईटेक ड्रोन वॉरफेयर के साथ कंप्यूटर से कंट्रोल होने वाले बिना पायलट वाले लड़ाकू विमान बन रहे हैं। पायलट से टारगेट को निशाना बनाने में चूक हो सकती है, लेकिन मशीनों से गलती की संभावना कम ही होती है। जाहिर है कि भविष्य के युद्ध में आदमी की कम मशीनों की जरूरत ज्यादा होगी। इस परिदृश्य में जबकि ऑपरेशन सिंदूर के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक नया सैन्य सिद्धांत प्रतिपादित कर चुके हैं कि भारत अब आतंकवाद का जवाब अपनी शर्तों पर देगा। परमाणु ब्लैकमेल से नहीं डरेगा और आतंकवाद को प्रायोजित करने वाली सरकार तथा मास्टरमाइंड में कोई अंतर नहीं करेगा। पाकिस्तान का ट्रैक रिकार्ड देखते हुए युद्ध के लिए तैयार रहना ही पड़ेगा और इसके लिए आधुनिक टेक्नोलॉजी अपनाने के साथ उस पर कंट्रोल स्थापित करने से ही जीत मिलेगी।

सामयिकी

आक्रामक होते कुत्ते और खतरनाक बनता रैबीज

आवारा कुत्ते और आवारा पशु विशेषकर शहरों में आमजन के लिए बड़ी समस्या हैं। 11 अगस्त 2025 को सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों के आतंक और रेबीज (कुत्ते के काटने से होने वाली बीमारी) से लोगों की मौत को गंभीर मानते हुए एक सख्त आदेश जारी किया है। आदेश के मुताबिक राजधानी दिल्ली में सभी आवारा कुत्तों को आबादी वाले क्षेत्रों से हटाकर आठ सप्ताह में शेल्टर में भेजा जाए। कोर्ट ने कहा है कि यदि कोई व्यक्ति या संगठन इस प्रक्रिया का विरोध करता है, तो उसके खिलाफ अवमानना की कार्रवाई होगी। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि राजस्थान हाईकोर्ट ने भी एक अलग आदेश में प्रदेश में कुत्तों और आवारा पशुओं को सड़क से हटाने के निर्देश दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद यह उम्मीद जताई जा सकती है कि मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ सहित देश के अन्य राज्यों में भी आवारा कुत्तों के काटने की घटनाओं को देखते हुए ऐसे ही कदम उठाए जाएंगे। सुप्रीम कोर्ट और राजस्थान हाईकोर्ट के फैसलों से आम आदमी को राहत मिल सकेगी। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने आवारा कुत्तों द्वारा बच्चों पर हमला करने से संबंधित एक समाचार पर स्वतः संज्ञान लेते हुए दर्ज याचिका की सुनवाई कर दिल्ली के बारे में निर्देश जारी किए। बेंच ने कहा कि इस मामले में कोई नरमी नहीं बरती जाएगी और इसका तत्काल पालना होना चाहिए।

सुनील कुमार महला
लेखक

आए दिन आवारा कुत्तों के काटने, घायल करने की खबरें पढ़ने सुनने को मिलती रहती हैं। रेबीज वायरस से होने वाली एक बहुत ही खतरनाक बीमारी है, जो कुत्तों, बिल्लियों, बंदरों के काटने से हो सकती है। यदि रेबीज का समय पर इलाज न किया जाए तो यह जानलेवा हो सकती है। दरअसल, यह एक वायरल संक्रमण है, जो मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी को प्रभावित करता है। यह आमतौर पर संक्रमित जानवर के काटने या खरोंचने से फैलता है। बेंच ने निर्देश दिया है कि कुत्तों के लिए शेल्टर बनाए जाएं और आठ सप्ताह में बुनियादी ढांचे के निर्माण की रिपोर्ट दी जाए। इतना ही नहीं, इस संबंध में, शेल्टर में कुत्तों की नसबंदी और टीकाकरण के लिए पर्याप्त कर्मचारी होने की बात भी कही गई है। गौरतलब है कि बेंच ने सुनवाई के दौरान डॉग लवर्स को कड़ी फटकार लगाई है। पीपल फॉर एनिमल की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा ने इस संबंध में अपना तर्क रखना चाहा, तो जस्टिस पारदीवाला ने कहा कि लोगों में यह भरोसा होना चाहिए कि वे कुत्तों के डर के बिना कहीं भी आजाद होकर घूम सकते हैं। कोर्ट ने यहां तक कहा है कि किसी भी इलाके में एक भी आवारा कुत्ता घूमता हुआ नहीं दिखना चाहिए और इस संबंध में एक सप्ताह में हेल्पलाइन बननी चाहिए तथा चार घंटे में कुत्ते पकड़ने की कार्रवाई होनी चाहिए।

अच्छी बात यह है कि सुप्रीम कोर्ट ने व्यापक जनहित में इस मामले में किसी भी हस्तक्षेप आवेदन को स्वीकार नहीं करने की बात भी कही है। कोर्ट ने यहां तक कहा है कि क्या तथाकथित पशु प्रेमी, उन बच्चों को वापस ला पाएंगे जिनकी रेबीज की वजह से जान चली गई? केंद्रीय मंत्री एसपी सिंह बघेल ने बीती 22 जुलाई को ही संसद में बताया था कि पिछले वर्ष देश में कुत्ते के काटने के कुल मामलों की संख्या 37,17,336 थी, जबकि संदेहास्पद मानव रेबीज से मौतें 54 थीं। दिल्ली एमसीडी के आंकड़ों के अनुसार, इस साल अब तक राष्ट्रीय राजधानी में रेबीज के कुल 49 मामले सामने आए हैं। जस्टिस पारदीवाला ने कुत्तों की नसबंदी और उसी इलाके में उन्हें वापस छोड़ने की नगर निगमों की कार्रवाई पर भी सवाल उठाए हैं। कोर्ट ने इसे बेतुका और अनुचित नियम बताया है कि आवारा कुत्तों की नसबंदी कर उन्हें उसी इलाके में छोड़ दिया जाता है। कोर्ट ने इस संबंध में यह साफ कहा है कि इसका कोई मतलब या औचित्य नहीं है।

सोशल फोरम

इतिहास की गाथा समेटे गुफा

12 सितंबर, 1940 का दिन था। फ्रांस के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से में मार्सेल रविदात नामक एक किशोर अपने पालतू कुत्ते के साथ घूम रहा था। यकायक कुत्ता भूमि में बने एक गड्ढे में गिर पड़ा। मार्सेल ने गड्ढे का जायजा लिया तो उसे प्रतीत हुआ कि यह तो एक विशालकाय गुफा का सिरा है। मार्सेल अपने तीन दोस्तों के साथ वापस इस गुफा का अन्वेषण करने उतरा। यहां एक महान आश्चर्य उन सभी की प्रतीक्षा कर रहा था। इस गुफा की दीवारों पर प्रागैतिहासिक काल के सैकड़ों मंत्रमुग्ध कर देने वाले चित्र मौजूद थे, जिन्होंने उन बच्चों को सम्मोहित कर दिया था। इस तरह चार किशोर बच्चों ने 'लेस्को की गुफाएं' ढूंढ निकालीं, जो 20 हजार वर्ष पहले हमारे पूर्वजों का आशियाना हुआ करती थीं। पूरे विश्व में ऐसी तमाम गुफाएं और कलाकृतियां पाई गईं हैं, भारत में भी। कुछ कलाकृतियों की डेटिंग में तो पांच हजार साल तक का अंतर है। न जाने कितनी पीढ़ियां गुजर गईं इन अंधेरी गुफाओं में सांस लेते हुए। कितने चित्र बनाए गए। क्या कहते हैं ये चित्र- अमुक पशु से सावधान? अथवा अमुक पशु शिकार है? हम नहीं जानते। भूत से वर्तमान का पुल टूट चुका है, पर स्मृतियां दीवार पर अंकित हैं- मानों अमर हो चुकी कोई प्रेतस्मृति- किसी के अस्तित्व की अनुगूंज, जो अमर हो गई। तमाम हस्तचित्र भी इन गुफाओं में अंकित हैं। कुछ हाथों में कई ऊंगलियां गायब हैं- शीतयुग में जब अधिकांश पृथ्वी कई किलोमीटर बर्फ की मोटी चादर में दफन थी, तो शीतदंश से अंगभंग होना स्वाभाविक था। दीवार पर जीवन की जिजीविषा अंकित है, जो कहती है कि जीवन तब एक संग्राम था। दिन भोजन के संघर्ष में बीता, रातें खूंखार पशुओं की आहट से आतंक में डूबी रहीं। संघर्ष तमाम थे, पर फिर भी- उनके पास दीवारों पर ये लकीरें अंकित करने का समय था- अपनी भावी पीढ़ियों को सचेत और शिक्षित करने हेतु- ताकि ये प्रजाति सुरक्षित रहे, हम सुरक्षित रहें।

कौशिक पुनीत
ब्लॉगर

इस गुफा की खोज तब हुई, जब युधोन्माद चरम पर था। महाविनाशकारी अस्त्रों से शहर के शहर जमींदोज किए जा रहे थे। न मालूम कितने पूर्वजों के संघर्ष, खून, पसीने से तिनका-तिनका जोड़ कर खड़ी हुई इस सभ्यता को नष्ट करने के तमाम उद्यम किए जा रहे थे। तब ये जानना कम सुखद नहीं कि मार्सेल रविदात नामक वो किशोर अपने दोस्तों के साथ साल भर इस गुफा के सामने धरना देता रहा, ताकि इस गुफा को कोई नुकसान न पहुंचें। शायद उस अबोध किशोर तक को यह मालूम था कि अगर इस संसार में बचाने योग्य अगर कुछ है- तो वह क्या है। संसार को नष्ट करने की ठान लें तो तमाम कारण मिलेंगे। बचाने के लिए सिर्फ इतना जानना ही पर्याप्त है कि हम कौन हैं? कहां से आए हैं? और यहां तक पहुंचने के लिए हमनें कितना संघर्ष किया है?

-फेसबुक वाल से

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

स्मार्ट सिंचाई और उच्च एथेनॉल रिकवरी बीज जैसी आधुनिक तकनीकों से मजबूत किया खाद्य सुरक्षा चक्र

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने गेहूं की ऐसी किस्में दीं, जो तेज गर्मी और कम पानी में भी लहलहातीं

जलवायु परिवर्तन के दौर में भी भरी अन्नदाता की झोली

जलवायु परिवर्तन (क्लाइमेंट चेंज) का देश में खाद्य उत्पादन पर देखे जा रहे असर के बीच अगर गेहूं का उत्पादन लगातार बढ़ रहा है, तो इसका काफी कुछ श्रेय कानपुर के चंद्रशेखर आजाद (सीएसए) कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय को जाता है। संस्थान ने बीते दो दशक में गेहूं की कई ऐसी किस्में किसानों को उपलब्ध कराई हैं, जो तेज गर्मी सहने के साथ कम पानी में भरपूर फसल दे रही हैं। विश्वविद्यालय में जलवायु परिवर्तन में भी फसलों के अधिक उत्पादन के लिए लगातार अनुसंधान चल रहे हैं। वैज्ञानिकों ने गेहूं, तिलहन की कई ऐसी नई प्रजातियां विकसित की हैं, जो जलवायु परिवर्तन और विभिन्न कीट व बीमारियों से भी सुरक्षित रहती है। दरअसल, यहां के कृषि वैज्ञानिकों ने करीब तीन दशक पहले ही इस बात का अनुमान लगा लिया था कि भविष्य में कृषि उत्पादन पर बदलते मौसम का काफी असर पड़ सकता है। ऐसे में क्लाइमेट की बाधा से पार पाते हुए देश को खाद्य सुरक्षा चक्र प्रदान करने के लिए उन्होंने विभिन्न स्तरों पर प्रयास किए। जलवायु परिवर्तन के अनुकूल, स्मार्ट सिंचाई तकनीक, और उच्च एथेनॉल रिकवरी बीज जैसी आधुनिक तकनीकों को बढ़ावा दिया गया। यहां अनाज, दलहन, तिलहन, और सब्जियों की 200 से अधिक उन्नत किस्मों के ऐसे बीज विकसित किए गए हैं, जो किसानों की उपज बढ़ाने के साथ रोग प्रतिरोधी भी हैं। इसी के साथ विश्वविद्यालय किसानों को वैज्ञानिक खेती के तरीके भी बता रहा है। मक्का और मशरूम की खेती इसका बड़ा उदाहरण हैं।

ऊसर जमीन पर सिर्फ 125 दिन में तैयार हो जाती फसल

ऊसर जमीन (लवणीय व क्षारीय भूमि) पर कम उत्पादन से परेशान किसानों के लिए सीएसए के वैज्ञानिकों ने गेहूं की नई प्रजाति विकसित की है। यह न सिर्फ ज्यादा उत्पादन देती है, बल्कि कीट व रोगों से होने वाले नुकसान से भी सुरक्षित रखती है। इस नई प्रजाति का नाम के-2010 रखा गया है। यह लखनऊ, अलीगढ़, आगरा, प्रयागराज और कानपुर मंडल के किसानों के लिए काफी लाभदायक है। किसानों को इसके बीज जल्दी ही मिलने शुरू हो जाएंगे। इससे करीब 4.5 लाख हेक्टेयर में खेती करने वाले किसानों को सहूलियत होगी। यह प्रजाति सिर्फ 125 दिन में ही पक कर तैयार हो जाती है।

गेहूं पर शोध के मामले में देश का पुराना संस्थान

संस्थान की पहचान गेहूं पर शोध के मामले में देश के सबसे पुराने संस्थानों की है। साल 2002 में यहां सबसे पहले गेहूं की के-7903 (हलना) किस्म किसानों को उपलब्ध कराई गई थी। इस प्रजाति में तेज गर्मी में गेहूं के पौधे के फलने-फूलने में भी कोई दिक्कत नहीं होती है। देरी से बोआई करने पर भी उत्पादन कम नहीं होता है। 2005 में विकसित की गई के-9423 (उन्नत हलना) में भी ज्यादा तापमान सहने की काफी क्षमता थी।

छात्रों को जॉब सीकर नहीं प्रोवाइडर बनाने का प्रयास

- वर्तमान में यहां 47 प्रोग्राम संचालित हैं। इनमें एमएससी, पीएचडी व स्नातक स्तर के 2200 से अधिक छात्र-छात्राएं पढ़ाई कर रहे हैं। नए सत्र से सभी डिग्री प्रोग्राम में कुछ ऐसे मॉड्यूल लागू किए जा रहे हैं, जिससे छात्र अपनी पढ़ाई पूरी करते ही जॉब हासिल करने के साथ अपना व्यवसाय भी शुरू कर सकेंगे। संस्थान की कोशिश छात्रों को जॉब सीकर न बनाकर जॉब प्रोवाइडर जैसा बनाने की है। विश्वविद्यालय में छात्र-छात्राओं के लिए नए पाठ्यक्रम शुरू किए गए हैं। इनमें मार्केटिंग इंटेलीजेंस, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, कम्युनिकेशन स्किल, पर्सनालिटी डेवलपमेंट, एंटरप्रेन्योरियल डेवलपमेंट, एग्रीकल्चर इंफ्रामेटिक्स जैसे कोर्स शामिल हैं।

देश में चौथा और प्रदेश में पहला स्थान हासिल

हाल ही में राज्यों के आधार पर जारी आईआईआरएफ रैंकिंग 2025 में चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) ने देश भर के कृषि विश्वविद्यालयों की सूची में चौथा और उत्तर प्रदेश में पहला स्थान हासिल किया है। इस रैंकिंग में देश के सभी राज्य विश्वविद्यालय को शामिल किया गया था।

यूपी-कैटेट से एडमिशन

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए), कानपुर में यूपी-कैटेट से एडमिशन होते हैं। इस बार प्रदेश के पांच कृषि विश्वविद्यालयों में 3524 सीटों पर प्रवेश परीक्षा का आयोजन सीएसए ने ही किया था। सीएसए में बीएससी (ऑनर्स) कृषि में 150 तथा बीएससी कृषि में 526 सीटें हैं। कृषि स्नातकोत्तर में 219 तथा कृषि-व्यवसाय एमबीए में 60 सीटें हैं। संस्थान में पीएचडी की 29 सीटें बढ़ाई गई हैं।

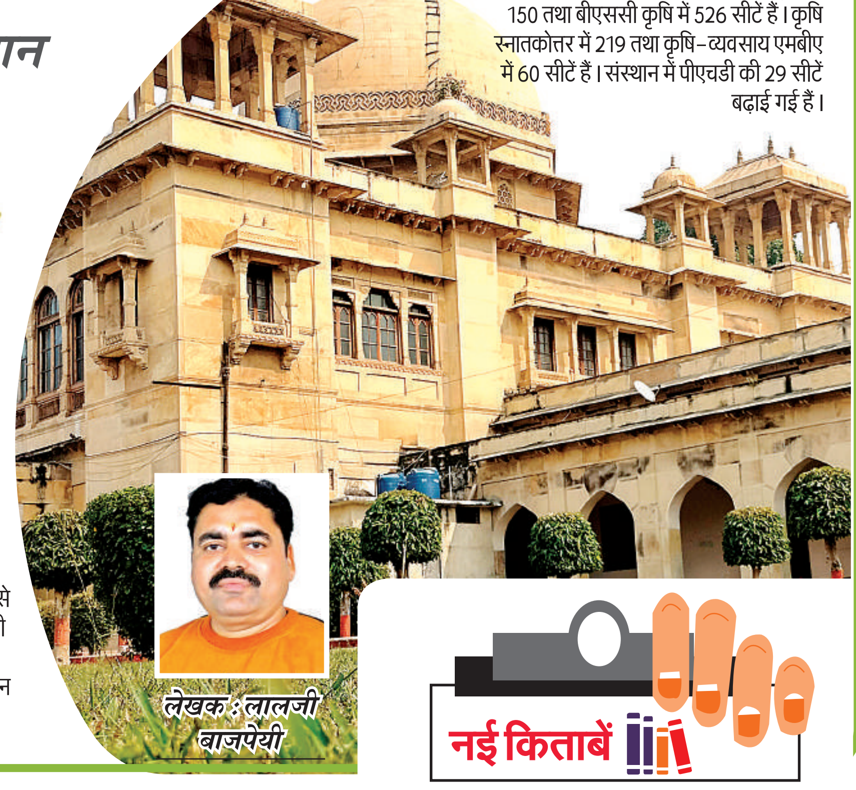

लेखक : लालजी बाजपेयी

शार्टकट नहीं स्टार्टअप

अपना स्टार्टअप शुरू करने के लिए आईआईटी कानपुर से स्नातक और बेंगलुरु स्थित ओकेक्रेडिट के सह-संस्थापक हर्ष पोखरना ने बड़े पैकेज वाली नौकरी छोड़ दी। ऐसा करना अनेक युवाओं का सपना होता है, लेकिन इसे हकीकत में बदलना चुनौतीपूर्ण होता है।

पोखरना ने फ्लिपकार्ट की नौकरी 'जल्दी से ढेर सारा पैसा कमाने' की महत्वाकांक्षा के साथ छोड़ दी। उन्हें स्टार्टअप संस्थापकों से भारी फंडिंग मिलने की संभावना थी। शुरुआती साल उनकी उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे । तीन अलग-अलग व्यावसायिक विचारों के साथ प्रयोग करने के बावजूद, कोई भी सफल नहीं हुआ। वे आर्थिक तंगी में आ गए। अपनी बचत खत्म होने के बाद, उन्होंने खुद को चलाने के लिए फ्रीलांसिंग का रुख किया और साथ ही संभावित उद्यमों पर काम करना जारी रखा।पोखरना ने ओकेक्रेडिट की सह-स्थापना की। उनके अनुभवों ने उन्हें सिखाया कि स्टार्टअप की सफलता में समय लगता है। उनके अनुसार यह एक दीर्घकालिक खेल है, कोई जल्दी अमीर बनने की योजना नहीं।अगर आप किसी वास्तविक समस्या के समाधान के बजाय सिर्फ़ पैसे के लिए इसमें लगे रहेंगे, तो निराशा हाथ लगेगी। मैं पहले दो सालों में तीन बार असफल हुआ। पैसे खत्म होने के बाद, मुझे गुज़ारा चलाने के लिए फ्रीलांसिंग करनी पड़ी। ओकेक्रेडिट को खड़ा करने के बाद भी, अभी बहुत लंबा सफ़र तय करना बाकी है।स्टार्टअप तुरंत सफलता की गारंटी नहीं देते। यह धन प्राप्ति का शॉर्टकट नहीं बल्कि एक दीर्घकालिक प्रतिबद्धता है।

सक्सेस स्टोरी

- **आईआईटी कानपुर से स्नातक हर्ष ने बड़े पैकेज की नौकरी छोड़कर खड़ा किया स्टार्टअप**

लेखक : राजीव सिंह, काउंसलर

काम की बात

इग्नू ने लॉन्च किए छह नए करियर कोर्स

- इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) ने छह नए बेहतरीन कोर्स लॉन्च किए हैं। ये कोर्स युवाओं के लिए बेहतरीन करियर ऑप्शन हैं। इनमें बीए होम साइंस, हेल्थ केयर वेस्ट मैनेजमेंट सर्टिफिकेट कोर्स, नर्स मैनेजमेंट में सर्टिफिकेट और पीजी डिप्लोमा इन ट्राइबल स्टडीज शामिल हैं। इन कोर्स में एडमिशन लेने के लिए एप्लीकेशन फॉर्म ऑफिशियल वेबसाइट ignouadmission.samarth.edu.in पर भरे जा सकते हैं।

रेडियो के जरिए बच्चों को पढ़ाएगा सीबीएसई

- सीबीएसई जल्दी ही अपना कम्युनिटी रेडियो स्टेशन लॉन्च करने जा रहा है। बोर्ड की गवर्निंग बॉडी ने इस प्रस्ताव को हरी झंडी दे दी है। अब अगले छह माह के भीतर एक्सपर्ट्स के साथ इस विषय पर कई बैठकें की जाएंगी। इसी आधार पर कम्युनिटी रेडियो लाइसेंस के लिए आवेदन करने के साथ तय किया जाएगा कि किन-किन विषयों पर रेडियो कार्यक्रम तैयार किए जाएं, जिनसे बच्चों को पढ़ाई में मदद मिल सके।

डीयू में बीकॉम ऑनर्स रहा छात्रों की पहली पसंद

- दिल्ली यूनिवर्सिटी (डीयू) में पढ़ना हर छात्र का सपना होता है। यहां दाखिले की प्रक्रिया अब पूरी होने जा रही है। डीयू में आवेदनों से यह भी तय होता है कि छात्र-छात्राओं का रुझान किस विषय और पढ़ाई की तरफ है। इस बार ऑनर्स में सबसे ज्यादा 48,336 छात्रों ने बीकॉम (ऑनर्स) के लिए आवेदन किया था। दूसरे नंबर पर बीए (ऑनर्स) पॉलिटिकल साइंस के लिए 15,295 और तीसरे पर बीएससी (ऑनर्स) जीव विज्ञान के लिए 12,722 आवेदन प्राप्त हुए। टॉप बीए कोर्स में बीए (हिस्ट्री व पॉलिटिकल साइंस) के लिए 7,60,233, बीए (इकोनॉमिक्स व पॉलिटिकल साइंस) के लिए 3,88,407, बीए (इंग्लिश व इकोनॉमिक्स) के लिए 3,49,367 छात्रों ने आवेदन किया था।

पढ़ाई के साथ कमाई भी, जरा जल्दी करें अप्लाई

केंद्र सरकार ने पीएम इंटर्नशिप स्कीम 2.0 लॉन्च करने की तैयारी पूरी कर ली है। देश की टॉप कंपनियां अगस्त के अंतिम सप्ताह से इस योजना के दूसरे चरण की शुरुआत करने जा रही हैं। इस योजना में युवाओं को टॉप कंपनियों में काम करने का असली अनुभव मिलेगा। यह योजना युवाओं का न सिर्फ अपना कौशल विकास करने का मौका उपलब्ध कराती है, बल्कि भविष्य में रोजगार के दरवाजे खोलकर करियर की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में सहायक है। पीएम इंटर्नशिप योजना केंद्र सरकार की पहल है। इसके जरिए युवाओं को देश की टॉप-500 कंपनियों में इंटर्नशिप का मौका मिलेगा, ताकि वे व्यावहारिक जीवन में आने वाली चुनौतियों का सामना करना सीख सकें। केंद्र सरकार का लक्ष्य है कि 5 साल के भीतर 1 करोड़ युवाओं को इंटर्नशिप प्रदान की जाए।

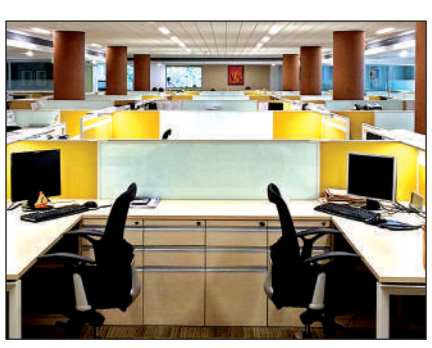

इन ट्रेड में कर सकते इंटर्नशिप

- उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन पीएम इंटर्नशिप योजना में प्रदेश के युवाओं की भागीदारी बढ़ाने की तैयारी कर रहा है। प्रदेश के लिए तय पूरे कोटे में युवाओं को इंटर्नशिप का लाभ दिलाने का प्रयास है। इंटर्नशिप योजना में छात्रों को आईटी और सॉफ्टवेयर, बैंकिंग और फाइनेंस, ऑयल गैस और एनर्जी, एफएमसीजी, मैन्युफैक्चरिंग, आटोमोटिव, मीडिया, एजुकेशन, हेल्थ केयर, टेलीकॉम, ट्रैवल्स, फार्मा, एग्रीकल्चर, टेक्सटाइल और कंसलटिंग आदि की ट्रेनिंग दिलाई जाएगी।

- पीएम इंटर्नशिप स्कीम 2.0 के लिए केंद्र सरकार ने शीर्ष संस्थाओं से अध्ययन कराया है। इसमें योजना के पहले चरण में कंपनी की लोकेशन, एज लिमिट जैसी खामियां सामने आईं। अब इन खामियों को दूर करके योजना 2.0 लागू की जाएगी। अब 2026-27 में 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक बजट के साथ स्कीम लागू होगी। फिलहाल इसका बजट 380 करोड़ रुपये है। इंटर्न की न्यूनतम उम्र सीमा 21 से घटाकर 18 साल की जाएगी। स्टाइपेंड भी बढ़ाया जाएगा। इंटर्नशिप अवधि भी छह माह से बढ़कर एक साल हो सकती है। पीएम इंटर्नशिप स्कीम के तहत चयनित अभ्यर्थियों को न सिर्फ प्रशिक्षण मिलेगा, बल्कि 5000 रुपये मासिक स्टाइपेंड भी प्रदान किया जाएगा।

आवेदक की पात्रता

आवेदन की योग्यता परास्नातक तक है। इंटर्नशिप के लिए वे छात्र योग्य होंगे जो कॉलेज की पढ़ाई के अंतिम चरण में हों और नौकरी न कर रहे हों। वे लोग भी इसमें आवेदन कर सकते हैं, जो कहीं जॉब कर रहे हैं, और सीए, सीएस, एमबीबीएस जैसी डिग्री ले रखी है। ऑनलाइन व डिस्टेंस से पढ़ाई कर रहे छात्र भी आवेदन कर सकते हैं। फैमिली इनकम 8 लाख से कम होनी चाहिए।

इस तरह करना होगा आवेदन

वेबसाइट www.pminternship.mca.gov.in पर रजिस्ट्रेशन करना होगा। रजिस्ट्रेशन के बाद यूजर नेम और पासवर्ड के माध्यम से लॉगिन कर प्रोफाइल फाइल करनी होगी। इसके बाद रिज्यूम जनरेट होगा। अभ्यर्थी पसंदीदा सेक्टर या रोजगार चुनकर इंटर्नशिप के लिए आवेदन सबमिट कर सकते हैं।

नई किताबें

हिमालय में 13 महीने

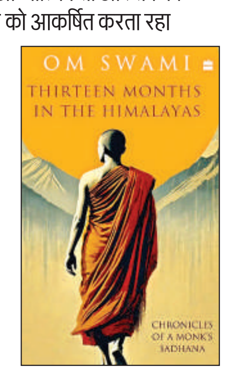

- हिमालय हमेशा से देवत्व, आध्यात्मिकता और तप का प्रतीक होने के कारण लोगों को आकर्षित करता रहा है। हिमालय की तलहटी में रहने वाले आध्यात्मिक गुरु ओम स्वामी भौतिक दुनिया से विरक्ति से पहले सफल उद्यमी रहे हैं। उनकी अंग्रेजी में लिखी पुस्तक 'Thirteen Months In The Himalayas' एक साधु के रूप में हिमालय में उनके 13 महीने के अनुभव का वर्णन करती है। यह पुस्तक उनकी पिछली पुस्तक का सीक्वल है। पुस्तक एक युवा भिक्षु के बारे में है, जिसने एक सफल व्यापारिक साम्राज्य त्याग दिया और आत्म-साक्षात्कार की तलाश में हिमालय लौट आया। 13 महीनों के दौरान, वह गहन ध्यान में डूबा रहा, और उसने आध्यात्मिक साधनाओं और मंत्र योग का अनुभव किया।

लेखक : ओम स्वामी
प्रकाशक : हार्पर कॉलिन्स पब्लिशर्स, इंडिया।
कीमत : 323 रुपये, अमेजन पर उपलब्ध

लॉजिकल रीजनिंग फार कैट

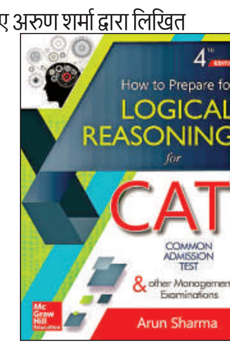

- कैट की तैयारी के लिए अरुण शर्मा द्वारा लिखित लॉजिकल रीजनिंग पर आधारित पुस्तक का नवीनतम संस्करण छात्र-छात्राओं के लिए बहुपयोगी है। पुस्तक में पिछले वर्षों के हल किए गए कैट के पेपर भी शामिल किए गए हैं। आईआईएम बेंगलुरु के 1995 बैच के छात्र रहे अरुण शर्मा ने कैट में 'लॉजिकल रीजनिंग की तैयारी कैसे करें' पुस्तक लिखी है। वह लगातार कैट देते रहे हैं और कई वर्षों से 100 या 99.99 फीसदी अंकों के साथ परीक्षा पास भी करते रहे हैं। अरुण शर्मा प्रमुख कैट कोचिंग संस्थान, माइंडवर्कज के संस्थापक हैं।
पुस्तक - How to prepare for LOGICAL REASONING for CAT

लेखक - अरुण शर्मा
प्रकाशक – मैकग्रा हिल एजूकेशन
कीमत : 885 रुपये (रुपये 618 अमेजन व फ्लिपकार्ट पर)

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2705, राज श्री 1820, फ़ॉर्चून कि. 2200, रविन्द्रा 2600, फॉर्चुन 13kg 1930, जय जवान 1945, सचिन 1980, सूरज 1945, अवसर 1865, उजाला 1910, गृहणी 13 kg 1820, क्लासिक (kg) 2065, मोर 2135, चक्र टिन 2440, ब्लू 2050, आशीर्वाद मस्टर्ड 2545, स्वास्तिक 2645

किराना (प्रतिकु.) : हल्दी निजामाबाद 14500, जीरा 24000, लाल मिर्च 14000-17000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 7000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 27000, (प्रतिकि0) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 880, किसमिस पीली 400-600, मखाना 900-1100

चावल (प्रतिकु.) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4950, शर्बती स्टीम 5100, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7300, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1kg,5kg) 10300, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350, खजाना 4350

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 10000, मूंग धोवा 10100, राजमा चित्रा 12800-13500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली, 7250-7700 मलका दाल, 7600-7900, मलका छाँटी 7800, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 9000-10900, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 10300, उड़द धोवा इंदौर 13000, उड़द धोवा 10000-11000, चना काला 6950, दाल चना 7600, दाल चना मोटी 7850, मलका विदेशी 7400, रूपकिशोर बेसन 8200, चना अकोला 6900, डबरा 7200-9200, सच्चा हीरा 9300, मोटा हीरा 11300, अरहर गोला मोटा 8500, अरहर पटका मोटा 8900, अरहर कोरा मोटा 9400, अरहर पटका छोटा 9800-10300, अरहर कोरी छोटी 10300

चीनी : डालमियां 4360, पीलीभीत 4300, सितारगंज 4280, धामपुर 4360

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 5200, मसूरी- 4300, बासमती- 9200, परमल- 3600

दाल दलहन : काला चना- 7200, साबुत चना दाल- 7400, मूंग साबुत- 9200, राजमा- 12000-14200, दाल उड़द- 9000, साबुत मसूर दाल- 7200, मसूर दाल- 7400, उड़द साबुत- 8400, काबुली चना- 10500, अरहर दाल- 11300, लोबिया/करमानी- 9000

औसतन 3.5% रहेगी सकल मुद्रास्फीति

क्रिसिल ने अच्छे कृषि उत्पादन से महंगाई को नियंत्रित करने की जताई संभावना

कोलकाता, एजेंसी

रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 में कुल मुद्रास्फीति औसतन 3.5 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है, जो गत वित्त वर्ष (2024-25) में 4.6 प्रतिशत रही थी। रेटिंग एजेंसी ने अगस्त की अपनी शोध रिपोर्ट में कहा कि अच्छे कृषि उत्पादन से खाद्य मुद्रास्फीति के नियंत्रण में रहने की संभावना है। खरीफ की बुवाई में आठ अगस्त तक सालाना आधार पर 4% की अच्छी वृद्धि दर्ज की गई।

क्रिसिल ने कहा, हमारा अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष में कुल (हेडलाइन) मुद्रास्फीति औसतन 3.5 प्रतिशत रहेगी, जो पिछले वित्त वर्ष में 4.6% थी। भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के नियंत्रण में रहने की उम्मीद करते हुए ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतें चालू वित्त वर्ष में 60 से 65 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल तक सीमित रहने का अनुमान है जिससे गैर-खाद्य मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी।

● खरीफ की बुवाई में सालाना आधार पर 4% की अच्छी वृद्धि की गई दर्ज

रेटिंग एजेंसी को इस वित्त वर्ष में रेपो दर में एक और कटौती की उम्मीद है। अबतक कुल एक प्रतिशत की कटौती और पर्याप्त नकदी ने इसका लाभ आगे भी तेजी से पहुंचाने में मदद की है। भारत की खुदरा मुद्रास्फीति दर पिछले एक साल में आधी से भी अधिक घट गई है और भारतीय रिजर्व बैंक के संतोषजनक दायरे के निचले स्तर से भी नीचे आ गई है। यह जून के 2.1 से जुलाई में 1.6% पर आ गई। खुदरा मुद्रास्फीति में तीव्र गिरावट से घरेलू क्रय शक्ति में वृद्धि होगी, खासकर निम्न-आय वर्ग में.. साथ ही इससे मौद्रिक नीति में और ढील की और गुंजाइश बनेगी।

भारत में 3 दशक तक वृद्धि की उम्मीद

नई दिल्ली। स्वीडिश फर्नीचर एवं गृहसज्जा कंपनी आइकिया ने बुधवार को कहा कि भारत की तेज आर्थिक वृद्धि, युवा जनसंख्या एवं बढ़ते उपभोक्ता वर्ग को देखते हुए अगले तीन दशक तक यहां वृद्धि की जबर्दस्त संभावनाएं हैं। आइकिया इंडिया के सीईओ पैट्रिक एंटनी ने कहा कि कंपनी स्थानीय स्तर से उत्पादों की खरीद का स्तर मौजूदा 30 प्रतिशत से बढ़ाकर अगले पांच साल में 50 प्रतिशत करने की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने कहा कि भारत में आइकिया अब वृद्धि के दूसरे चरण में पहुंच चुकी है और बड़े आकार के स्टोर, छोटे 'सिटी स्टोर' और ऑनलाइन बिक्री सभी को जोड़कर बहु-माध्यम रणनीति अपना रही है। फिलहाल कुल बिक्री का लगभग 30% ऑनलाइन माध्यम से आता है। आइकिया ने 2018 में हैदराबाद से अपना भारतीय खुदरा कारोबार शुरू किया था और अब मुंबई, बेंगलुरु के अलावा नोएडा, गुरुग्राम, लखनऊ एवं चंडीगढ़ में भी इसकी विस्तार की योजना है। इसके मेगा स्टोर आमतौर पर शहरों के बाहरी इलाकों में होते हैं, जबकि छोटे स्टोर मॉल के भीतर खोले जा रहे हैं ताकि ग्राहकों तक नजदीकी पहुंच बनाई जा सके। एंटनी ने कहा, ऑनलाइन और ऑफलाइन अनुभव को अगर हम साथ जोड़ देते हैं तो कुल बिक्री में काफी तेजी देखने को मिलती है। हमारे लिए ऑफलाइन एवं ऑनलाइन का मिश्रण कामयाबी का मंत्र साबित हुआ है। वित्त वर्ष 2023-24 में आइकिया के भारतीय कारोबार का राजस्व 1,852.7 करोड़ रुपये रहा जिसमें ऑनलाइन बिक्री की हिस्सेदारी करीब 30 प्रतिशत थी। उन्होंने कहा कि भौतिक स्टोर में खरीदारी का एक अलग अनुभव होता है और कंपनी ग्राहकों तक अधिक संख्या में पहुंचने के लिए कई तरह के स्टोर की मौजूदगी होनी जरूरी है। एंटनी ने कहा कि उच्च किराया दरों के बावजूद भारत में परिचालन लागत तुलनात्मक रूप से कम है और यहां व्यावसायिक संभावनाएं भी उज्ज्वल दिख रही हैं।

● आइकिया बोली- तेज आर्थिक वृद्धि, युवा जनसंख्या व बढ़ता उपभोक्ता वर्ग मुख्य कारक

अमेरिकी शुल्क का प्रभाव 6 माह से ज्यादा टिकने वाला नहीं: सीईए

मुंबई, एजेंसी

मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी. अनंत नागेश्वरन ने बुधवार को कहा कि अमेरिकी शुल्क से जुड़ी चुनौतियां ज्यादा टिकने वाली नहीं है और एक या दो तिमाहियों में समाप्त हो जाएंगी। उन्होंने कहा कि देश अन्य दीर्घकालिक चुनौतियों से जूझ रहा है और उन्होंने इससे निपटने के लिए निजी क्षेत्र से और अधिक प्रयास करने का आग्रह किया।

नागेश्वरन ने वित्त वर्ष 2024-25 में वृद्धि दर में आई नरमी के लिए कर्ज से जुड़ी कड़ी स्थिति और नकदी की समस्याओं को जिम्मेदार ठहराया। वृद्धि दर वित्त वर्ष 2024-25 में 6.5% रही जो एक साल पहले 9.2% थी। नागेश्वरन ने कहा कि सही कृषि नीतियां वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि में 25% की वृद्धि कर सकती हैं। उन्होंने अमेरिकी शुल्क के बारे में कहा कि रत्न एवं आभूषण, झींगा और वस्त्र जैसे क्षेत्रों पर पहले चरण का प्रभाव पड़ने के बाद दूसरे और तीसरे चरण के प्रभाव पड़ेंगे। उनसे निपटना 'अधिक कठिन' होगा। नागेश्वरन ने कहा कि सरकार स्थिति

● नागेश्वरन बोले- दीर्घकालिक चुनौतियों से निपटने को निजी क्षेत्र अधिक प्रयास करे

से अवगत है और प्रभावित क्षेत्रों के साथ बातचीत शुरू हो चुकी है। आने वाले दिनों में नीति निर्माताओं की प्रतिक्रिया मिलेगी, लेकिन लोगों को धैर्य रखना होगा।

इस महीने के अंत में व्यापार वार्ता के लिए अमेरिकी अधिकारियों के भारत आने की अटकलों के बीच उन्होंने कहा कि ट्रंप और पुतिन के बीच अलास्का में होने वाली बैठक इस वार्ता के नतीजों को प्रभावित कर सकती है। उन्होंने भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता के विवरण देने से इनकार करते हुए कहा कि इस समय विश्व स्तर पर हालात बहुत अस्थिर हैं और संबंध सहयोग से गतिरोध की ओर बढ़ रहे हैं।

अमेरिकी शुल्क से भारत की वृद्धि पर असर नहीं : एसएंडपी

नई दिल्ली। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स के निदेशक यीफार्न फुआ ने बुधवार को कहा कि अमेरिकी शुल्क से भारत की वृद्धि प्रभावित नहीं होगी क्योंकि यह व्यापार-उन्मुख अर्थव्यवस्था नहीं है और इसकी 'सॉवरेन रेटिंग' का परिदृश्य सकारात्मक ही बना रहेगा। रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ने मजबूत आर्थिक वृद्धि का हवाला देते हुए पिछले वर्ष मई में भारत की सॉवरेन रेटिंग 'बीबीबी-' को बढ़ाकर सकारात्मक कर दिया था। अमेरिका ने सभी भारतीय उत्पादों पर 25% शुल्क के अलावा रूसी कच्चे तेल की खरीद के लिए 25% का अतिरिक्त शुल्क लगाया है। शुल्क से भारत के सकारात्मक परिदृश्य पर नकारात्मक प्रभाव पर यीफार्न ने कहा, भारत पर लगाए शुल्क का आर्थिक वृद्धि पर कोई प्रभाव पड़ेगा, क्योंकि भारत बहुत अधिक व्यापार-उन्मुख अर्थव्यवस्था नहीं है। यदि आप जीडीपी के मुकाबले निर्यात के संदर्भ में अमेरिका के प्रति भारत के जोखिम को देखें, तो यह लगभग दो प्रतिशत ही है।

यूरोपीय संघ में कार्बन कर से 5 साल में भारतीय जीडीपी में 0.3% की कमी

नई दिल्ली, एजेंसी

यूरोपीय संघ में कार्बन सीमा समायोजन प्रणाली (सीबीएएम) के लागू होने और घरेलू स्तर पर कार्बन मूल्य निर्धारण प्रणाली नहीं होने की स्थिति में 2026 से 2030 के बीच भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 0.02 से 0.03% तक की गिरावट आ सकती है।

शोध संस्थान 'सेंटर फॉर सोशल एंड इकनॉमिक प्रोग्रेस' (सीएसईपी) के मुताबिक, सीबीएएम केंद्रित कर प्रणाली यूरोपीय संघ में लागू होने का भारत के शहरी परिवारों पर सबसे अधिक असर पड़ेगा क्योंकि कार्बन उत्सर्जन की अधिकता वाले वस्तुओं की कीमतें बढ़ेंगी। घरेलू कार्बन कर व्यवस्था को लागू कर राजस्व देश में रखने से यूरोपीय संघ के इस कर का असर कम किया जा सकता है। यूरोपीय संघ का सीबीएएम के तहत उन देशों से आने

● शोध संस्थान सेंटर फॉर सोशल एंड इकनॉमिक प्रोग्रेस ने जारी किया अध्ययन

वाले कुछ खास उत्पादों पर कार्बन कर लगाने का प्रावधान है, जहां पर पर्यावरण नियम एवं कार्बन उत्सर्जन नियंत्रण मानक कम सख्त हैं। यूरोपीय संघ की कार्बन कर प्रणाली शुरुआती चरण में इस्पात, एल्युमीनियम, सीमेंट, उर्वरक, बिजली एवं हाइड्रोजन पर लागू होगी।

वैश्विक बाजारों में तेजी से सेंसेक्स 304 अंक चढ़ा

मुंबई, एजेंसी

स्थानीय शेयर बाजार में बुधवार को तेजी लौटी और सेंसेक्स 304 अंक के लाभ में रहा। अमेरिका में महंगाई दर स्थिर रहने के बीच वैश्विक बाजारों में तेजी के साथ धातु, वाहन और औषधि कंपनियों के शेयरों में लिवाली से घरेलू बाजार बढ़त में रहा।

बीएसई सेंसेक्स 304.32 अंक की मजबूती के साथ 80,539.91 पर बंद हुआ। वहीं एनएसई का निफ्टी 131.95 अंक बढ़कर 24,619.35 पर पहुंच गया। विश्लेषकों ने कहा कि जुलाई में खुदरा मुद्रास्फीति के आठ साल के निचले स्तर 1.55 प्रतिशत पर आने से घरेलू शेयर

बाजार पर सकारात्मक असर हुआ। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, भारतीय बाजारों में सकारात्मक रुख का कारण उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति के आठ साल के निचले स्तर पर पहुंचना है। इससे वाहन और धातु शेयरों की अगुवाई में सोच-विचार कर खर्च से जुड़े क्षेत्रों में सुधार की उम्मीद बढ़ी है। वैश्विक स्तर पर, चीन पर शुल्क लगाने की समय सीमा बढ़ाने और तेल की कीमतों में नरमी से धारणा में सुधार हुआ। ट्रंप के व्यापार रुख और वैश्विक जोखिमों को लेकर अनिश्चितताओं के बावजूद, भारत की वृद्धि-मुद्रास्फीति की स्थिति वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अनुकूल बनी हुई है।

एफआईआई ने 3,398.80 करोड़ के शेयर बेचे

सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, इटर्नल, महिंद्रा एंड महिंद्रा, कोटक महिंद्रा बैंक, टाटा मोटर्स और पावर ग्रिड लाभ में रहे। वहीं, नुकसान में रहने वाले शेयरों में अदाणी पोर्ट्स, आईटीसी, अल्ट्राटेक सीमेंट और टाइटन शामिल हैं। एशिया के अन्य बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग बढ़त में रहे। यूरोप के प्रमुख बाजार दोपहर के कारोबार में बढ़त में थे। अमेरिकी बाजार मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुए थे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.36% टूटकर 65.88 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने मंगलवार को 3,398.80 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

चोर मचाए शोर जैसा है विपक्ष का शोर : ठाकुर

'वोट चोरी' मामला : भाजपा ने विपक्षी नेताओं की सीटों पर मतदाता पंजीकरण में अनियमितता का लगाया आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी

भाजपा ने रायबरेली, वायनाड, डायमंड हार्बर और कन्नौज संसदीय सीटों पर मतदाता पंजीकरण में अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, अभिषेक बनर्जी और अखिलेश यादव से लोकसभा सदस्य के पद से इस्तीफा देने की मांग की है। भाजपा का आरोप है कि इन नेताओं ने 'वोट चोरी' के जरिये लोकसभा चुनाव में जीत हासिल की है।

भाजपा नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने बुधवार को भाजपा मुख्यालय में इस मुद्दे पर एक स्लाइड-शो प्रस्तुति के जरिये विपक्षी नेताओं द्वारा प्रतिनिधित्व किए जाने वाले इन निर्वाचन क्षेत्रों में मतदाता सूचियों का 'विश्लेषण' कर यह आरोप लगाए। ठाकुर ने तमिलनाडु की कोलाथुर विधानसभा सीट और उत्तर प्रदेश की मैनपुरी लोकसभा सीट पर मतदाता पंजीकरण में कथित

● रायबरेली, वायनाड, डायमंड हार्बर और कन्नौज संसदीय सीटों पर अनियमितताओं का आरोप

● राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, अभिषेक बनर्जी और अखिलेश यादव से भाजपा ने मांगा इस्तीफा

अनियमितताओं का भी मुद्दा उठाया और चुनाव में 'धांधली' के लिए मुख्यमंत्री एवं द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सुप्रीमो एम के स्टालिन और समाजवादी पार्टी (सपा) की नेता डिंपल यादव से इस्तीफा देने की मांग की।

उन्होंने निर्वाचन आयोग पर सवाल उठाने के लिए कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, सपा और द्रमुक नेताओं की आलोचना की तथा उन पर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ दुष्प्रचार करने का आरोप लगाया। भाजपा नेता ने कहा कि विपक्ष के नेता अपने 'अवैध बांग्लादेशी घुसपैठ के वोट बैंक' और अन्य 'घुसपैठियों' की रक्षा के लिए निर्वाचन आयोग पर यह आरोप लगा रहे हैं। ठाकुर ने कहा, विपक्ष द्वारा मचाए जा रहे इस शोर को देखकर अब तो यही लग रहा है कि 'चोर मचाए शोर'।

उन्होंने कहा कि जो गलत थे, वे अब गलत काम करने के लिए चिल्ला रहे हैं। रायबरेली, वायनाड, कन्नौज से लेकर डायमंड हार्बर तक - हर जगह एक ही सवाल उठ रहा है - उन्होंने फर्जी वोटर क्यों बनाए? क्या वे 'वोट चोरी' और घुसपैठियों को बचाने के लिए इस्तीफा देंगे?

सोनिया गांधी भारतीय नागरिकता लेने से पहले ही मतदाता बन गईं

नई दिल्ली। विपक्ष द्वारा सरकार और निर्वाचन आयोग पर लगाए वोट चोरी के आरोपों के बीच भाजपा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी भारतीय नागरिक बनने से पहले ही मतदाता के रूप में पंजीकृत थीं। भाजपा के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने एक्स पर कहा, मतदाता सूची के साथ सोनिया गांधी का रिश्ता चुनावी कानूनों के घोर उल्लंघन से भरा है। शायद यही कारण है कि राहुल गांधी अयोग्य और अवैध मतदाताओं को नियमित करने के पक्ष में हैं तथा विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान का विरोध कर रहे हैं। उन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के आधिकारिक निवास की मतदाता सूची की एक प्रति पोस्ट की, जिसमें दावा किया गया कि सोनिया गांधी का नाम मतदाता सूची में संशोधन के दौरान जोड़ा गया था और एक जनवरी, 1980 को अर्हक तिथि माना गया था। मालवीय ने दावा किया, उनका नाम पहली बार 1980 में मतदाता सूची में आया था - भारतीय नागरिक बनने से तीन साल पहले और उस समय तक उनके पास इतालवी नागरिकता थी। उन्होंने कहा कि उस समय तक उस पते पर पंजीकृत मतदाताओं में इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, संजय गांधी और मेनका गांधी शामिल थे तथा संशोधन के दौरान सोनिया गांधी का नाम जोड़ा गया। मालवीय ने कहा, यह प्रविष्टि कानून का स्पष्ट उल्लंघन है, जिसके अनुसार मतदाता के रूप में पंजीकृत होने के लिए किसी व्यक्ति का भारतीय नागरिक होना आवश्यक है। 1982 में विरोध के बाद उनका नाम सूची से हटा दिया गया था - जो 1983 में पुन: सामने आया। उन्होंने कहा, यहां तक कि उनकी नाम बहाली ने भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए थे। उस वर्ष मतदाता सूची के नए संशोधन में, सोनिया गांधी का नाम मतदान केंद्र 140 के क्रम संख्या 236 पर दर्ज था। पंजीकरण की अर्हता तिथि 1 जनवरी, 1983 थी, जबकि उन्हें भारतीय नागरिकता 30 अप्रैल, 1983 को ही दी गई। मालवीय ने दावा किया कि नागरिकता की जरूरतों को पूरा किए बिना नाम दो बार सूची में दर्ज किया गया।

विकास कार्य करते समय पर्यावरण की रक्षा करना जरूरी: उच्चतम न्यायालय

● तेलंगाना सरकार को कांचा गाचीबोवली वन स्थल पर प्रस्ताव के लिए मिले छह सप्ताह

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को तेलंगाना सरकार को कांचा गाचीबोवली वन स्थल के समग्र पुनरुद्धार के वास्ते एक अच्छा प्रस्ताव पेश करने के लिए छह सप्ताह का समय दिया और कहा कि राज्य सरकार को काटे गए पेड़ों को फिर से लगाना होगा।

प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने कहा कि वन क्षेत्र को बहाल किया जाना चाहिए। शीर्ष अदालत ने कहा कि वह विकास के खिलाफ नहीं है, लेकिन पर्यावरण की रक्षा की जानी चाहिए। पीठ ने मामले की सुनवाई छह सप्ताह बाद के लिए स्थगित करते हुए कहा, समय-समय पर न्यायालय कहता रहा है कि हम विकास के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन यह सतत विकास होना चाहिए। विकास संबंधी गतिविधियां करते समय, पर्यावरण और वन्य जीवन के हितों का ध्यान रखा जाना चाहिए तथा क्षतिपूर्ति के उपाय सुनिश्चित किए जाने चाहिए। यदि सरकार ऐसा कोई प्रस्ताव लेकर आती है तो हम उसका स्वागत करेंगे।

तेलंगाना सरकार के अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने कहा कि राज्य सरकार पूरे प्रस्ताव पर समग्र रूप से विचार कर रही है, जिसमें पर्यावरण और वन्यजीवों के हितों को विकास कार्यों के साथ संतुलित करने का प्रयास किया जा रहा है।

शीर्ष अदालत ने 15 मई को कहा था कि हैदराबाद विश्वविद्यालय के निकट पेड़ों की कटाई प्रथम दृष्टया पूर्व नियोजित प्रतीत होती है। अदालत ने तेलंगाना सरकार से कहा था कि वह इसे बहाल करे अन्यथा उसके अधिकारियों को जेल हो सकती है।

जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने की याचिका पर सुनवाई आज

सुप्रीम कोर्ट जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने की याचिका पर गुरुवार को सुनवाई करेगा। वाद सूची के अनुसार भारत के प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ सुनवाई कर सकती है। उच्चतम न्यायालय ने 11 दिसंबर, 2023 को सर्वसम्मति से दिए फैसले में अनुच्छेद- 370 को निरस्त करने के निर्णय को बरकरार रखा था और साथ ही आदेश दिया था कि जम्मू-कश्मीर में सितंबर 2024 तक विधानसभा चुनाव कराए जाएं तथा इसका राज्य का दर्जा 'जल्द से जल्द' बहाल किया जाए।

सावरकर-गोडसे की विचारधारा वालों से मुझे खतरा: राहुल गांधी

पुणे, एजेंसी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपने खिलाफ मानहानि मामले में सुनवाई कर रही पुणे की अदालत से बुधवार को कहा कि उन्हें विनायक दामोदर सावरकर व नाथूराम गोडसे की विचारधारा वालों से खतरे की आशंका है तथा निवारक सुरक्षा देना सरकार का संवैधानिक दायित्व है।

विनायक दामोदर सावरकर के पौत्र सत्यकी सावरकर द्वारा दायर मानहानि के मुकदमे का सामना कर रहे गांधी ने सांसदों और विधायकों के खिलाफ मामलों की विशेष अदालत के समक्ष आवेदन में यह दावा किया। इस मामले में मुकदमा अभी शुरू होना है। यह गांधी द्वारा स्वतंत्रता सेनानी

● कांग्रेस नेता ने मानहानि मामले में सुनवाई के दौरान कोर्ट को बताया

एवं हिंदुत्व विचारक वीडी सावरकर के खिलाफ की गईं टिप्पणियों से संबंधित है। गांधी के वकील मिलिंद पवार द्वारा न्यायिक मजिस्ट्रेट (प्रथम श्रेणी) अमोल शिंदे के समक्ष दायर किए गए आवेदन में कहा गया कि शिकायतकर्ता सत्यकी ने स्वीकार किया था कि वह मातृवंश के माध्यम से नाथूराम गोडसे और गोपाल गोडसे के भी प्रत्यक्ष वंशज हैं। गांधी ने हाल में नई दिल्ली में चुनाव धोखाधड़ी के सबूत रखे थे। इसके मद्देनजर, विनायक सावरकर की विचारधारा वाले गांधी के प्रति शत्रुता या नाराजगी रखते होंगे।

महाभियोग से बचने को न्यायमूर्ति वर्मा के पास इस्तीफा का विकल्प

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच के लिए एक समिति के गठन की घोषणा की है और ऐसे में संसद द्वारा पद से हटाने से बचने के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश के पास इस्तीफा ही एकमात्र विकल्प बचा है।

जांच समिति में सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश अरविंद कुमार, मद्रास हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश मनींद्र मोहन श्रीवास्तव और कर्नाटक हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता बी वी आचार्य है। बिरला ने मंगलवार को लोकसभा में कहा, समिति यथाशीघ्र रिपोर्ट दें, रिपोर्ट आने तक प्रस्ताव (न्यायमूर्ति वर्मा को हटाने का) लंबित रहेगा। उन्होंने सदन को

● इस्तीफा देने पर मिलेंगी सेवानिवृत्त जज के बराबर सुविधाएं, सदन ने हटाया तो कुछ नहीं मिलेगा

सूचित किया कि उन्हें 31 जुलाई को भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद और सदन में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी सहित सत्ता पक्ष और विपक्ष के 146 सदस्यों द्वारा हस्ताक्षरित प्रस्ताव की सूचना प्राप्त हुई है। उक्त सूचना में न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा को हाईकोर्ट के न्यायाधीश के पद से हटाने के लिए राष्ट्रपति को समावेदन प्रस्तुत करने का प्रस्ताव है।

शीर्ष अदालत व हाईकोर्ट के न्यायाधीशों की नियुक्ति और उन्हें हटाने की प्रक्रिया से अवगत अधिकारियों ने बताया कि किसी भी सदन में सांसदों के समक्ष अपना पक्ष रखते हुए न्यायमूर्ति वर्मा यह घोषणा कर सकते हैं कि वह पद छोड़ रहे हैं और उनके मौखिक बयान को इस्तीफा माना जाएगा। यदि वह इस्तीफा देने का फैसला करते हैं, तो उन्हें हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश के बराबर पेंशन और अन्य सुविधाएं मिलेंगी। लेकिन संसद द्वारा हटाया जाता है, तो उन्हें लाभों से वंचित कर दिया जाएगा।

रुपये मिलने के बाद दिल्ली से भेजे गए थे इलाहाबाद

संविधान के अनुच्छेद 217 के अनुसार, हाईकोर्ट के न्यायाधीश राष्ट्रपति को संबोधित हस्ताक्षर युक्त पत्र से पद से इस्तीफा दे सकते हैं, इसके लिए किसी मंजूरी की जरूरत नहीं। न्यायाधीश पद छोड़ने के लिए संभावित तिथि दे सकता है। ऐसे मामलों में, न्यायाधीश पद पर रहने की अंतिम तिथि से पहले अपना इस्तीफा वापस ले सकता है। संसद द्वारा पद से हटाया जाना एक अन्य तरीका है। तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना ने नकदी बरामदगी विवाद में फंसे न्यायमूर्ति वर्मा को हटाने के लिए राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को पत्र लिखा था। न्यायमूर्ति वर्मा के राष्ट्रीय राजधानी स्थित आधिकारिक आवासीय परिसर से मार्च में अधजली नोटों की गड्डियां मिलने के बाद उन्हें दिल्ली उच्च न्यायालय से इलाहाबाद उच्च न्यायालय भेज दिया गया था।

ऑनलाइन सट्टेबाजी मामले में सुरेश रैना से पूछताछ

नई दिल्ली, एजेंसी

ईडी ने पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना से अवैध सट्टेबाजी ऐप से जुड़े धन शोधन में बुधवार को पूछताछ की। रैना (38) को सुबह करीब 11 बजे अपनी उपस्थिति दर्ज कराने से पहले मध्य दिल्ली स्थित एजेंसी कार्यालय के बाहर केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) कर्मियों और ईडी के कर्मचारियों के साथ बातचीत करते देखा गया।

सूत्रों ने बताया कि संघीय जांच एजेंसी ने एक अवैध सट्टेबाजी ऐप (1एक्सबेट) से जुड़ी जांच में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत उनका

● ईडी कार्यालय सुबह 11 बजे पहुंचे पूर्व क्रिकेटर

बयान दर्ज किया। रैना विज्ञापनों के जरिए इस ऐप से जुड़े हैं। ईडी इस ऐप से उनके संबंधों, प्रचार से की कमायी और दोनों पक्षों के बीच संचार के माध्यम के बारे में पूछताछ करना चाहती है। एजेंसी ने जांच के तहत गूगल व मेटा के प्रतिनिधियों को पूछताछ के लिए बुलाया था।

वर्ल्ड ब्रीफ

जयशंकर अगले सप्ताह रूस जाएंगे

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस. जयशंकर अगले सप्ताह अपने रूसी समकक्ष सर्गेई लावरोव के साथ महत्वपूर्ण वार्ता करने के लिए मास्को की यात्रा करेंगे। यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब रूस से कच्चे तेल की खरीद को लेकर हाल में अमेरिका के साथ भारत के संबंधों में कुछ तनाव आया है। जयशंकर की रूस यात्रा एनएसए अजीत डोभाल की रूस यात्रा और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन तथा कई शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात के कुछ दिनों बाद हो रही है। विदेश मंत्री की मास्को यात्रा से परिचित लोगों ने बताया कि दोनों पक्ष इस वर्ष के अंत में पुतिन की भारत यात्रा के विभिन्न पहलुओं को भी अंतिम रूप दे सकते हैं।

इटली के तट के निकट नाव पलटी, 20 की मौत

रोम। इटली के लैम्पेदुसा द्वीप के पास लगभग 100 प्रवासियों को ले जा रही एक नाव पलट गई, जिसमें कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई और एक दर्जन से अधिक लोग लापता हो गए। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी ने बुधवार को यह जानकारी दी। इटली में संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायोग के प्रवक्ता फिलिपो उंगारो ने बताया कि 60 बचे लोगों को लैम्पेदुसा के एक केंद्र में लाया गया है। बचे हुए लोगों के अनुसार, जब नाव लीबिया से रवाना हुई थी, तब उसमें 92 से 97 प्रवासी सवार थे। यूएनएचसीआर के मुताबिक, अधिकारियों ने 20 शव बरामद कर लिए हैं और 12 से 17 अन्य लोगों की तलाश जारी है।

द. कोरिया: पूर्व राष्ट्रपति की पत्नी गिरफ्तार

सियोल। दक्षिण कोरिया के पूर्व राष्ट्रपति यून सूक येओल की पत्नी को भ्रष्टाचार के आरोपों में गिरफ्तार किया गया है। अधिकारी उनके खिलाफ रिश्वतखोरी, स्टॉक में हेराफेरी और एक उम्मीदवार के चयन में दखलंदाजी सहित विभिन्न आरोपों की जांच कर रहे हैं। गिरफ्तारी वारंट के लिए विशेष अभियोजक के अनुरोध को मंगलवार देर रात स्वीकार करते हुए 'सियोल सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट' ने कहा कि यून की पत्नी किम कियोन सबूतों को नष्ट कर सकती हैं। लिबरल पार्टी की नई सरकार द्वारा किम के खिलाफ शुरू कराई गई यह जांच तीन विशेष अभियोजक पड़तालों में से एक है। दक्षिण कोरिया के पूर्व राष्ट्रपति येओल भी जेल में बंद हैं।

अमेरिका में हिंदू मंदिर को विरूपित किया, भारतीय दूतावास ने की निंदा

न्यूयॉर्क, एजेंसी

- अमेरिका में एक साल के अंदर मंदिर पर हमले की चौथी घटना

अमेरिका के इंडियाना शहर में एक हिंदू मंदिर के नामपट्ट को विरूपित कर दिया गया जिसे भारतीय वाणिज्य दूतावास ने निंदनीय बताया है।

मंदिर के आधिकारिक जनसंपर्क हैंडल ने मंगलवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में बताया कि यह घृणित कृत्य ग्रीनवुड शहर स्थित बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर में हुआ। इसमें कहा गया है कि एक साल से भी कम समय में यह चौथी बार है जब किसी बीएपीएस मंदिर को निशाना बनाया गया है। शिकागो स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने 'एक्स' पर कहा, इंडियाना के ग्रीनवुड स्थित बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर के मुख्य नामपट्ट का अपमान निंदनीय है। दूतावास ने कहा कि उसने शीघ्र कार्रवाई के लिए कानून प्रवर्तन अधिकारियों के समक्ष यह मामला उठाया है।

लॉस एंजिलिस में बुजुर्ग सिख पर हमला

न्यूयॉर्क। लॉस एंजिलिस में एक बुजुर्ग सिख व्यक्ति पर हमला करने पर एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया गया है। इस हमले में पीड़ित की खोपड़ी की हड्डी टूट गई और उसे संभवत: मस्तिष्काघात हुआ है। लॉस एंजिलिस के एक गुरुद्वारे के पास 4 अगस्त को 70 वर्षीय हरपाल सिंह पर एक बेघर व्यक्ति बो रिचर्ड विटाग्लियानो ने उस समय हमला कर दिया था जब वह सैर कर रहे थे।

चुनौती बनता चीन

पड़ोसी देश की कई परियोजनाएं बढ़ा रही हैं समस्या

भारत और चीन का विवाद लगभग भारत की आजादी जितना ही पुराना है। तिब्बत, शरणार्थी मुद्दों, अक्साई चिन और अरुणाचल प्रदेश को लेकर इसकी शुरुआत 1950 के दशक में ही हो गई थी। 1962 में युद्ध के बाद 1967 में नाथू ला और चो ला की झड़पों के बाद एलएसी, देपसांग, चुमार और डोकलाम में भारत और चीन की भिड़ंत होती रही। 2020 से 2022 के बीच पूर्वी लद्दाख में बड़े पैमाने पर सेनाओं की आमने-सामने तैनाती, गलवान में संघर्ष से तनातनी चरम पर पहुंची। कई दौर की कोर-कमांडर की वार्ता के बाद इसमें आंशिक कमी आई लेकिन तनाव खत्म नहीं हुआ। सीमाओं पर तनातनी के बीच चीन लगातार ऐसी परियोजनाओं के निर्माण में जुटा हुआ है जो भारत पर दबाव बनाने की रणनीति है और उसकी समस्याएं बढ़ा रही हैं। हालांकि, भारत चीनी आक्रामकता का लगातार मुकाबला कर रहा है।

विवाद के बुनियादी मुद्दे

- दोनों देशों के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा की अलग-अलग धारणा, मानचित्रण का फर्क और चीन की धीरे-धीरे भूस्थिति बदलने की कोशिशें।
- चीन के चरित्र से दोनों देशों में विश्वास का संकट, 2020 के गलवान संघर्ष के बाद सैन्य और राजनीतिक भरोसे को गहरे रूप से चोट पहुंची।
- रणनीतिक प्रतिस्पर्धा, भारत के इंडो-पैसिफिक में उभार, क्वाड और महत्वपूर्ण टेक/सप्लाई चेन साझेदारियां, इसे बीजिंग संतुलन भंग मानता है।
- चीन का चाइना पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर, आईओआर पोर्ट नेटवर्क, तिब्बत/शिनजियांग में सैन्य-इन्फ्रा, भारत इसे सुरक्षा चुनौती मानता है।

विवादित परियोजनाएं

- पीओके से गुजरने वाला बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव और चाइना पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर रणनीतिक कार्रवाई है।
- तिब्बत में इन्फ्रास्ट्रक्चर बढ़ाते हुए हाइवे, रेल, ऑलवेदर सड़कों के निर्माण से पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के लिए सहूलियत जुटाना।
- ब्रह्मपुत्र नदी पर जंग्मु आदि बांध और ग्रेट बेंड क्षेत्र में मेगा-हाइड्रो की योजना के निर्माण से भारतीय क्षेत्र के लिए असुरक्षा बढ़ाना।
- अपना घेरा बढ़ाने की रणनीति स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स के तहत ग्वादर, हम्बनटोटा, जिबूती बेस, आईओआर में निरंतर उपस्थिति बढ़ाना।

चीनी हथकंडे

- सीमा पर सेना की अग्रिम तैनाती, सैन्य नागरिक इस्तेमाल को सड़क-रेल, एयरफील्ड निर्माण।
- नक्शे और नामकरण राजनीति, अरुणाचल को दक्षिण तिब्बत बताना, कई स्थानों का चीनी नामकरण, स्टेपल्ड वीजा।
- कूटनीति में वीटो-ब्लॉक, न्यूक्लियर सप्लायर्स ग्रुप में भारत का प्रवेश रोकना, आतंकवादियों की संयुक्त राष्ट्र में लिस्टिंग में देरी।

भारत की जवाबी तैयारियां

- भारत ने एलएसी पर अटल-सेला जैसी सड़कों-टनलों, एडवांस्ड एयरफील्ड, आईएसआर ड्रोन/सेटेलाइट, फोर्स री-बैलेंस, माउंटेन स्ट्राइक पर फोकस किया है।
- क्वाड, मालाबार जैसे अभ्यास कर रहा है। अमेरिका, फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया और जापान से गहरी साझेदारी करने पर जोर है, रूस के साथ भी संतुलन की कोशिश।
- वर्ष 2020 के बाद भारत ने चीनी एप बैन किए, एफडीआई स्क्रूटनी, 5जी में हाईरिस्क वेंडर पर रोक, पीएलआई से घरेलू मैन्युफैक्चरिंग, सप्लाईचेन डीरिस्किंग।
- भूटान-नेपाल-श्रीलंका-मालदीव जैसे पड़ोसी देशों से रिश्ते मजबूत करने की कोशिश, समुद्री क्षेत्र जागरूकता को मजबूत करने पर भी जोर दिया जा रहा है।

पुतिन ने युद्ध न रोका तो गंभीर परिणाम भुगतेंगे

कल अलास्का में रूसी राष्ट्रपति के साथ शिखर वार्ता होने से पहले ट्रंप ने सीधी चेतावनी

वाशिंगटन, एजेंसी

- मैक्रों ने कहा- शिखर वार्ता में युद्ध विराम चाहता है अमेरिका

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि अलास्का में शुक्रवार को होने वाली वार्ता में यदि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन के साथ युद्ध रोकने पर सहमत नहीं हुए तो उन्हें इसके बहुत गंभीर परिणाम भुगतने पड़ेंगे।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि ट्रंप ने यूरोपीय देशों के नेताओं के साथ बुधवार को हुई ऑनलाइन बैठक में बहुत स्पष्ट रूप से कहा है कि अमेरिका अलास्का में अमेरिका-रूस शिखर सम्मेलन में संघर्ष विराम समझौता चाहता है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि उन्होंने समूह को बताया है कि पुतिन ट्रंप के साथ होने वाली बैठक से पहले गुमराह कर रहे हैं।

जेलेंस्की ने कहा कि पुतिन 'यूक्रेनी मोर्चे के सभी क्षेत्रों पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं ताकि यह दिखाया जा सके कि रूस पूरे यूक्रेन पर कब्जा करने में सक्षम है। उन्होंने कहा, पुतिन प्रतिबंधों के बारे में भी गुमराह रहे हैं। ऐसा लग रहा है, जैसे उनके लिए प्रतिबंधों का कोई मतलब ही नहीं है और न ही इनका रूस पर कुछ असर पड़ने वाला है। जबकि हकीकत तो यह है कि प्रतिबंध बहुत मददगार हैं और यह रूस की अर्थव्यवस्था पर भारी असर डाल रहे हैं, जिससे वह युद्ध में कमजोर पड़ सकता है।

इससे पहले, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की बुधवार को जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज के साथ वार्ता और अन्य यूरोपीय तथा अमेरिकी नेताओं के साथ डिजिटल बैठकों के लिए बर्लिन पहुंचे। इस सप्ताह के आखिर में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच शिखर बैठक होनी है। यूक्रेन के नेता ने बुधवार को कहा कि अलास्का में शिखर बैठक से पहले उनकी सरकार ने साझेदारों के साथ 30 से अधिक बार बातचीत की है, लेकिन उन्होंने इस बात पर संदेह जताया कि पुतिन सद्भावना के साथ बातचीत करेंगे। अपने आधिकारिक टेलीग्राम चैनल पर जेलेंस्की ने कहा कि फिलहाल ऐसा कोई संकेत नहीं है कि रूस युद्ध समाप्त करने की तैयारी कर रहा है।

किम जोंग उन ने फोन पर की पुतिन से बात

सियोल। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने फोन पर बातचीत कर अपने मजबूत होते संबंधों और यूक्रेन के खिलाफ युद्ध प्रयासों पर चर्चा की। दोनों देशों के सरकारी मीडिया ने बुधवार को यह जानकारी दी। दोनों देशों के नेताओं के बीच यह बातचीत ऐसे समय में हुई है जब पुतिन की अलास्का में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ बैठक होनी है। उत्तर कोरिया की आधिकारिक 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' ने बताया कि पुतिन ने फोन पर बातचीत के दौरान उत्तर कोरियाई सैनिकों द्वारा दिखाई गई बहादुरी और आत्म-बलिदान की भावना की प्रशंसा की। उत्तर कोरिया के बलों ने रूस के कुर्स्क सीमा क्षेत्र में यूक्रेनी घुसपैठ को रोकने के लिए रूसी सेना के साथ मिलकर लड़ाई लड़ी थी।

पुतिन से खतरा महसूस कर रहे हैं यूरोपीय देश

यूरोपीय देश और यूक्रेन इस बात को लेकर सतर्क हैं कि पुतिन कहीं उनके बिना ही अनुकूल रियायतें हासिल न कर लें और शांति समझौते की रूपरेखा तय न कर दें। यूरोपीय देशों को सबसे ज्यादा डर इस बात का है कि अगर पुतिन यूक्रेन में जीत जाते हैं तो उनकी नजरें यूरोपीय देशों में से किसी एक पर टिक जाएंगी। जेलेंस्की ने मंगलवार को कहा कि पुतिन चाहते हैं कि यूक्रेन दोनेत्स्क क्षेत्र के शेष 30 प्रतिशत हिस्से से हट जाए, जिस पर युद्ध विराम समझौते के तहत उसका अब भी नियंत्रण है। हालांकि, इस प्रस्ताव को पुतिन ने स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया। जेलेंस्की ने दोहराया कि यूक्रेन अपने नियंत्रण वाला कोई भी क्षेत्र नहीं छोड़ेगा क्योंकि यह असंवैधानिक होगा और भविष्य में रूसी आक्रमण के लिए एक आधार प्रदान करेगा।

अगले महीने न्यूयॉर्क की यात्रा कर सकते हैं मोदी

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

- संयुक्त राष्ट्र महासभा सत्र को संबोधित करने वाले शासनाध्यक्षों की सूची में है प्रधानमंत्री का नाम

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सितंबर में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के वार्षिक उच्च स्तरीय सत्र को संबोधित कर सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी वक्ताओं की अनंतिम सूची से यह जानकारी प्राप्त हुई है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा का 80वां सत्र नौ सितंबर को शुरू होगा। उच्च-स्तरीय आम बहस 23 से 29 सितंबर तक चलेगी, जिसमें ब्राजील पारंपरिक रूप से सत्र का पहला वक्ता होगा। उसके बाद अमेरिका महासभा को संबोधित करेगा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 23 सितंबर को प्रतिष्ठित यूएनजीए मंच से विश्व के नेताओं को संबोधित करेंगे। 'व्हाइट हाउस' में अपने दूसरे कार्यकाल में यह संयुक्त राष्ट्र सत्र का उनका पहला संबोधन होगा।

महासभा के 80वें सत्र की उच्च-स्तरीय बहस के लिए वक्ताओं की अनंतिम सूची के अनुसार, भारत के शासनाध्यक्ष 26 सितंबर की सुबह सत्र को संबोधित करेंगे। इजराइल, चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश के शासनाध्यक्ष भी उसी दिन संयुक्त राष्ट्र महासभा की आम बहस को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी इस साल फरवरी में वाशिंगटन डीसी स्थित 'व्हाइट हाउस' में ट्रंप के साथ द्विपक्षीय बैठक के लिए अमेरिका आए थे। अपनी बैठक के बाद जारी एक संयुक्त बयान में, मोदी और ट्रंप ने 2025 तक पारस्परिक रूप से लाभकारी, बहु-क्षेत्रीय द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के पहले चरण पर बातचीत करने की योजना की घोषणा की थी।

ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी ने ईरान को दी प्रतिबंधों की धमकी

बर्लिन, एजेंसी

- परमाणु कार्यक्रम की समयसीमा नजदीक आने पर हुए सक्रिय

ईरान के अपने परमाणु कार्यक्रम पर पश्चिमी देशों के साथ वार्ता इस महीने के अंत तक पुनः शुरू करने और संयुक्त राष्ट्र परमाणु निगरानी संस्था के साथ सहयोग करने की समय-सीमा करीब आने के बीच ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी के शीर्ष राजनयिकों ने ईरान पर पुनः प्रतिबंध लगाने की धमकी दी है।

'ई3' के नाम से जाने जाने वाले तीनों देशों ने शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र को लिखे पत्र में कहा कि वे स्नैपबैक तंत्र के नाम से जानी जाने वाली प्रक्रिया को शुरू करने के लिए तैयार हैं, जो पश्चिमी पक्षों में से किसी एक को उस स्थिति में संयुक्त राष्ट्र के प्रतिबंधों को फिर से लागू करने की अनुमति देता है, जब तेहरान इसकी आवश्यकताओं का पालन नहीं करता है।

फ्रांस के विदेश मंत्री जीन-नोएल बैरोट ने बुधवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर यह पत्र पोस्ट किया। उन्होंने जर्मनी और ब्रिटेन के शीर्ष राजनयिकों के साथ इस पर हस्ताक्षर किए। पत्र में कहा गया है, ई3 ने हमेशा यह सुनिश्चित करने के लिए अपने सभी कूटनीतिक साधनों का उपयोग करने की प्रतिबद्धता जताई है कि ईरान परमाणु हथियार विकसित न कर सके।

इसमें कहा गया, हमने स्पष्ट कर दिया है कि यदि ईरान अगस्त 2025 के अंत से पहले किसी कूटनीतिक समाधान पर पहुंचने के लिए तैयार नहीं है, या विस्तार के अवसर का लाभ नहीं उठाता है, तो ई3 स्नैपबैक तंत्र को सक्रिय करने के लिए तैयार हैं। पिछले महीने ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने कहा था कि उन्हें उम्मीद है ई3 राष्ट्र अपने पिछले "गैर रचनात्मक रवैये" पर पुनर्विचार करेंगे।

जश्न की तैयारी

स्वतंत्रता दिवस का जश्न मनाने के लिए देश भर में तैयारियां की जा रही हैं। बुधवार को चंडीगढ़ में राष्ट्रीय कैडेट कोर की गर्ल्स कैडेट ने सेक्टर 17 स्थित परेड ग्राउंड में स्वतंत्रता दिवस परेड के लिए फुल ड्रेस रिहर्सल में भाग लिया। एजेंसी

बांग्लादेश: शेख हसीना के खिलाफ भ्रष्टाचार का केस शुरू

ढाका। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना, उनकी भतीजी अजमीना सिद्दीक और ब्रिटिश सांसद ट्यूलिप सिद्दीक सहित 17 के खिलाफ आवास भूखंड घोटाले के मामले में बुधवार को ढाका की एक अदालत में शिकायतकर्ता के बयानों के साथ मुकदमा शुरू हुआ।

डेली स्टार अखबार की खबर के मुताबिक भ्रष्टाचार रोधी आयोग के सहायक निदेशक एवं शिकायतकर्ता अफनान जन्नत केया ने दोपहर में ढाका में विशेष न्यायालय-4 के न्यायाधीश मोहम्मद रबीउल आलम के समक्ष गवाही दर्ज कराई। इससे पहले, एसीसी के उप निदेशक मोहम्मद सलाहुद्दीन, जो एक अन्य भ्रष्टाचार मामले के शिकायतकर्ता भी हैं, ने हसीना, शेख रेहाना और ट्यूलिप सहित 17 लोगों के खिलाफ दायर एक अन्य मामले में न्यायाधीश आलम के समक्ष अपना बयान दर्ज कराया था। लंदन में रहने वाली सिद्दीक ब्रिटेन की राजधानी के हैम्पस्टेड और हाईगेट निर्वाचन क्षेत्र से सत्तारूढ़ लेबर पार्टी के टिकट पर संसद चुनी गई थीं।

आतंकवादी संगठनों से निपटने के लिए अमेरिका करेगा पाकिस्तान का सहयोग

इस्लामाबाद, एजेंसी

- दोनों देशों ने आतंकवाद के सभी रूपों से लड़ने के लिए अपनी साझा प्रतिबद्धता को दोहराया

पाकिस्तान और अमेरिका ने बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए), इस्लामिक स्टेट-खुरासान और तालिबान सहित प्रमुख आतंकवादी संगठनों से निपटने के लिए द्विपक्षीय सहयोग को और गहरा करने पर सहमति व्यक्त की है।

अमेरिका द्वारा पाकिस्तान स्थित बीएलए को एक विदेशी आतंकवादी संगठन घोषित किए जाने के एक दिन बाद मंगलवार को इस्लामाबाद में हुई द्विपक्षीय आतंकवाद-रोधी वार्ता के दौरान यह सहमति व्यक्त की गयी। इस बैठक की सह-अध्यक्षता पाकिस्तान के संयुक्त राष्ट्र मामलों के विशेष सचिव नबील मुनीर और अमेरिका के विदेश मंत्रालय में आतंकवाद-रोधी कार्यवाहक समन्वयक ग्रेगरी डी. लोर्जेफो ने की। बैठक के बाद जारी संयुक्त बयान के अनुसार, दोनों पक्षों ने आतंकवाद के सभी रूपों से लड़ने की अपनी साझा प्रतिबद्धता को दोहराया। बयान में कहा गया है, दोनों प्रतिनिधिमंडलों ने बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी, आईएस-खुरासान और तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान से उत्पन्न खतरों सहित आतंकी खतरों से निपटने के लिए प्रभावी रणनीतियां बनाने के महत्व पर जोर दिया।'' पाकिस्तान और अमेरिका के बीच ''लंबे समय से चली आ रही साझेदारी'' को दोहराते हुए, दोनों पक्षों ने कहा कि आतंकवाद से निपटने और शांति एवं स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए ''लगातार संवाद'' बेहद जरूरी है। अमेरिका ने पाकिस्तान की ''उन आतंकवादी संगठनों पर काबू पाने में लगातार सफलताओं की सराहना की, जो क्षेत्र और दुनिया की शांति व सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करते हैं।

भारत-पाकिस्तान दोनों से हमारे अच्छे संबंध: अमेरिका

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने कहा है कि अमेरिका के भारत एवं पाकिस्तान दोनों के साथ संबंध अच्छे हैं। विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अमेरिका का दोनों देशों के साथ मिलकर काम करना क्षेत्र और विश्व के लिए अच्छी बात है। दोनों देशों के साथ हमारे रिश्ते जैसे पहले थे, वैसे ही बने हुए हैं। यह स्पष्ट है कि यहां के राजनयिक दोनों देशों के प्रति प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने पाकिस्तानी सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर की ट्रंप के साथ बैठक के बाद हथियारों की बिक्री के मामले में पाकिस्तान के लिए अमेरिकी सहायता में वृद्धि की संभावना के बारे में पूछे गए एक प्रश्न का उत्तर देते हुए यह टिप्पणी की। उनसे यह भी सवाल किया गया था कि क्या यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ ट्रंप के संबंधों की कीमत पर हो रहा है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति: 14 अगस्त, गुरुवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-भाद्रपद, पक्ष-कृष्ण पक्ष, षष्ठी 15 अगस्त 02.07 तक तत्पश्चात सप्तमी।

आज का पंचांग

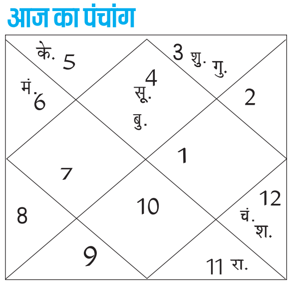

दिशाशूल- दक्षिण, **ऋतु**- वर्षा।
चन्द्रबल-वृषभ, मिथुन, कन्या, तुला, मकर, मीन।
ताराबल-अश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-रेवती 09.06 तत्पश्चात अश्विनी।

मेष: आज व्यापार को लेकर कड़े निर्णय ले सकते हैं। पति-पत्नी के आपसी संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नए सहयोगियों के मिलने से आपका मन प्रसन्नचित्त रहेगा। उच्च अधिकारियों के साथ आपके संबंध मधुर रहेंगे।

वृष: आज प्रेमी जन को प्रपोज करने से बचें। मामूली बातों पर अनबन हो सकती है। धन की कमी के कारण कुछ काम रुक सकते हैं। भावनात्मक रूप से काफी कमजोर महसूस करेंगे। शाम के समय अनचाहे मेहमान आपको परेशान कर सकते हैं।

मिथुन: आज कार्यक्षेत्र में आपको बड़ी जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। सुख-सुविधाओं पर धन खर्च होगा। मौसमी बीमारियों से आपको सावधान रहना चाहिए। बच्चों की गतिविधियों से आपको प्रसन्नता होगी। आज कुछ समय एकान्त में व्यतीत करना चाहेंगे।

कर्क: आज जिन लोगों को स्वास्थ्य समस्या थी उनकी सेहत में सुधार हो सकता है। आपको भागादौड़ी अधिक करनी पड़ेगी। आज अनेक स्रोतों से आपको धन लाभ हो सकता है। परिवार के साथ किसी पर्यटन स्थल की यात्रा कर सकते हैं। अविवाहित लोगों को विवाह प्रस्ताव मिलने के योग बन रहे हैं।

सिंह: आज कार्यक्षेत्र में आपके अनुकूल वातावरण रहेगा। अधिकारी आपकी पदोन्नति को लेकर विचार कर सकते हैं। घर में धर्म-कर्म का वातावरण रहेगा। मित्रों के साथ भविष्य की योजनाओं पर विचार-विमर्श कर सकते हैं। पैतृक संपत्ति के मामलों का समाधान होगा।

कन्या: आज दिन की शुरुआत अच्छी नहीं रहेगी। नींद न पूरी होने के कारण थकान महसूस हो सकती है। अपने मित्रों व नजदीकी लोगों की सफलता से थोड़े ईर्ष्यालु हो सकते हैं। इस कारण आप थोड़ी खिन्नता भी महसूस करेंगे। धैर्यवान रहें और नकारात्मक विचारों को अधिक महत्व न दें।

तुला: आज आर्थिक स्थिति थोड़ी कमजोर हो सकती है। ऐसी स्थिति में वास्तविक मित्रों की पहचान होगी। परिजनों का व्यवहार भी आपके लिये कुछ खास नहीं रहेगा। व्यवसाय को लेकर कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझ कर लें।

वृश्चिक: आज आपके कार्यों की प्रशंसा होगी। अनुभवी लोगों से सलाह लेना बहुत शुभ होगा। जीवनशैली को व्यवस्थित करने का प्रयास करें। तकनीक और कला क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए दिन बहुत अच्छा है। मित्रों के सहयोग से रुके हुए काम बन जायेंगे।

धनु: आज आपके ऊपर अतिरिक्त कार्यभार बढ़ सकता है। शेयर मार्केट से आर्थिक लाभ मिलने के योग बन रहे हैं। आपकी कार्य-कुशलता में वृद्धि होगी। जीवनसाथी के साथ मन की बातें शेयर करेंगे। व्यापार में नए अनुबंध कर सकते हैं।

मकर: आज दांपत्य जीवन की अनबन दूर होगी। प्रतियोगी परीक्षा में अनुकूल परिणाम प्राप्त होंगे। कार्यक्षेत्र में वाद-विवाद होने की आशंका बन रही है। अधिकारियों से आपको डांट खानी पड़ सकती है। जीवनसाथी के प्रेम और साथ से हल्कापन महसूस करेंगे।

कुंभ: आज पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। घर की सजावट और महंगी वस्तुओं पर धन खर्च करेंगे। जॉब में बदलाव के इच्छुक हैं तो दिन सुखद रहने वाला है। शत्रु आपके सामने काफी कमजोर रहेंगे। हालाँकि आपको अति आत्मविश्वास से भी बचना चाहिए।

मीन: आज आपको मेहनत करते रहना चाहिए। पैतृक संपत्ति को लेकर विवादों का निपटारा होगा। किसी बड़े प्रोजेक्ट में आपको योगदान देने का अवसर मिलेगा। घर के बड़े बुजुर्गों का आशीर्वाद प्राप्त होगा। अपने लक्ष्य को लेकर अधिक अपेक्षा न रखें।

सुडोकू-69

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	1		6			7		
		2		1	5	8		
		6		9				
			1			9		
6		1				3		2
		7		4	8			
		4		6		1		
			8			2	3	
		8			2		5	

सुडोकू - 68 का हल

1	5	9	3	2	4	6	8	7
6	7	3	8	9	1	5	4	2
2	8	4	5	6	7	9	3	1
7	4	5	6	8	9	1	2	3
3	9	6	4	1	2	8	7	5
8	1	2	7	3	5	4	6	9
4	2	7	1	5	6	3	9	8
5	6	8	9	7	3	2	1	4
9	3	1	2	4	8	7	5	6

मुझे लगता है कि जमील घरेलू कोच हैं और वह टीम के लिए नए हैं। उनके लिए मुझे अफसोस है क्योंकि वह ऐसे समय में टीम की कमान संभाल रहे हैं जब टीम काफी मुश्किल स्थिति में है।

-बाईचुंग भूटिया

स्टेडियम

बरेली, गुरुवार, 14 अगस्त 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

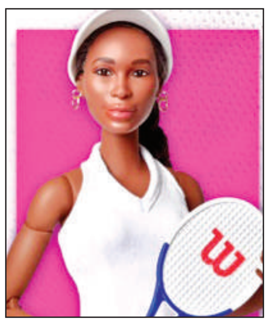

वीनस विलियम्स का बार्बी डॉल।

वीनस विलियम्स बनेगी नई 'बार्बी डॉल'

न्यूयॉर्क : दिग्गज टेनिस खिलाड़ी वीनस विलियम्स जल्द ही 'बार्बी डॉल' के रूप में नजर आएगी। इस गुड़िया निर्माता कंपनी ने प्रेरणादायी महिलाओं की अपनी सीरीज में वीनस को लेकर 'बार्बी डॉल' बनाई है जिसे शुक्रवार को जारी किया जाएगा। इस गुड़िया को उसी तरह की पोशाक पहनाई गई है जो वीनस ने 2007 में विंबलडन चैंपियन बनने के दौरान पहनी थी। यह वही वर्ष था जब पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में महिलाओं को पुरुषों के बराबर पुरस्कार राशि मिली थी। इस गुड़िया की खुदरा कीमत 38 डॉलर बताई गई है, जिसमें वीनस पूरी तरह सफेद पोशाक में होंगी। उनके गले में हरे रंग का रत्न का हार, कलाई का बैंड हाथों में रैकेट और टेनिस बॉल होगी।

पोवार दलीप ट्रॉफी में पश्चिम के कोच होंगे

मुंबई : मुंबई के पूर्व बल्लेबाज किरण पोवार को बुधवार को दलीप ट्रॉफी के लिए पश्चिम क्षेत्र की टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया जो 28 अगस्त से बेंगलुरु में शुरू हो रही है। यह टूर्नामेंट इस सत्र में फिर क्षेत्रीय प्रारूप में खेला जाएगा जिसका आयोजन बेंगलुरु के बीसीसीआई के 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' मैदानों में किया जाएगा। दलीप ट्रॉफी के पहले मैच में उत्तर क्षेत्र का सामना पूर्व क्षेत्र से होगा। गुजरात के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज पल्लव वोरा को सहायक कोच नियुक्त किया गया है। मुंबई क्रिकेट संघ द्वारा की गई अन्य नियुक्तियों में डॉ जयदेव पंड्या को फिजियो, महेश पाटिल को 'स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग' कोच, प्रदीपसिंह चंपावत को टीम का विश्लेषक और आकाश चौधरी को मालिशिया नियुक्त किया गया। दत्ता मिठबावकर टीम मैनेजर होंगे।

सभी देशों को टेस्ट खेलने की जरूरत नहीं

मेलबर्न : क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी टॉड ग्रीनबर्ग का मानना है कि सभी देशों को टेस्ट खेलने की जरूरत नहीं है क्योंकि इससे वित्तीय रूप से कुछ कमजोर बोर्ड पर बोझ पड़ता है। उन्होंने कहा कि हालांकि टेस्ट खेलने वाले देशों की कोई निश्चित संख्या नहीं है लेकिन 'टेस्ट क्रिकेट की कमी हमारे लिए नुकसानदायक नहीं बल्कि फायदेमंद है। ऑस्ट्रेलिया ने 2024-25 सत्र में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी की मेजबानी की थी और अब वह इस साल के अंत में एशेज ट्रॉफी के लिए इंग्लैंड का स्वागत करने के लिए तैयार है।

गुकेश संयुक्त पांचवें स्थान पर पहुंचे

लुई (अमेरिका) : विश्व चैंपियन डी गुकेश के लिए ग्रैंड शतरंज टूर के तहत खेले जा रहे सेंट लुई रैपिड एंड ब्लिट्ज टूर्नामेंट का दूसरा दिन बहुत अच्छा नहीं रहा। उन्हें एक बाजी में हार का सामना करना पड़ा जबकि दो बाजियां उन्होंने ड्रॉ खेली जिससे वह 10 खिलाड़ियों के बीच खेले जा रहे इस टूर्नामेंट में छह अंकों के साथ संयुक्त पांचवें स्थान पर खिसक गए।

भारत ए ने ऑस्ट्रेलिया को 3 विकेट से हराया

ब्रिस्बेन : यास्तिका भाटिया के अर्धशतक और कप्तान राधा यादव की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से भारत ए ने बुधवार को यहां पहले महिला एकदिवसीय क्रिकेट मैच में आस्ट्रेलियाई टीम को 48 गेंद शेष रहते हुए तीन विकेट से हरा दिया। इस जीत से भारत अब तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 से आगे हो गया है। बाएं हाथ की स्पिनर राधा ने 45 रन देकर तीन विकेट लिए, जिससे भारत ए ने ऑस्ट्रेलिया ए को 47.5 ओवर में 214 रन पर समेट दिया। भारतीय टीम ने इसके बाद भाटिया (70 गेंदों पर 59 रन) की अगुवाई में बल्लेबाजों के अच्छे प्रदर्शन से 42 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। भाटिया ने शेफाली वर्मा के साथ अच्छी शुरुआत की और पहले विकेट के लिए 77 रन जोड़े।

खेल विधेयक छह महीने में लागू कर दिया जाएगा : मांडविया

नई दिल्ली, एजेंसी

खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने बुधवार को बताया कि संसद में सुचारू रूप से पारित होने के बाद ऐतिहासिक राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक अगले छह महीने में लागू कर दिया जाएगा और प्रारंभिक कार्य पहले ही शुरू हो चुके हैं जिसमें नियमों का मसौदा तैयार करना और बुनियादी ढांचे की पहचान करना शामिल है।

संसद के दोनों सदनों में विधेयक पारित होने के बाद अपने पहले साक्षात्कार में मांडविया ने विधेयक के उस प्रावधान को 'मानक सुरक्षा' के रूप में उचित ठहराया जो सरकार को असाधारण परिस्थितियों में भारतीय टीमों और व्यक्तिगत खिलाड़ियों की अंतरराष्ट्रीय भागीदारी पर 'उचित प्रतिबंध लगाने' का विवेकाधीन अधिकार देता है।

मांडविया ने अपने आवास पर विशेष बातचीत में पीटीआई से कहा यह विधेयक जल्द से जल्द लागू किया जाएगा। अगले छह महीनों के भीतर शत प्रतिशत कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रक्रियाएं पूरी कर ली जाएंगी।इस विधेयक के पारित होने से भारत खेल कानून लागू करने वाला 21वां देश बन जाएगा। इसके सबसे अहम प्रावधानों के कार्यान्वयन के लिए एक राष्ट्रीय खेल बोर्ड (एनएसबी) की स्थापना की जरूरत होगी जो राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) को मान्यता प्रदान करेगा और विवादों के समाधान के लिए एक राष्ट्रीय खेल पंचाट (एनएसटी)

तथा एनएसएफ चुनावों की देखरेख के लिए एक राष्ट्रीय खेल चुनाव पैनल (एनएसईपी) का गठन किया जाएगा।

खेल मंत्री ने कहा पदों को बनाने के लिए और अन्य प्रशासनिक अनुमोदन के लिए कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग तथा व्यय विभाग की स्थापित प्रक्रियाओं का पालन किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि दोनों संस्थान (एनएसबी और एनएसटी) यथाशीघ्र वैधानिक और प्रक्रियात्मक जरूरतों के अनुरूप पूरी तरह से संचालित हो जाएं।

उन्होंने यह भी दोहराया कि यह विधेयक 'स्वतंत्रता के बाद से खेलों में सबसे बड़ा सुधार' है।

इस विधेयक का एनएसएफ और खिलाड़ियों दोनों ने व्यापक समर्थन दिया है। भारतीय ओलंपिक संघ पहले इसे लेकर संशय में था लेकिन उसने भी खेल मंत्री के साथ गहन चर्चा के बाद इसका समर्थन किया है। विधेयक के पारित होने के साथ ही अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट में भारत की भागीदारी पर अंतिम फैसला सरकार का होगा जिसकी अघोषित सहमति औपचारिक रूप ले चुकी है।

यह मुद्दा अक्सर तब उठता है जब चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के साथ सीमा पर तनाव होता है जैसा इस साल पहलगाम आतंकी हमले के बाद से देखने को मिला है। मांडविया ने कहा कि विधेयक में सरकार के विवेकाधिकार को किसी विशेष देश को ध्यान में रखकर संहिताबद्ध नहीं किया गया है। मांडविया ने कहा सरकार को अंतर्राष्ट्रीय भागीदारी रोकने का अधिकार देने वाला प्रावधान वैश्विक स्तर पर खेल कानूनों में देखा जाने वाला एक मानक सुरक्षा उपाय है जिसका उपयोग असाधारण परिस्थितियों में किया जाता है। उन्होंने कहा इसमें राष्ट्रीय सुरक्षा खतरों, राजनयिक बहिष्कारों और वैश्विक आपात स्थितियां शामिल होती हैं जो किसी विशेष देश के खिलाफ नहीं है।

खेल मंत्री ने कहा व्यवहारिक रूप से पाकिस्तान के साथ खेल टूर्नामेंट से संबंधित फैसले विशेष रूप से द्विपक्षीय संबंधों को प्रभावित करने वाली बड़ी घटनाओं के बाद व्यापक सरकारी नीति और सुरक्षा आकलनों द्वारा लिए जाते हैं।

खेल में सकारात्मक परिवर्तन आएगा

- खेल मंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि नए कानून के कारण भारत के खेल परिदृश्य में सकारात्मक परिवर्तन आएगा। उन्होंने कहा कि अगले एजेंडे में अगले दो दशकों में भारत को विश्व स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करने वाले शीर्ष पांच देशों की सूची में लाने के लिए पदक रणनीति बनाना शामिल है। यह अधिनियम ऐसी स्थितियों में निर्णायक और वैधानिक रूप से कार्य करने की सरकार की क्षमता को औपचारिक रूप देता है। साथ ही यह सुनिश्चित करता है कि कोई भी निर्णय ओलंपिक चार्टर और संबंधित अंतर्राष्ट्रीय खेल संस्था के कानूनों के तहत भारत की प्रतिबद्धताओं के अनुरूप रहें। यह मोदी सरकार की स्पष्टता को दर्शाता है।

आकाशदीप।

इंग्लैंड में कप्तान ने मुश्किल समय में साथ दिया : आकाश दीप

कोच गौतम भाई कहते हैं - तुम्हें अपनी प्रतिभा का नहीं है अहसास

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय तेज गेंदबाज आकाशदीप ने कहा कि उनका पहला इंग्लैंड दौरा काफी सहज रहा जहां एक कोच ने खुद से ज्यादा उन पर विश्वास किया, एक कप्तान ने मुश्किल समय में साथ दिया और माहौल घर जैसा था, जबकि परिस्थितियां विदेशी मैदान से ज्यादा घरेलू मैदान जैसी थी। आकाशदीप ने एक मैच में 10 विकेट और दूसरे में अर्धशतक लगाकर भारत की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जिससे वह रातों-रात स्टार बन गए लेकिन वह यह नहीं भूल सकते कि मुख्य कोच गौतम गंभीर ने ओवल में 66 रन बनाने के बाद उनसे क्या कहा था।

इस 29 वर्षीय खिलाड़ी ने पीटीआई से कहा गौतम भाई ने मुझसे कहा, तुमको खुद पता नहीं तुम क्या कर सकते हो। देखो, मैं तुमसे कह रहा था कि तुम यह कर सकते हो। तुम्हें हमेशा इसी समर्पण के साथ खेलना होगा। उन्होंने कहा गौतम भाई बहुत ही जुनूनी कोच हैं। वह हमेशा हमें प्रेरित करते हैं। वह मेरी बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों पर मुझसे भी ज्यादा विश्वास करते हैं। रोहित शर्मा के नेतृत्व में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने और अब शुभमन गिल के नेतृत्व में खेलने के बाद बंगाल के इस तेज गेंदबाज के लिए सामंजस्य बिठाना आसान रहा है। उन्होंने कहा कि नया कप्तान शांत स्वभाव का है लेकिन मैदान पर उनके पास कई तरह के आईडिया होते हैं।

उन्होंने कहा वह बहुत अच्छे कप्तान हैं। ऐसा नहीं है कि वह नए कप्तान हैं। वह पिछले कुछ वर्षों से आईपीएल में कप्तानी कर रहे हैं, जो एक बड़ा मंच है। यह अनुभव काफी मायने रखता है। जब एक कप्तान आपका समर्थन करता है और चीजों को अच्छी तरह समझता है तो इससे बहुत फर्क पड़ता है।

आकाश दीप ने कहा मैंने पिछले साल उनकी कप्तानी में दलीप ट्रॉफी खेली थी। वह एक शांत प्रकृति के खिलाड़ी हैं और उनके पास ढेर सारे आइडिया होते हैं। जब कोई शांत रहता है, तो इससे मैदान पर अच्छे फैसले लेने में मदद मिलती है। आकाशदीप का यह इंग्लैंड का पहला दौर था लेकिन उन्हें अधिकतर समय लगा कि वे उपमहाद्वीपीय पिचों पर खेल रहे हैं, जहां तेज गेंदबाजों के लिए बहुत कम मूवमेंट होता है।

उन्होंने कहा इंग्लैंड में हमने जो पांच टेस्ट मैच खेले, उनमें से चार में पिचें उन आम इंग्लिश विकेटों जैसी नहीं थीं जिनके बारे में हम वर्षों से सुनते या देखते आए हैं। गेंद कई बार ज्यादा सीम या स्विंग नहीं कर रही थी और हमें भारतीय लेंथ के हिसाब से, फुल लेंथ पर गेंद डालनी थी। हमें यह सामंजस्य बिठाना पड़ा। अगर आपने काफी क्रिकेट खेली है तो फिर सामंजस्य से बिठाने में परेशानी नहीं होती। इस तेज गेंदबाज ने कहा अभ्यास सत्र मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। मैं हमेशा मुख्य विपक्षी बल्लेबाज के बारे में सोचने की कोशिश करता हूं, जिसे मुझे गेंदबाजी करनी है। अपनी फिटनेस के बारे में आकाशदीप ने कहा मैदान पर चोटों से बचा नहीं जा सकता।

रोहित आईसीसी एक दिवसीय रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंचे

- **दुबई :** अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में अपने भविष्य को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच भारत के दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा बुधवार को जारी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की नवीनतम एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गए। आईपीएल 2025 के बाद से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेलने वाले 38 साल के रोहित ने एक स्थान के फायदे से पाकिस्तान के बाबर आजम को पछाड़ा जो कैरेबिया में वेस्टइंडीज के खिलाफ हाल में संपन्न एकदिवसीय श्रृंखलामें खराब प्रदर्शन के बाद तीसरे स्थान पर खिसक गए। रोहित के 756 अंक हैं और वह भारत के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल (784) से पीछे हैं जो पहले नंबर पर बने हुए हैं। पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली 736 अंक के साथ चौथे स्थान पर बरकरार हैं। रोहित और कोहली दोनों ने भारतीय टीम के इंग्लैंड दौरे से पहले टेस्ट प्रारूप से संन्यास की घोषणा कर दी थी लेकिन उन्होंने 50 ओवर के प्रारूप में खेलना जारी रखने की इच्छा व्यक्त की है।दोनों स्टार बल्लेबाज अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैच की एकदिवसीय सीरीज खेल सकते हैं।

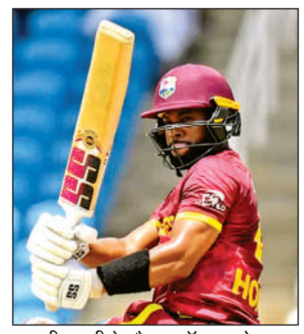

शतकीय पारी के दौरान शॉट लगाते वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप। एजेंसी

पाकिस्तान 92 रन पर ढेर, वेस्टइंडीज ने जीती वनडे सीरीज

टारूबा (त्रिनिदाद) : कप्तान शाई होप के शतक और तेज गेंदबाज जेडन सील्स की घातक गेंदबाजी की मदद से वेस्टइंडीज ने पाकिस्तान को तीसरे और अंतिम एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में 202 रन से करारी शिकस्त देकर तीन मैचों की सीरीज 2-1 अपने नाम की। होप ने 94 गेंद पर नाबाद 120 रन बनाए जिसमें 10 चौके और पांच छक्के शामिल हैं। उनकी इस शानदार पारी की बदौलत वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट पर 294 रन बनाए।

पाकिस्तान की टीम इसके जवाब में 29.2 ओवर में 92 रन पर ढेर हो गई। उसके केवल तीन बल्लेबाज ही दोहरे अंक में पहुंचे, जिनमें सलमान आगा ने सर्वाधिक 30 रन बनाए। जेडन सील्स ने 7.2 ओवर में 18 रन देकर छह विकेट लिए।

2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी के लिए बोली लगाएगा भारत

नई दिल्ली, एजेंसी

- भारतीय ओलंपिक संघ ने विशेष आम बैठक में लिए निर्णय

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने बुधवार को यहां अपनी विशेष आम बैठक (एसजीएम) के दौरान 2030 में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी के लिए देश की बोली को औपचारिक रूप से मंजूरी दे दी।

भारत ने 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों के लिए अहमदाबाद को मेजबान शहर बनाते हुए पहले ही आशय पत्र जमा कर दिया है। भारत को हालांकि 31 अगस्त की समय सीमा से पहले अंतिम बोली के लिए प्रस्ताव जमा करने होंगे। आईओए अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा कि अहमदाबाद के साथ-साथ 2010 के मेजबान दिल्ली और भुवनेश्वर पर भी विचार किया जाएगा।

उषा ने आधे घंटे से ज़्यादा समय तक चली विशेष आम बैठक (एसजीएम) के बाद कहा मुझे खुशी है कि सभी एक साथ हैं और यह सर्वसम्मति से लिया गया फ़ैसला है। अब हम अपनी तैयारी को आगे बढ़ा सकते हैं। हम अभी यह नहीं कह सकते कि अहमदाबाद मेज़बान शहर है या नहीं। हमारे पास भुवनेश्वर और दिल्ली में भी अच्छी सुविधाएं हैं। उन्होंने कहा कुछ परिस्थितियों के कारण 2026 में ग्लासगो में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों में कम खेल शामिल किए गए हैं। अगर हमें 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी मिलती है तो उसमें सभी खेल शामिल किए जाएंगे। उनका इशारा 2026 ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों की छोटी सूची की ओर था जिसमें हॉकी, बैडमिंटन, कुश्ती और निशानेबाजी जैसे प्रमुख खेलों को लागत का हवाला देते हुए हटा दिया गया है। कनाडा के दौड़ से बाहर हो जाने के बाद भारत के लिए 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी पाने की संभावनाएं बढ़ गई हैं।

आईओए के संयुक्त सचिव कल्याण चौबे ने कहा निशानेबाजी, तीरंदाजी, कुश्ती आदि जैसे खेलों को इसमें शामिल करने की योजना है। हमारे पारंपरिक खेल जैसे कबड्डी और खो-खो भी इसमें शामिल होने चाहिए। राष्ट्रमंडल खेल निदेशक डैरेन हॉल के नेतृत्व में राष्ट्रमंडल खेल के अधिकारियों की एक टीम ने हाल ही में आयोजन स्थलों का निरीक्षण करने व गुजरात सरकार के अधिकारियों से चर्चा करने के लिए अहमदाबाद का दौरा किया था। इस महीने के अंत में राष्ट्रमंडल खेलों के प्रतिनिधिमंडल के अहमदाबाद पहुंचने की संभावना है।

गुलवीर सिंह ने 3000 मीटर में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के गुलवीर सिंह ने बुडापेस्ट में ग्युलाई इस्तवान मेमोरियल हंगेरियन एथलेटिक्स ग्रां प्री में पुरुषों की 3000 मीटर दौड़ की गैर ओलंपिक स्पर्धा में अपने ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड को बेहतर किया और पांचवें स्थान पर रहे।

गुलवीर ने मंगलवार को सात मिनट 34.49 सेकंड का समय लेकर इस वर्ष फरवरी में बोस्टन विश्वविद्यालय डेविड हेमरी वैलेंटाइन आमंत्रण प्रतियोगिता में बनाए गए अपने ही पिछले राष्ट्रीय रिकॉर्ड 7.38.26 सेकंड में सुधार किया।

यह 27 वर्षीय खिलाड़ी यूरोप में अपनी पहली ट्रैक रेस में भाग ले रहा था। यह विश्व एथलेटिक्स की कॉन्टिनेंटल टूर स्वर्ण स्तर की प्रतियोगिता है।

खालिद जमील बने फुटबाल टीम के नए मुख्य कोच

नई दिल्ली, एजेंसी

- पूर्णकालिक कोच के रूप में दो साल करेंगे काम : एआईएफएफ

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने बुधवार को कहा कि खालिद जमील को दो साल की अवधि के लिए पूर्णकालिक आधार पर सीनियर पुरुष टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है तथा अच्छे परिणाम हासिल करने पर उनके अनुबंध को आगे एक साल के लिए बढ़ाया जा सकता है। एआईएफएफ ने कहा कि जमील ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की टीम जमशेदपुर एफसी से अलग होने के बाद अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं।

जमील अपना पहला अभ्यास शिविर 15 अगस्त को बेंगलुरु के द्रविड़-पादुकोण सेंटर फॉर स्पोर्ट्स एक्सीलेंस में शुरू करेंगे।

भारतीय टीम के साथ उनका पहला टूर्नामेंट सीएएफए नेशंस कप होगा, जहां भारत ग्रुप बी में मेजबान ताजिकिस्तान (29 अगस्त), ईरान (एक सितंबर) और अफगानिस्तान (चार सितंबर) से भिड़ेगा। भारत अक्टूबर में फीफा विंडो में सिंगापुर के खिलाफ एएफसी एशियाई कप 2027 क्वालीफाइंग दो महत्वपूर्ण मैच (नौ और 14 अक्टूबर) खेलेगा।

जमील ने कहा मुझे राष्ट्रीय टीम का मार्गदर्शन करने की जिम्मेदारी सौंपे जाने पर बहुत गर्व की अनुभूति हो रही है। मुझे पिछले कुछ वर्षों में भारतीय खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देने का मौका मिला है तथा मैं उनके मजबूत और कमजोर पक्षों को जानता हूं। उन्होंने मनोलो मार्केज़ का स्थान लिया है, जिनका अनुबंध पिछले महीने एआईएफएफ ने समाप्त कर दिया था। जमील, 2012 में सावियो मेडेरा के बाद पुरुष राष्ट्रीय टीम के कोच बनने वाले पहले भारतीय हैं। उनके पास इंडियन सुपर लीग और आई-लीग में कोचिंग का व्यापक अनुभव है।

सहानुभूति

कहा- जमील ऐसे समय कमान संभाल रहे हैं जब टीम काफी मुश्किल स्थिति में है

कोच जमील के प्रति अफसोस जताया भूटिया ने

नई दिल्ली, एजेंसी

पूर्व भारतीय कप्तान बाईचुंग भूटिया को खालिद जमील के प्रति अफसोस है जिन्होंने ऐसे समय में राष्ट्रीय फुटबाल टीम की कमान संभाली है जब देश में यह खेल मुश्किल दौर से गुजर रहा है। उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (एआईएफएफ) ने जमील को इसलिए प्राथमिकता दी क्योंकि वह बहुत अधिक मांग नहीं करेंगे।

स्पेन के मनोलो मार्केज़ की जगह लेने वाले जमील 13 वर्षों में सीनियर राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच नियुक्त होने वाले पहले भारतीय बन गए। भूटिया ने फिदेल कास्त्रो शताब्दी फुटबॉल कप के प्रदर्शनी मैच के बाद पीटीआई वीडियो से कहा हमारे पास दो विश्व स्तरीय कोच थे। हमारे पास इगोर स्टिमक थे जिन्होंने क्रोएशियाई टीम को कोचिंग दी थी। हमारे पास मनोलो मार्केज़ थे जो सर्वश्रेष्ठ कोचों में से एक हैं। उन्होंने कहा अगर ये दोनों कोच महासंघ के साथ काम नहीं कर सकते, तो आप ऐसे लोगों को लाएंगे जो महासंघ की बात सुनेंगे और वही करेंगे जो महासंघ कहता है तथा महासंघ के सामने अपनी मांगें नहीं रखेंगे। भूटिया ने कहा मुझे लगता है कि जमील घरेलू कोच हैं और वह टीम के लिए नए हैं। उनके लिए मुझे अफसोस है क्योंकि वह ऐसे समय में टीम की कमान संभाल रहे हैं जब टीम काफी मुश्किल स्थिति में है।

खिलाड़ियों के साथ अभ्यास करते पूर्व भारतीय कप्तान बाईचुंग भूटिया (बाएं से दूसरे)।

डोनारुम्मा ने पीएसजी से नाता तोड़ा

- **पेरिस :** स्टार गोलकीपर जियानलुइगी डोनारुम्मा ने बुधवार को टॉटेनहम के खिलाफ होने वाले यूईएफए सुपर कप फाइनल के लिए पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) की टीम से बाहर किए जाने के कुछ ही घंटों बाद एक संदेश पोस्ट कर कहा कि वह क्लब छोड़ रहे हैं। पीएसजी ने मंगलवार को जब मैच के लिए अपनी टीम की घोषणा की तो हाल में टीम से जुड़ने वाले गोलकीपर लुकास शेवेलियर को बैकअप गोलकीपर मतवेई सफोनोव और रेनाटो मारिन के साथ टीम में शामिल किया गया था।